@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/ qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
सोमवार 27 अक्टूबर 2025

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 संपादक- गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 18 अंक 343 qaumipatrikahindi 011-41509689,23315814,9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रूपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

मोदी ने 2026 को आसियान भारत समुद्री सहयोग वर्ष घोषित किया

● '21वीं सदी भारत और आसियान की सदी है', शिखर सम्मेलन में बोले प्रधानमंत्री मोदी

● अनिश्चितता के कठिन दौर में भी भारत और आसियान की व्यापक रणनीति की साझेदारी लगातार प्रगति कर रही है।

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को भारत आसियान शिखर सम्मेलन में अपने शुरुआती वक्तव्य में 21वीं सदी को भारत और आसियान की सदी बताया। उन्होंने कहा कि भारत सदैव आसियान केंद्रित और हिंद प्रशांत पर आसियान के आउट्लुक का पूर्ण समर्थन करता रहा हैअपने वर्चुअल संबोधन के दौरान प्रधानमंत्री ने 2026 को आसियान भारत समुद्री सहयोग वर्ष घोषित किया। उन्होंने कहा कि

इक्कीसवीं सदी हमारी सदी है, भारत और आसियान की सदी है। मुझे विश्वास है कि आसियान कम्युनिटी विज़न 2045 और विकसित भारत 2047 का लक्ष्य-पूरी मानवता के लिए एक उज्ज्वल भविष्य का निर्माण करेगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि अनिश्चितता के कठिन दौर में भी भारत और आसियान की व्यापक रणनीति की साझेदारी लगातार प्रगति कर रही है। ये मजबूत साझेदारी वैश्विक स्थिरता और विकास का सशक्त आधार बनकर उभर रही है। उन्होंने कहा कि भारत हर आपदा में अपने आसियान मित्रों के साथ मज़बूती से खड़ा रहा है। मानव सहायता एवं आपदा राहत, समुद्री सुरक्षा और ब्लू इकोनॉमी में हमारा सहयोग तेज़ी से बढ़ रहा है। साथ ही हम एजुकेशन, टुरिज़्म, साइंस एण्ड टेक्नॉलजी, हेल्थ, ग्रीन एनर्जी, और साइबर सिक्युरिटी में आपसी सहयोग को भी मजबूती से आगे बढ़ा रहे हैं। अपनी साझा सांस्कृतिक विरासत को संजोने और जन संबंधों को मजबूत करने के लिए हम साथ मिलकर काम करते रहेंगे। उन्होंने कहा कि इस वर्ष की आसियान समिट की थीम इंक्लूसिविटी एंड सस्टेनेबिलिटी' है। थीम हमारे साझा प्रयासों में स्पष्ट दिखती है। चाहे वो डिजिटल इन्क्लूशन हो, या फिर मौजूदा वैश्विक चुनौतियों के बीच फूड सिक्युरिटी और रिज़िल्यन्ट सप्लाइ चेन सुनिश्चित करना। भारत इन प्राथमिकताओं का पूर्ण समर्थन करता है और इस दिशा में साथ आगे बढ़ने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि भारत आसियान दुनिया की एक चौथाई आबादी का प्रतिनिधित्व करते हैं और जनसंख्यायिकी के साथ ऐतिहासिक संबंध और साझा मूल्यों से भी जुड़े हुए हैं। दोनों देश ग्लोबल साउथ के सहयात्री हैं। प्रधानमंत्री ने आसियान की सफल अध्यक्षता के लिए प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम को बधाई दी और थाईलैंड की राजमाता के निधन पर शक भी व्यक्त किया।

सिकल सेल एनीमिया जैसी जनजातीय क्षेत्रों में होने वाली बीमारियों पर विशेष फोकस करे अस्पताल : राष्ट्रपति मुर्मू

● राष्ट्रपति ने कहा कि देशवासियों को निष्ठा के साथ स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने वाले संस्थानों में आकर उन्हें गर्व और खुशी दोनों का अनुभव होता है।

एजेंसी

गाजियाबाद। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने रविवार को गाजियाबाद के इंदिरापुरम में यशोदा मेडिसिटी का भव्य उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने संस्थान के आधुनिक स्वास्थ्य ढांचे और जनसेवा की भावना की सराहना की। राष्ट्रपति ने कहा कि देशवासियों को निष्ठा के साथ स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने वाले संस्थानों में आकर उन्हें गर्व और खुशी दोनों का अनुभव होता है। उन्होंने कहा कि यशोदा मेडिसिटी ने राष्ट्रीय प्राथमिकताओं को पूरी निष्ठा के साथ अपनाया है। कोविड महामारी के दौरान इस संस्थान ने बड़ी संख्या में लोगों का उपचार किया और टीबी उन्मूलन कार्यक्रम के तहत भी उत्कृष्ट कार्य किया है।उन्होंने बताया कि 'सिस्टम फॉर टीबी एलिमिनेशन इन प्राइवेट सेक्टर (स्टेप्स)' के तहत उत्तर भारत का पहला केंद्र यशोदा मेडिसिटी को बनाया गया है। उन्होंने कहा कि सिकल सेल एनीमिया जैसी

जनजातीय क्षेत्रों में होने वाली बीमारियों पर अस्पताल विशेष फोकस करे। यह संस्थान सिकल सेल एनीमिया जैसी जनजातीय क्षेत्रों में होने वाली बीमारियों पर विशेष रूप से काम कर रहा है। उन्होंने उम्मीद जताई कि यशोदा मेडिसिटी इस दिशा में और अधिक योगदान देगी। अस्पताल के चेयरमैन और एमडी डॉ. पीएन. अरोड़ा के प्रयासों की सराहना करते हुए राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि उन्होंने सेल्फ-मेड हेल्थकेयर मिशन के तहत एक विश्वस्तरीय संस्थान स्थापित किया है, जो समाज सेवा और राष्ट्र सेवा को प्राथमिकता देता है। उन्होंने कहा कि अस्पताल को अपनी माता यशोदा जी के नाम पर रखना भारतीय संस्कारों और स्वदेशी भावना का उदाहरण है।

राष्ट्रपति ने अस्पताल का दौरा भी किया और कहा कि उन्होंने अपने जीवन में पहली बार इतना अत्याधुनिक अस्पताल देखा है, जहां एक ही छत के नीचे सभी परीक्षण और उपचार सुविधाएं उपलब्ध हैं, जिससे मरीजों का कीमती समय बचता है। भारत तेजी से विकास की ओर अग्रसर है और यह तभी संभव है जब देश का हर नागरिक स्वस्थ हो। इस तरह की मेडिसिटी न केवल इलाज के लिए बल्कि अनुसंधान और नवाचार के लिए भी जरूरी है।

राष्ट्रपति मुर्मू ने सुझाव दिया कि यशोदा मेडिसिटी आईआईटी बॉम्बे जैसे संस्थानों के साथ मिलकर कैंसर की जीन थेरेपी जैसी स्वदेशी तकनीकों को अपनाए।

अब यूपी के लोगों को इलाज के लिए दिल्ली में नहीं भटकना होगा : सीएम योगी

उत्तर प्रदेश अब स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों को छू रहा है।

एजेंसी

गाजियाबाद। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ रविवार को गाजियाबाद में यशोदा मेडिसिटी के लोकार्पण समारोह में सम्मिलित हुए। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश अब स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों को छू रहा है। हेल्थकेयर सेक्टर में निवेश, नवाचार और गुणवत्तापूर्ण सुविधाओं की दिशा में राज्य तेजी से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि गाजियाबाद में स्थापित यशोदा मेडिसिटी इसका सशक्त उदाहरण है। यह केवल एक अस्पताल नहीं, बल्कि वर्ल्ड क्लास हेल्थकेयर इंफ्रास्ट्रक्चर की नई परिभाषा है। उन्होंने कहा कि इस संस्थान के माध्यम से न केवल एनसीआर बल्कि पूरे उत्तर प्रदेश के नागरिकों को अत्याधुनिक चिकित्सा सुविधाएं एक ही छत के नीचे प्राप्त होंगी।उन्होंने कहा कि प्रदेश के लोगों

को अब दिल्ली में महंगे इलाज के लिए भटकने की जरूरत नहीं, क्योंकि गाजियाबाद में ही वर्ल्ड क्लास हेल्थकेयर उपलब्ध हो गया है। उन्होंने बताया कि वर्ष 2022 में जब उत्तर प्रदेश में थर्ड ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी आयोजित हुई थी, उस समय डॉक्टर पीएन अरोड़ा ने इन्वेस्ट यूपी के साथ एमओयू किया था कि गाजियाबाद में यशोदा मेडिसिटी के नाम से अत्याधुनिक अस्पताल का निर्माण करेंगे। इसमें सभी प्रकार की सुपर स्पेशलिटी सुविधाएं होंगी और विशेष रूप से कैंसर की अत्याधुनिक सुविधा भी, जिसके लिए पहले लोगों को विदेश जाना पड़ता था।

मुख्यमंत्री ने कहा कि तब यह विश्वास नहीं होता था कि इतनी जल्दी यह संभव होगा, लेकिन डॉक्टर पीएन. अरोड़ा, डॉक्टर उपासना अरोड़ा और उनकी पूरी टीम ने मात्र तीन वर्षों में इसे साकार कर दिखाया। यह इन्वेस्टमेंट भी है और 5,000 से अधिक लोगों के लिए रोजगार का माध्यम भी। इस अस्पताल में डॉक्टर, पैरामेडिक्स, नर्सिंग स्टाफ और अन्य हेल्थकेयर से जुड़े 5,000 से अधिक लोगों को रोजगार मिला है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि तीन वर्षों में यह जो काम हुआ है वह उत्तर प्रदेश के बदलते निवेश माहौल और मेडिकल इंफ्रास्ट्रक्चर की शक्ति को दर्शाता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने पिछले 11 वर्षों में हेल्थ सेक्टर में ऐतिहासिक सुधार किए हैं। उत्तर प्रदेश ने भी इस दिशा में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। राज्य में अब तक 42 नए मेडिकल कॉलेज स्थापित किए जा चुके हैं, जबकि दो एम्स (गोरखपुर और रायबरेली) सफलतापूर्वक संचालित हो रहे हैं।

बिहार चुनाव के लिए कांग्रेस ने जारी की स्टार प्रचारकों की लिस्ट, खड़गे-राहुल समेत 40 नेताओं के नाम

'हमारा सारा फोकस चुनाव लड़ने पर है'

एजेंसी

पटना। बिहार में विधानसभा चुनाव को लेकर सियासत तेज हो गई है। राजनीतिक दलों ने चुनाव प्रचार में अपनी पूरी ताकत झोंक दी है। इस बीच कांग्रेस ने फर्स्ट फेज के चुनाव प्रचार के लिए स्टार प्रचारकों की लिस्ट जारी कर दी है, जिसमें मल्लिकार्जुन खड़गे और राहुल गांधी समेत 40 नेताओं के नाम शामिल हैं। कांग्रेस ने बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के प्रथम चरण के लिए स्टार प्रचारकों के नामों की घोषणा कर दी है। मल्लिकार्जुन खड़गे, सोनिया गांधी, राहुल गांधी, केसी वेणुगोपाल, प्रियंका गांधी वाड्रा, सुखविंदर सिंह सुक्खू, अशोक गहलोत, भूपेश बघेल, दिग्विजय सिंह और अधीर रंजन चौधरी बिहार में कांग्रेस प्रत्याशियों के पक्ष में चुनाव प्रचार करेंगे।इस लिस्ट में लोकसभा की पूर्व स्पीकर मीरा कुमार का भी नाम है। साथ ही कृष्ण अल्लावरु, सचिन पायलट, रणदीप सिंह सुरजेवाला, सैयद नासिर हुसैन, चरणजीत सिंह चन्नी, गौरव गोगोई, तारिक अनवर, डॉ. मो. जावेद, अखिलेश प्रसाद

सिंह, मनोज राम, अलका लांबा और कन्हैया कुमार भी चुनाव प्रचार करेंगे। कांग्रेस के स्टार प्रचारकों की लिस्ट में पवन खेड़ा, इमरान प्रतापगढ़ी, शकील अहमद, जीतू पटवारी, सुखदेव भगत, राजेश कुमार राम, शकील अहमद खान, मदन मोहन झा, अजय राय, जिग्नेश मेवाणी, रंजीत रंजन, राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव, अनिल जयहिन्द, राजेंद्र पाल गौतम, फुरकान अंसारी, उदय भानु चिब और सुबोधकांत सहाय के नाम भी शामिल हैं। इसी बीच बिहार कांग्रेस के प्रभारी कृष्णा अल्लावरू ने टिकट वितरण को लेकर उपजे असंतोष को स्वीकार किया और कहा कि अभी हमारा पूरा फोकस चुनाव लड़ने पर है। उन्होंने कहा, 'किसी भी चुनाव में, किसी भी पार्टी में और किसी भी राज्य में जब भी टिकट वितरण होता है तो कुछ असंतोष जरूर होता है। हमारे कुछ कार्यकर्ताओं की नाराजगी जायज है। इस मुद्दे को हम पार्टी के स्तर पर सुलझा लेंगे।' उन्होंने कहा, 'हमारा सारा फोकस चुनाव लड़ने पर है। बिहार के लोगों के मुद्दों को सुलझाने के लिए हमारे पास एक मजबूत एजेंडा है और हमारी एक युवा टीम है। हमें उम्मीद है कि बिहार इस बात को समझेगा कि अब बदलाव जरूरी है। एकजुट होकर एक मजबूत विजन के साथ हम आगे बढ़ रहे हैं।'

भारतीय युद्धपोत सतलुज ने मॉरीशस में हाइड्रोग्राफिक सर्वेक्षण पूरा किया

एजेंसी

नई दिल्ली। आईएनएस सतलुज ने मॉरीशस हाइड्रोग्राफिक सेवा के साथ लगभग 35 हजार वर्ग समुद्री मील क्षेत्र में संयुक्त हाइड्रोग्राफिक सर्वेक्षण पूरा किया। यह सर्वेक्षण भारत और मॉरीशस के बीच मौजूदा समझौता ज्ञापन के तहत राष्ट्रीय एजेंसियों के साथ घनिष्ठ समन्वय में किया गया। नौसेना के मुताबिक यह पहल समुद्री मानचित्रण, तटीय विनियमन, संसाधन प्रबंधन और दीर्घकालिक पर्यावरणीय नियोजन में महत्वपूर्ण योगदान देगी, जिससे मॉरीशस के ब्लू इकोनॉमी लक्ष्यों को बल मिलेगा। इसके अलावा आईएनएस सतलुज ने मॉरीशस राष्ट्रीय तटरक्षक बल के साथ संयुक्त ईईजेड निगरानी और समुद्री डकैती-रोधी गश्त की, जिससे क्षेत्रीय समुद्री सुरक्षा मजबूत हुई। इस मिशन का सफल समापन दोनों देशों के बीच मैत्री के गहरे बंधन की पुष्टि करता है।

लालू-तेजस्वी का 'जमीन दो और नौकरी लो' एकमात्र मॉडल है : रविशंकर प्रसाद

राजद की हताशा साफ दिख रही है: रविशंकर

एजेंसी

पटना। भाजपा के वरिष्ठ नेता और सांसद रविशंकर प्रसाद ने राष्ट्रीय जनता दल (राजद) नेता तेजस्वी यादव के चुनावी घोषणा पर जोरदार हमला बोला है। उन्होंने कहा कि राजद की हताशा साफ दिख रही है। वे सिर्फ भ्रम फैला सकते हैं। इनके पास एकमात्र मॉडल है, लोगों से नौकरी के बदले में जमीन छीनेंगे। भाजपा सांसद ने मीडिया से बातचीत के दौरान तेजस्वी यादव के नौकरी देने के वादे पर सवाल उठाते हुए कहा कि उन्होंने दावा किया कि हर घर में सरकारी नौकरी देंगे। बिहार में 2 करोड़ 70 लाख परिवार हैं। अगर औसतन 35-40 हजार रुपए मासिक वेतन की सरकारी नौकरी दी जाए, तो इसके लिए 12 लाख करोड़ रुपए चाहिए। बिहार का कुल बजट 3 लाख करोड़ रुपए का है। वे इतना पैसा कहां से लाएंगे?उन्होंने कहा कि राजद का दावा है कि वे 1 करोड़ 26

लाख जीविका दीदियों को स्थायी करेंगे। बिहार के लोग इस बहकावे में न आएं। उनका एकमात्र मॉडल है, 'जमीन दो, नौकरी लो।' उनके पास कोई ठोस रोडमैप नहीं है। वे आपकी जमीन छीन लेंगे, लेकिन नौकरी नहीं देंगे। राजद की लुभावनी बातें हताशा में कही जा रही हैं, जिनका धरातल पर कोई आधार नहीं है। तेजस्वी की ओर से भ्रष्टाचार और अपराध पर दिए बयान पर पलटवार करते हुए भाजपा सांसद ने कहा कि जो खुद धारा 420 के आरोपी हैं, उनके खिलाफ 10 दिन पहले कोर्ट ने आरोप तय किए हैं। उनके पिता को पहले ही चारा घोटाला सहित अन्य मामलों में सजा हो चुकी है।

तेजस्वी पर 'नौकरी लो, जमीन दो' और रेलवे भर्ती घोटाले के मामले चल रहे हैं। उनके मुंह से अपराध और भ्रष्टाचार की बातें अच्छी नहीं लगती हैं। नीतीश कुमार को हाईजैक करने वाले बयान पर प्रसाद ने कहा कि मैं ऐसी हल्की बातों का जवाब नहीं देता। नीतीश कुमार हमारे साथ हैं और 1996 से लालू-राबड़ी के भ्रष्टाचार के खिलाफ मिलकर संघर्ष कर रहे हैं। वे हमारी ताकत हैं।

स्वस्थ भारत ही विकसित भारत की आधारशिला : राजनाथ सिंह

● 'हमारा हर कदम, हर नीति, हर प्रयास देश के गरीब, वंचित और ग्रामीण जनमानस को समर्पित

एजेंसी

गाजियाबाद। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रविवार को यहां आयोजित यशोदा मेडिसिटी के उद्घाटन के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि हम उस भारत की ओर बढ़ रहे हैं जिसका सपना हमारे पूर्वजों ने देखा था, जो शक्तिशाली और स्वस्थ हो। हमारा हर कदम, हर नीति, हर प्रयास देश के गरीब, वंचित और ग्रामीण जनमानस को समर्पित है। हम मानते हैं कि जब भारत का हर नागरिक स्वस्थ होगा तभी भारत सशक्त होगा। हमें 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र के रूप में स्थापित करना है। इस लक्ष्य की पूर्ति के लिए राष्ट्र के नागरिकों का स्वास्थ्य उत्तम होना बहुत जरूरी है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि यशोदा मेडिसिटी के लिए गौरव की बात है कि इसे दक्षिण एशिया में रोबोटिक्स सर्जरी प्रशिक्षण केंद्र के रूप में मान्यता मिली है। यह उपलब्धि निश्चित रूप से मेडिकल ट्रेनिंग और टेक्निकल रिसर्च को नई दिशा देगी। हम जब भी किसी सफल इंसान की कहानी पढ़ते हैं, आपको यही देखने को मिलेगा कि हर बड़ी यात्रा की शुरुआत किसी न किसी बड़ी व्यक्तिगत पीड़ा से निकलती है। यशोदा मेडिसिटी के चेयरमैन डॉ. पीएन अरोड़ा ने 1986 में अपनी माता को कैंसर की वजह से मृत्युशैया पर देखा, उनकी इसी पीड़ा ने यशोदा मेडिसिटी को जन्म दिया। आज यह अस्पताल समाज के अंतिम व्यक्ति के लिए विश्वास का प्रतीक बनकर उभरी है।राजनाथ सिंह ने कहा कि यशोदा मेडिसिटी ने समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारियों का उत्तरदायित्वपूर्ण निर्वाह किया है। ठीक उसी प्रकार हम भी समाज के अंतिम व्यक्ति के प्रति अपनी जिम्मेदारी को समझते हैं। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश की स्वास्थ्य व्यवस्था ने नया रूप लिया है। पहले जहां यह गरीब के लिए चिंता का कारण होता था, वही आज उसके अधिकार के रूप में

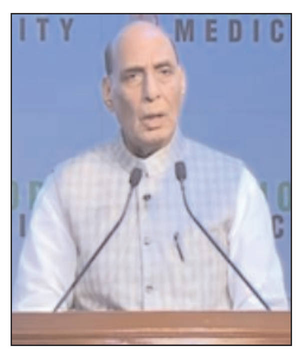

उसके दरवाजे तक पहुंच रहा है। हमने यह सुनिश्चित किया है कि भारत का कोई गरीब किसी भी बीमारी के कारण अपने जीवन की उम्मीद न खोए। इसके लिए आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत देश के 10 करोड़ परिवारों को हर वर्ष पांच लाख रुपए के स्वास्थ्य बीमा का कवच प्रदान किया गया है। अब 70 वर्ष से ऊपर के सभी वरिष्ठ नागरिकों को इस योजना में शामिल किया गया है। ताकि जीवन के उस पड़ाव में जब देखभाल की सबसे अधिक आवश्यकता होती है तब सरकार एक संरक्षक के रूप में उसके साथ खड़ी रहे। रक्षा मंत्री ने कहा कि आज प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्रों के माध्यम से आम जनता को अत्यंत किफायती दर पर जेनरिक मेडिसिन उपलब्ध कराई जा रही है। आज गांव-गांव में लोग इन केंद्रों से लाभान्वित हो रहे हैं। इसके साथ ही हमने एक मजबूत स्वास्थ्य इन्फ्रास्ट्रक्चर तैयार करने पर विशेष बल दिया है। 2014 में देश में 387 मेडिकल कॉलेज थे, वही आज बढ़कर 800 पहुंच चुकी है। 2014 में एमबीबीएस की सीटें केवल 50 हजार हुआ करती थीं, आज यह 1 लाख 20 हजार से ज्यादा हो चुकी हैं। 22 नए एम्स की स्थापना का निर्णय लिया गया। इसमें से 12 पूरी क्षमता के साथ कार्यरत हैं, बाकियों का निर्माण पूरी तेजी पर है। जब ये सभी संस्थान पूरी तरह से कार्यरत होंगी तो हमारा हेल्थ नेटवर्क और मजबूत होगा। उन्होंने यह कहकर अपनी खुशी जाहिर की कि यशोदा समूह इस क्षेत्र में सकारात्मक प्रयास कर रहा है। उन्होंने उम्मीद व्यक्त की कि यह संस्था आने वाले समय में न केवल भारत बल्कि दक्षिण एशिया में नवाचार की नई परिभाषा गढ़ेगी।

रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने राष्ट्रपति का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्होंने यहां आकर यहां के चिकित्सक और कर्मचारियों के मन में नई ऊर्जा का संचार किया है।

कटिहार में तेजस्वी यादव का बड़ा बयान, कहा-सत्ता में आते ही वक्फ कानून को कूड़े में फेंक देंगे

● भाजपा सबसे ज्यादा लालू यादव से डरती है : तेजस्वी यादव

एजेंसी

कटिहार। बिहार विधानसभा चुनाव के बीच आरजेडी नेता और महागठबंधन के मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार तेजस्वी यादव ने कटिहार में एक बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि अगर बिहार में महागठबंधन की सरकार बनी, तो केंद्र सरकार द्वारा पारित वक्फ (संशोधन) अधिनियम को कूड़ेदान में फेंक दिया जाएगा। तेजस्वी यादव का यह बयान कटिहार के मुस्लिम बहुल इलाके में आयोजित चुनावी सभा के दौरान आया, जहां उन्होंने केंद्र की नीतियों और राज्य में शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार के मुद्दे पर हमला किया।उन्होंने कहा कि भाजपा सबसे ज्यादा लालू यादव से डरती है। इसलिए यदि हम सत्ता में आते

हैं तो वक्फ समेत जो भी बिल केंद्र से पास हुए हैं, उन सभी को कुड़ेदान में फेंक दिया जाएगा।

तेजस्वी यादव ने कटिहार के हालात का हवाला देते हुए कहा कि यहां पढ़ाई और दवाई की व्यवस्था ठीक नहीं है, न ही रोजगार के पर्याप्त अवसर हैं। उन्होंने कहा कि महागठबंधन सरकार इन सभी समस्याओं को दूर करने का काम करेगी।

इसके साथ ही उन्होंने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर भी तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार हमेशा सांप्रदायिक ताकतों के साथ रहे हैं और उन्हीं की वजह से आरएसएस नफरत फैलाने का काम कर रहा है। तेजस्वी यादव ने कटिहार की जनता से भी अपील की कि वे महागठबंधन को समर्थन दें ताकि राज्य में शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार जैसी मूलभूत समस्याओं का समाधान किया जा सके। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा लाई गई नीतियों और कानूनों से बिहार की जनता को नुकसान पहुंच रहा है, लेकिन महागठबंधन की सरकार बनने पर यह स्थिति बदल जाएगी।

कुरनूल बस हादसा :19 शवों का डीएनए परीक्षण पूरा

● जिला पुलिस ने डीएनए रिपोर्ट के आधार पर शवों को उनके परिजनों को सौंपने की तैयारियाँ तेज़ कर दी हैं।

एजेंसी

कुरनूल। आंध्र प्रदेश के कुरनूल में बस में आग लगने से मारे गए 19 शवों का डीएनए परीक्षण आज पूरा हो गया है। यह सभी परीक्षण कुरनूल मेडिकल कॉलेज के फोरेंसिक विभाग में किए गए। डॉक्टरों ने 17 रिपोर्टों का विवरण जिला पुलिस अधीक्षक विक्रांत पाटिल को सौंप दिय गयाा है। अभी दो शवों की रिपोर्ट आना बाकी है। जिला पुलिस ने डीएनए रिपोर्ट के आधार पर शवों को उनके परिजनों को सौंपने की तैयारियाँ तेज़ कर दी हैं। अब तक 14 शवों को कुरनूल सरकारी अस्पताल पहुँचाया जा चुका है। इनमें से बिहार के अरगा नाम के एक व्यक्ति का शव उसके परिजनों

ने कुरनूल के जोहरापुरम श्मशान घाट में अंतिम संस्कार कर दिया। अधिकारियों ने बताया कि शव को बिहार ले जाने में समय लगने के कारण सरकार की अनुमति से वहीं अंतिम संस्कार किया गया। फोरेंसिक लैब से अब तक 17 शवों की डीएनए रिपोर्ट पुलिस अधिकारियों को मिल चुकी है। अन्य दो शवों की डीएनए रिपोर्ट अभी आनी बाकी है। एक अधिकारी ने बताया कि इनमें से 18 शव आज रात तक उनके परिजनों को सौंप दिए जाएंगे। तमिलनाडु के मृतक प्रशांत का शव कल सौंप दिया जाएगा क्योंकि परिवार के सदस्यों के कल कुरनूल पहुंचने की उम्मीद है।

रविवार को पत्रकारों से वार्ता के दौरान कुरनूल के एसपी विक्रांत पाटिल ने बताया कि चित्तूर के एक व्यक्ति ने दावा किया है कि उनके पिता लापता हैं और इसी बस वे सवार थे। उन्होंने स्पष्ट किया कि शव की पहचान डीएनए रिपोर्ट के आधार पर ही होगी। जांच में पता चला है कि दुर्घटना के समय बस चालक नशे में नहीं था। उन्होंने बताया कि कुरनूल पहुंचे मृतकों के परिजनों को स्थानीय सरकारी गेस्ट हाउस में ठहराया गया है। सभी शवों को उनके गंतव्य तक पहुंचने के लिए एम्बुलेंस की व्यवस्था की गई है।

चीन में बने एप का इस्तेमाल कर पुलिस को धोखा दे रहे थे साइबर ठग

जयपुर (एजेंसी)। राजस्थान में साइबर ठग चीन में बने एक विशेष एप का उपयोग करके पुलिस से एक कदम आगे चल रहे हैं। दरअसल ठग चीन में बने एक एप का इस्तेमाल करते हैं जिसके जरिए उन्हें पहले ही पता चल जाता है कि पुलिस किस बैंक खाते को फ्रीज (जब्त) करवाने वाली है। राजस्थानियों से 9 महीने में 3 अरब 38 करोड़ रुपये की ठगी हुई है। पुलिस अब तक केवल 2 करोड़ 22 लाख रुपये ही रिकवरी कर सकी है। भिवाड़ी पुलिस द्वारा पकड़े गए 122 करोड़ रुपये की साइबर ठगी के मास्टरमाइंड अंकित शर्मा ने यह चौंकाने वाला खुलासा किया। वह बैंक खाते किराए पर लेकर चीन में बैठे ठगों को उपलब्ध कराता था। ठगी का पैसा जिन खातों में जाता था, वे सभी इस एप से जुड़े होते थे। ठग लाइव देख सकते थे कि किस खाते में कितना पैसा जमा हुआ और कितना निकाला गया। जब साइबर पुलिस खाता फ्रीज करवाने की कोशिश करती थी, तब इस चीनी एप के जरिए उन्हें पहले ही अलर्ट मिल जाता था। साइबर फ्रॉड का संचालन बड़े स्तर पर चीन, दुबई और दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों से हो रहा है। विदेशी ठग भारत में एजेंट तैयार करते हैं और उन्हें कमीशन का लालच देते हैं। विदेशी ठग भारतीय एजेंटों से कभी फोन पर बात नहीं करते, बल्कि केवल टेलीग्राम और वॉट्सएप चैट के जरिए संपर्क में रहते हैं। इतना ही नहीं साइबर ठग गिरोह का एक इन-हाउस लाइव-एप है जो म्यूल खातों (ठगी का पैसा ट्रांसफर करने में इस्तेमाल होने वाले खाते) को रियल-टाइम में ट्रैक करता है। यह एप उन्हें बताता है कि किस खाते में रकम आई, कौन-सा खाता पुलिस ने फ्रीज कर दिया है, और किस खाते से पैसे निकाले जा सकते हैं।

सोना तस्करी मामले में म्यांमार की महिला गिरफ्तार, अंडरगारमेंट में छिपाकर ला रही थी सोने की छड़ें

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय (आईजीआई) हवाई अड्डे पर सीमा शुल्क विभाग ने सोने की तस्करी की एक बड़ी कोशिश को नाकाम कर दिया। विभाग ने म्यांमार की एक महिला यात्री को गिरफ्तार किया है, जो अपने अंतःवस्त्र में छिपाकर सोने की छड़ें भारत लाने की कोशिश कर रही थी। बरामद सोने का कुल मूल्य 1.17 करोड़ रुपये बताया गया है। सीमा शुल्क विभाग के अनुसार, आरोपी महिला बीते दिवस यंगून (म्यांमार) से दिल्ली पहुंची थी। गुप्त सूचना के आधार पर उसे आईजीआई एयरपोर्ट पर रोका गया। जब उसकी व्यक्तिगत तलाशी ली गई, तो उसके अंतःवस्त्र में छह सोने की छड़ें पाई गईं। अधिकारियों ने बताया कि छड़ें भूरे रंग के टेप में सावधानीपूर्वक लपेटकर छिपाई गई थीं ताकि स्कैनर में पकड़ न आएं। बरामद सोने का वजन 996.5 ग्राम है। सीमा शुल्क विभाग ने कहा कि प्रारंभिक जांच में यह मामला सोने की अवैध तस्करी से जुड़ा प्रतीत होता है। महिला को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ सीमा शुल्क अधिनियम, 1962 के तहत मामला दर्ज किया गया है।

हिमाचल प्रदेश पुलिस में बी-1 परीक्षा सर्वर क्रैश होने के कारण स्थगित

शिमला (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश पुलिस में कांस्टेबल से हेड कांस्टेबल पदोन्नति के लिए आयोजित होने वाली बी-1 परीक्षा सर्वर क्रैश होने के कारण स्थगित कर दी गई है। यह परीक्षा करीब 8 साल के लंबे अंतराल के बाद आयोजित की जा रही थी। परीक्षा देने के लिए 4,461 (लगभग 4400) कांस्टेबल 14 केंद्रों पर पहुंचे थे। परीक्षा कांस्टेबल से हेड कांस्टेबल पदोन्नति के लिए आयोजित हो रही है। पहले 21 सितंबर को होनी थी, जो बारिश के कारण 26 अक्टूबर को प्रस्तावित की गई थी। दो शिफ्टों में आयोजित होनी थी (प्रात:कालीन- 2,696 उम्मीदवार और सायंकालीन- 1,765 उम्मीदवार)। डीजीपी अशोक तिवारी ने तकनीकी कारणों से व्यवधान की पुष्टि की और निष्पक्षता व पारदर्शिता बनाए रखने के लिए परीक्षा को अस्थायी रूप से स्थगित करने की जानकारी दी। विभाग ने हुई असुविधा के लिए खेद व्यक्त किया है। तकनीकी समस्याओं के समाधान के बाद जल्द ही घोषित की जाएगी।

निर्माणाधीन गंगा एक्सप्रेस-वे तेज रफ्तार कार दुर्घटनाग्रस्त, सात लोग घायल

हरदोई (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के हरदोई जिले में निर्माणाधीन गंगा एक्सप्रेस-वे पर वाहन चलाना प्रतिबंधित होने के बावजूद एक तेज रफ्तार कार दुर्घटनाग्रस्त हो गई। घटना हरदोई, हरपालपुर के ग्राम इकनौरा के पास निर्माणाधीन गंगा एक्सप्रेस-वे पर हुई। शनिवार देर रात तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर एक्सप्रेस-वे से नीचे खाई में जा गिरी और पलट गई। पुलिस के अनुसार, चालक ने कार की अधिक रफ्तार के कारण संतुलन खो दिया। हादसे में सात लोग घायल हुए, जिसमें साले-बहनोई भी शामिल हैं। फर्रुखाबाद के ग्राम कनकापुर के मोहित मिश्रा (जो कार चला रहे थे), उनके साले संदीप पांडेय, साढ़ू पुनीत शुक्ला, बड़े भाई कुलदीप, भाभी कोमल, भतीजा यश, और भतीजी अंशिका। राहगीरों और पुलिस की मदद से घायलों को सीएचसी में भर्ती कराया गया। कुलदीप, संदीप, और कोमल की हालत गंभीर होने पर उन्हें मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर कर दिया गया। मोहित मिश्रा कानपुर से दवा लेकर घर (फर्रुखाबाद) लौट रहे थे। बता दें कि गंगा एक्सप्रेस-वे अभी आम यातायात के लिए बंद है और इस पर वाहनों का आवागमन प्रतिबंधित है। जिलाधिकारी ने सभी थाना प्रभारियों, एसडीएम को इस पर आवागमन रोकने का निर्देश दिया था और नागरिकों से भी अपील की थी कि वे अपनी जान जोखिम में न डालें। इसके बावजूद लोग इस निर्माणाधीन एक्सप्रेस-वे का प्रयोग कर रहे हैं।

37 दिन बाद भी जुबीन गर्ग की स्मारक पर श्रद्धांजलि देने वालों का तांता

गुवाहाटी (एजेंसी)। असम के सोनपुर में 37 दिन पहले जुबीन गर्ग का अंतिम संस्कार हुआ था। लेकिन अभी भी लोक गायक जुबीन गर्ग के स्मारक में श्रद्धांजलि देने वालों का तांता लगा हुआ है। जुबिन की मौत 19 सितंबर को सिंगापुर में डूबने के कारण हुई थी। 23 सितंबर को कमरकुची गांव में उनका अंतिम संस्कार हुआ था। हर दिन 5 से 10000 लोग श्रद्धांजलि देने के लिए यहां पहुंच रहे हैं।

सीएम सिद्धारमैया ने दिए संकेत, नए साल से पहले कर्नाटक सरकार में होगा फेरबदल

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने संकेत दिए हैं कि उनकी सरकार के ढाई साल पूरे होने के बाद, यानी नवंबर के बाद, कैबिनेट में फेरबदल हो सकता है। मीडिया से बातचीत में सिद्धारमैया ने खुलासा किया कि कांग्रेस आलाकमान ने चार महीने पहले ही उन्हें कैबिनेट विस्तार का सुझाव दिया था। हालांकि, उन्होंने आलाकमान को सूचित किया कि यह फेरबदल सरकार के ढाई साल पूरे होने के बाद होगा। सीएम ने कहा, 'ढाई साल का पड़ाव पार होने के बाद में पार्टी आलाकमान से चर्चा करूंगा और उनके निर्देशों के अनुसार फैसला लूंगा।'

सिद्धारमैया 16 नवंबर को दिल्ली दौरे पर जाएंगे, जहां वे वरिष्ठ वकील और कांग्रेस के पूर्व नेता कपिल सिब्बल की किताब के विमोचन समारोह में शामिल होंगे। इस दौरे के दौरान वे कांग्रेस आलाकमान से भी मुलाकात करेंगे और अपनी सरकार के विकास कार्यों की प्रगति पर चर्चा करेंगे। उन्होंने यह भी बताया कि कर्नाटक विधानसभा का शीतकालीन सत्र दिसंबर में आयोजित होगा।

यह फेरबदल ऐसे समय में प्रस्तावित है, जब सिद्धारमैया सरकार को ढाई साल पूरे हो रहे हैं। कर्नाटक में कांग्रेस की सरकार बनने के बाद से ही यह चर्चा जोरों पर रही है कि सिद्धारमैया और उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के बीच ढाई-ढाई साल के लिए मुख्यमंत्री पद साझा करने की सहमति बनी थी। हालांकि, पार्टी नेतृत्व ने इस तरह की किसी औपचारिक सहमति से इनकार किया है, लेकिन कर्नाटक की सियासत में यह मुद्दा बार-बार सुर्खियां बटोरता रहा है।

2023 में कांग्रेस की जीत के बाद सिद्धारमैया और डीके शिवकुमार दोनों ही मुख्यमंत्री पद के प्रबल दावेदार थे। इस मुद्दे पर लंबी चर्चाओं के बाद दोनों नेताओं ने दिल्ली में पार्टी आलाकमान से मुलाकात की थी। अंततः सिद्धारमैया को मुख्यमंत्री बनाया गया, लेकिन तब से यह कयास लगाया जाता रहा है कि ढाई साल बाद डीके शिवकुमार को यह जिम्मेदारी सौंपी जा सकती है। अब, जब सरकार का ढाई साल का कार्यकाल पूरा होने जा रहा है और कैबिनेट फेरबदल की बात सामने आ रही है, कर्नाटक की राजनीति में एक बार फिर अटकलों का दौर शुरू हो गया है। क्या यह फेरबदल केवल मंत्रिमंडल तक सीमित रहेगा या मुख्यमंत्री पद में भी बदलाव होगा, यह देखना दिलचस्प होगा। फिलहाल, सिद्धारमैया के दिल्ली दौरे और आलाकमान के साथ उनकी चर्चा पर सभी की निगाहें टिकी हैं।

लैंडिंग के बाद 32 मिनट तक नहीं खुला इंडिगो फ्लाइट का गेट, यात्रियों में मची अफरातफरी

कानपुर (एजेंसी)। मुंबई से कानपुर आने वाली इंडिगो फ्लाइट (6ई-824) शनिवार को यात्रियों के लिए डर और बेचैनी का सबब बन गई। दरअसल विमान की सुरक्षित लैंडिंग के बाद 32 मिनट तक गेट नहीं खुला, जिससे यात्रियों में हड़कंप मच गया। महिलाएं और बच्चे घबरा गए, वहीं यात्री बार-बार एयर होस्टेस से बाहर निकलने की गुहार लगाते रहे। जानकारी के अनुसार, विमान को दोपहर 3¬58 बजे कानपुर के चकेरी एयरपोर्ट पर उतारा गया था। लैंडिंग के बाद यात्रियों को बताया गया कि विमान में ÷तकनीकी खराबी÷ आ गई है, जिसके कारण गेट नहीं खोला जा सकता। करीब आधे घंटे तक यात्री विमान के भीतर ही फंसे रहे। फ्लाइट में सवार यात्रियों का कहना था कि लोग बार-बार पूछ रहे थे कि आखिर क्या हुआ? बच्चे रोने लगे थे, कुछ लोग सीटें छोड़कर इधर-उधर घूमने लगे और ऐसे में माहौल बेहद तनावपूर्ण हो गया था।

तकनीकी खराबी निकली वजह- सूचना पर एयरपोर्ट की तकनीकी टीम रनवे पर पहुंची। जांच में पता चला कि विमान की बैटरी डिस्चार्ज हो गई थी, जिसकी वजह से ऑटोमेटिक गेट सिस्टम ने काम करना बंद कर दिया। बैटरी को चार्ज करने के बाद शाम 4¬42 बजे गेट खोला गया और तब जाकर यात्री बाहर निकल पाए। कई लोगों ने बाहर आकर भगवान का धन्यवाद किया और राहत की सांस ली।

वापसी उड़ान में भी देरी- इसी विमान को कानपुर से मुंबई के लिए रवाना होना था, लेकिन तकनीकी दिक्कतों के कारण वह उड़ान भी करीब डेढ़ घंटे लेट हो गई। जो फ्लाइट शाम 4 बजे उड़नी थी, वह 5¬30 बजे रवाना हुई।

करूर भीषण भगदड़ मामले की जांच सीबीआई के हाथ में, विजय की पार्टी की रैली के दौरान हुई थी भगदड़

चेन्नई (एजेंसी)। साऊथ अभिनेता-राजनेता विजय की पार्टी तमिलगा वेत्री कजगम (टीवीके) की राजनीतिक रैली के दौरान करूर में हुई भीषण भगदड़ की जांच सीबीआई ने अपने हाथ में ले ली है। सीबीआई अधिकारियों ने रविवार को इसकी जानकारी दी। 27 सितंबर को वेलुसामीपुरम, करूर में हुई घटना में 41 लोगों की मौत हो गई थी, जबकि 60 से अधिक घायल हुए थे। अभिनेता विजय की पार्टी टीवीके द्वारा स्वतंत्र जांच के लिए दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए, सुप्रीम कोर्ट ने संवेदनशील मामले को सीबीआई को सौंपने का निर्देश दिया।

सीबीआई की विशेष टीम ने तमिलनाडु के करूर स्थित घटनास्थल का दौरा किया है। प्रक्रिया के अनुसार, सीबीआई ने राज्य पुलिस की एफआईआर को फिर से दर्ज कर स्थानीय अदालत को इस घटनाक्रम की जानकारी दे दी है।

मामले की निष्पक्षता और व्यापक प्रभाव को देखते हुए, शीर्ष अदालत ने सीबीआई जांच की निगरानी के लिए एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। न्यायमूर्ति अजय रस्तोगी की अध्यक्षता में एक तीन सदस्यीय पर्यवेक्षी समिति का गठन किया गया है। अदालत ने सीबीआई निदेशक को जांच की जिम्मेदारी संभालने के लिए एक वरिष्ठ अधिकारी की नियुक्ति करने और उनकी सहायता के लिए अन्य अधिकारियों को नियुक्त करने का भी निर्देश दिया। यमूर्ति जे के माहेश्वरी और न्यायमूर्ति एन वी अंजारिया की पीठ ने कहा कि 27 सितंबर की भगदड़ ने पूरे देश के नागरिकों के मन पर गहरी छाप छोड़ी है।

पीठ ने मामले के राजनीतिक निहितार्थों का उल्लेख करते हुए कुछ शीर्ष पुलिस अधिकारियों की मीडिया टिप्पणियों पर चिंता व्यक्त की। अदालत ने कहा कि इन टिप्पणियों से नागरिकों के मन में निष्पक्ष और निष्पक्ष जांच को लेकर संदेह पैदा हो सकता है।

महिला डॉक्टर आत्महत्या में कई खुलासे: रेप के आरोपी सब-इंस्पेक्टर समेत इंजीनियर गिरफ्तार

सातारा (एजेंसी)। महाराष्ट्र के सातारा जिले में एक सरकारी महिला डॉक्टर की आत्महत्या के मामले ने पूरे क्षेत्र में सनसनी मचा दी है। इस मामले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए रेप के आरोपी सब-इंस्पेक्टर गोपाल बडने को गिरफ्तार कर लिया है। वरिष्ठ पुलिस अधिकारी के अनुसार, बडने और एक अन्य व्यक्ति के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने का मामला दर्ज था, लेकिन बडने लंबे समय तक फरार रहा। आखिरकार, उसने फलटण ग्रामीण पुलिस थाने में आत्मसमर्पण किया, जिसके बाद उसे तुरंत हिरासत में ले लिया गया। इससे पहले, पुलिस ने 28 वर्षीय महिला डॉक्टर की आत्महत्या के सिलसिले में सॉफ्टवेयर इंजीनियर प्रशांत बांकर को भी गिरफ्तार किया था। मृतका, जो मराठवाड़ा के बीड जिले की रहने वाली थी, सातारा के सरकारी अस्पताल में अपनी सेवाएं दे रही थी।

गुरुवार रात फलटण के एक होटल के कमरे में उसका शव फंदे से लटका मिला।

मृतका की हथेली पर लिखे सुसाइड नोट ने मामले को और गंभीर बना दिया, जिसमें उसने सब-इंस्पेक्टर गोपाल बडने पर कई बार बलात्कार करने और बांकर पर मानसिक प्रताड़ना का आरोप लगाया।पुलिस सूत्रों के अनुसार, दोनों आरोपियों के खिलाफ फलटण में बलात्कार और आत्महत्या के लिए उकसाने का मामला दर्ज किया गया है। जांच में पता चला कि बांकर उस मकान का मालिक का बेटा है, जहां डॉक्टर किराए पर रहती थी। मामले में नाम सामने आने के बाद बडने को पहले ही निलंबित किया जा चुका था। इस बीच, शुक्रवार रात बीड जिले के वडवानी तहसील में मृतका का अंतिम संस्कार किया गया।मृतका के रिश्तेदारों ने इस घटना पर गहरा आक्रोश जताया और आरोपियों को फांसी की सजा देने की मांग की। एक रिश्तेदार ने दावा किया कि डॉक्टर ने उत्पीड़न की कई शिकायतें की थीं, लेकिन पुलिस और प्रशासन ने कोई ठोस कार्रवाई नहीं की, जिसके चलते उसे यह कठोर कदम उठाना पड़ा। इस मामले ने पुलिस प्रशासन की कार्यशैली पर भी सवाल खड़े किए हैं, और स्थानीय लोग अब कठोर न्याय की मांग कर रहे हैं।

पुलिस ने बताया कि मामले की गहन जांच जारी है, और दोनों आरोपियों से पूछताछ के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। इस घटना ने न केवल सातारा, बल्कि पूरे महाराष्ट्र में महिलाओं की सुरक्षा और पुलिस की जवाबदेही पर बहस छेड़ दी है।

लेडी डॉक्टर पर ही उठने लगे सवाल

गिरफ्तार इंजीनियर के भाई और बहन ने बताया कि मीडिया में जो खबरें चल रही हैं कि उसे पुणे के फार्महाउस से पकड़ा गया, वो गलत हैं। क्योंकि हमने खुद पुलिस को बुलाकर फलटण स्थित हमारे घर से खुद सरेंडर कराया था। लेडी डॉक्टर लगातार मेरे भाई को फोन करती थीं और परेशान कर रही थीं। हमारे पास सारे कॉल रिकॉर्ड्स और सोशल मीडिया चैट्स हैं जो हमने पुलिस को दिए हैं। पिछले महीने उसका भाई डेंगू से बीमार था। डॉक्टर ने ही उसका इलाज किया और दोनों के बीच बातचीत शुरू हुई। करीब 15 दिन पहले डॉक्टर ने भाई को शादी का प्रस्ताव दिया, लेकिन उसने मना कर दिया। दीवाली के समय डॉक्टर कुछ तनाव में थीं, लेकिन हमें लगा काम का दबाव होगा।

पुलिस के मुताबिक, डॉक्टर उस पर शादी और शारीरिक संबंध बनाए रखने का दबाव डाल रही थी। जांच में अब तक कई कॉल रिकॉर्डिंग्स और चैट्स मिले हैं जिनमें डॉक्टर तनाव, दबाव और भावनात्मक उलझन की बात करती दिख रही हैं।

लॉरेंस बिश्नोई गिरोह का गैंगस्टर लखविंदर कुमार को अमेरिका से डिपोर्ट कर भारत लाया गया

नई दिल्ली (एजेंसी)। संगठित अपराध के खिलाफ बड़ी कार्रवाई कर गैंगस्टर लखविंदर कुमार जो लॉरेंस बिश्नोई गिरोह से जुड़ा है, अमेरिका से डिपोर्ट कर दिल्ली लाया गया है। सीबीआई ने बताया कि दिल्ली एयरपोर्ट पहुंचने पर हरियाणा पुलिस ने लखविंदर को तुरंत हिरासत में लिया। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, लखविंदर पर हरियाणा में कई आपराधिक मामले दर्ज हैं, जिसमें फिरौती, धमकी, अवैध हथियार रखना और हत्या की कोशिश शामिल है। हरियाणा पुलिस के अनुरोध पर सीबीआई ने इंटरपोल के जरिए उसके खिलाफ रेड कॉर्नर नोटिस जारी कराया था। यह नोटिस 26 अक्टूबर 2024 को जारी हुआ था, जिसके बाद संयुक्त प्रयासों से आरोपी को 25 अक्टूबर 2025 को भारत वापस लाया गया। सीबीआई ने बताया कि विदेश मंत्रालय (एमईए) और गृह मंत्रालय के सहयोग से इस पूरी कार्रवाई को अंजाम दिया गया। सीबीआई ने भारत में अलग-अलग एजेंसियों के साथ मिलकर काम किया ताकि लखविंदर को वापस लाया जा सके। अधिकारियों के अनुसार, पिछले कुछ वर्षों में 130 से ज्यादा वांछित अपराधियों को भारत लाया गया है। पिछले महीने भी सीबीआई ने हरियाणा पुलिस, विदेश और गृह मंत्रालय के साथ मिलकर कुख्यात अपराध मेनपाल धिल्ला उर्फ सोनू कुमार को कंबोडिया से वापस लाया था। धिल्ला को हत्या, हत्या के प्रयास, अवैध हथियार और साजिश के मामलों में उम्रकैद की सजा मिली हुई है।

खुद को अकेला महसूस कर रहे कांग्रेस उम्मीदवार, राहुल गांधी ने चुनाव प्रचार से बनाई दूरी

पटना (एजेंसी)। बिहार विधानसभा चुनाव जैसे-जैसे नजदीक आ रहा है, वैसे-वैसे कांग्रेस खेमे में यह सवाल गूंज रहा है कि विपक्ष के प्रमुख नेता राहुल गांधी चुनावी रणभूमि से दूरी क्यों बनाए हुए हैं। राहुल गांधी ने आखिरी बार 1 सितंबर को पटना में अपनी 'मतदाता अधिकार यात्रा' के समापन के दौरान बिहार का दौरा किया था। यह यात्रा 15 दिनों में 1,300 किलोमीटर की दूरी तय करते हुए 20 जिलों तक पहुंची थी। इसके बाद से वे बिहार में नजर नहीं आए। दूसरी ओर, राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) नेता तेजस्वी यादव इस बीच दिल्ली पहुंचे और सूत्रों के अनुसार, उन्होंने वहां मुख्यमंत्री पद के लिए अपने नाम की घोषणा की मांग की।

कांग्रेस के कई प्रत्याशियों ने पार्टी नेतृत्व और राहुल गांधी के कार्यालय से अपने क्षेत्रों में प्रचार के लिए उनके आगमन की मांग की है। सूत्रों का कहना है कि राहुल गांधी की अनुपस्थिति से स्थानीय कार्यकर्ताओं में भ्रम और निराशा का माहौल है। हालांकि, पार्टी के आंतरिक सूत्रों का दावा है कि महागठबंधन के भीतर ज्यादातर मुद्दों का समाधान हो चुका है और राहुल गांधी अगले सप्ताह से बिहार में चुनावी प्रचार शुरू कर सकते हैं।महागठबंधन में तेजस्वी यादव को मुख्यमंत्री पद का चेहरा घोषित करने की मांग ने शुरू में कांग्रेस को असमंजस में डाल दिया था। कांग्रेस को आशंका थी कि तेजस्वी यादव के खिलाफ हाल ही में एक नए मामले में आरोपपत्र दाखिल होने के कारण उनके नाम की घोषणा से गठबंधन और पार्टी की छवि को नुकसान हो सकता है।

इस मसले को सुलझाने के लिए कांग्रेस ने राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को बिहार भेजा। पटना में गहलोत ने आरजेडी प्रमुख लालू प्रसाद यादव से मुलाकात की और इसके बाद एक संवाददाता सम्मेलन में तेजस्वी यादव को मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित किया गया।'इंडिया' गठबंधन ने तेजस्वी यादव को मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार बनाया है, जबकि निषाद समुदाय के नेता और विकासशील इंसान पार्टी (वीआईपी) के अध्यक्ष मुकेश सहनी को उपमुख्यमंत्री पद का वादा किया गया है। अशोक गहलोत ने घोषणा के दौरान कहा कि अन्य सामाजिक और धार्मिक समूहों से भी अतिरिक्त उपमुख्यमंत्री बनाए जाएंगे। हालांकि, राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के नेताओं ने आरोप लगाया है कि बिहार की 17 प्रतिशत मुस्लिम आबादी के बावजूद विपक्ष ने इस समुदाय की उपेक्षा की है। कांग्रेस कार्यकर्ताओं और प्रत्याशियों को उम्मीद है कि राहुल गांधी के प्रचार में उतरने से महागठबंधन को मजबूती मिलेगी। दूसरी ओर, तेजस्वी यादव के नेतृत्व में आरजेडी पहले से ही आक्रामक प्रचार में जुटी है।

देहरादून में द केरल स्टोरी जैसा सनसनीखेज मामला: धर्मांतरण की साजिश नाकाम, चार गिरफ्तार

देहरादून (एजेंसी)। उत्तराखंड की राजधानी देहरादून में फिल्म द केरल स्टोरी की तर्ज पर एक सनसनीखेज मामला सामने आया है, जहां एक युवती को झूठे वादों और प्रलोभन देकर धर्मांतरण और निकाह के लिए मजबूर करने की साजिश रची गई। रानीपोखरी की इस युवती को बहलाने की कोशिश में शामिल छांगुर गैंग के चार आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। हैरानी की बात यह है कि ये आरोपी पहले आगरा में एक अन्य धर्मांतरण मामले में भी पकड़े जा चुके हैं।

पुलिस जांच में खुलासा हुआ कि पीड़िता की दोस्ती फेसबुक के जरिए अबू तालिब से हुई थी। अबू ने झूठे वादों और प्रलोभनों के जरिए उसे धर्म परिवर्तन के लिए उकसाया। इसके बाद उसने युवती की मुलाकात अपने दोस्त अयान से कराई, जिसके साथ दिल्ली में निकाह की योजना बनाई गई। साजिश के तहत युवती को आर्थिक मदद, ऑनलाइन कपड़े, मोबाइल फोन, और सिम दी गई। व्हाट्सऐप बिजनेस ऐप डाउनलोड करवाकर संपर्क बनाए रखा गया। रानीपोखरी तक कैब भेजी गई, और उसे दिल्ली में अब्दुल के 'सेफ हाउस' में रखने की तैयारी थी। लेकिन, आखिरी समय पर युवती ने निकाह से इनकार कर दिया, जिससे एक बड़ी वारदात टल गई। शनिवार को देहरादून कोर्ट में चारों आरोपियों अब्दुल रहमान उर्फ महेंद्र पाल सिंह (दिल्ली), एसवी कृष्णा उर्फ आयशा (गोवा), अब्दुर रहमान उर्फ रुपेंद्र सिंह (देहरादून, मूल निवासी मैनपुरी), और अबू तालिब (मुजफ्फरनगर) को आगरा पुलिस द्वारा पेश किया गया। कोर्ट की सुनवाई के बाद उन्हें वापस आगरा ले जाया गया। देहरादून के एसएसपी अजय सिंह ने बताया कि इनके खिलाफ कोर्ट से वारंट-बी जारी करवाया गया था, जिसके बाद यह कार्रवाई हुई। एसएसपी अजय सिंह के अनुसार, इस साजिश में शामिल सभी आरोपियों पर बलात्कार और आत्महत्या के लिए उकसाने का केस दर्ज किया गया है। जांच में पता चला कि यह गैंग संगठित तरीके से काम करता था और पहले भी आगरा में इसी तरह के मामले में लिप्त था। पुलिस ने इस मामले में गहन जांच शुरू कर दी है और अन्य संभावित पीड़ितों की तलाश कर रही है। इस घटना ने राज्य में महिलाओं की सुरक्षा और सोशल मीडिया के दुरुपयोग को लेकर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। स्थानीय लोग और सामाजिक संगठन इस मामले में कठोर कार्रवाई की मांग कर रहे हैं।

110 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से आ रहा तूफान, प्रशासन की सांसें फूलीं, 3 राज्यों में हाई अलर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। बंगाल की खाड़ी में बन रहे गहरे दबाव ने चक्रवाती तूफान मोंथा ने विकराल रूप ले लिया है। मौसम विभाग का अनुमान है कि 28 अक्टूबर की शाम या रात को यह तूफान आंध्र प्रदेश के मछलीपट्टनम और कालींगपट्टनम के बीच, काकीनाडा के पास टकरा सकता है। आईएमडी के वैज्ञानिक एस करुणासागर ने बताया कि इससे पहले आंध्र तट के पास 45 से 55 किमी/घंटा की हवाएं चलने लगेंगी, जो धीरे-धीरे 90-110 किमी/घंटा तक पहुंच सकती हैं।' इसके असर को देखते हुए आंध्र प्रदेश, ओडिशा और तमिलनाडु में प्रशासन ने हाई अलर्ट घोषित कर दिया गया है।

आंध्र प्रदेश में चक्रवात के खतरे को देखते हुए जिलों में प्रशासन ने सतर्कता बढ़ा दी है। सभी जिलों में कंट्रोल रूम बनाए गए हैं और अधिकारियों को चौकसी बरतने के निर्देश दिए गए हैं। विशाखापट्टनम कलेक्टरेट में कंट्रोल रूम स्थापित किए गए हैं, जहां लोग चक्रवात से जुड़ी किसी भी समस्या के लिए मदद ले सकते हैं। इसके लिए हेल्पलाइन नंबर 0891-2590102 और 0891-2590100 जारी किए गए हैं। विशाखापट्टनम के कलेक्टर एमएन हरेंद्र प्रसाद ने कहा कि स्टाफ शिफ्ट के आधार पर चौबीसों घंटे उपलब्ध रहेगा। आंध्र प्रदेश सरकार ने तटीय जिलों और रायलसीमा क्षेत्र में रेड अलर्ट जारी कर दिया है। मुख्यमंत्री एन। चंद्रबाबू नायडू ने शनिवार को सभी जिला कलेक्टरों और पुलिस अधीक्षकों के साथ आपात बैठक कर स्थिति की समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिया कि आवश्यक सेवाओं में किसी भी तरह की रुकावट नहीं आनी चाहिए और जरूरत पड़ने पर स्कूल-कॉलेजों में छुट्टियां घोषित की जाएं। सीएम ने कहा कि एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीमों को संवेदनशील जिलों में तैनात किया जाए। काकीनाडा में 'हॉस्पिटल ऑन व्हील्स' की व्यवस्था रखी जाए। बिजली और पेयजल आपूर्ति निर्बाध रहनी चाहिए। सरकारी अधिकारियों ने बताया कि गुंटूर, नेल्लोर, चित्तूर, काकीनाडा, बापटला और वाईएसआर कडप्पा जिलों में विशेष नियंत्रण कक्ष स्थापित किए गए हैं। 27 और 28 अक्टूबर को सारे स्कूल-कॉलेज बंद रहेंगे।आईएमडी ने चेतावनी दी है कि 27 से 29 अक्टूबर तक तटीय और रायलसीमा जिलों में भारी से अत्यधिक भारी बारिश (210 मिमी से अधिक) हो सकती है।

थाईलैंड ने इस चक्रवाती तूफान का नाम मोंथा रखा है। थाई भाषा में इसका अर्थ है 'सुगंधित या सुंदर फूल' होता है। भारतीय मौसम विभाग ने इसे 'सीवियर साइक्लोनिक स्टॉर्म' यानी गंभीर चक्रवाती तूफान की श्रेणी में रखा है। इस दौरान 90 से 110 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चल सकती हैं और कई जिलों में अत्यधिक भारी वर्षा होगी।आईएमडी के अनुसार, यह तूफान फिलहाल दक्षिण-पूर्व बंगाल की खाड़ी में केंद्रित है और लगातार पश्चिम की ओर बढ़ रहा है। शनिवार को यह पोर्ट ब्लेयर से 460 किमी पश्चिम-दक्षिण पश्चिम, चेन्नई से 950 किमी पूर्व-दक्षिणपूर्व, और काकीनाडा से 970 किमी दक्षिण-पूर्व में स्थित था।

वहीं ओडिशा सरकार ने भी अपनी आपदा प्रबंधन प्रणाली को सक्रिय कर दिया है। राज्य के 16 जिलों पर तूफान का प्रभाव पड़ने की आशंका है। राजस्व और आपदा प्रबंधन मंत्री सुरेश पुजारी ने 15 जिलों के कलेक्टरों के साथ समीक्षा बैठक की और कहा, 'लोगों को घबराने की जरूरत नहीं है। प्रशासन पूरी तैयारी में है। चक्रवात से पहले सभी एहतियाती कदम उठाए जा रहे हैं।' सरकार ने कोरापुट, मलकानगिरी, रायगढ़ा,

नबरंगपुर, कालाहांडी, गंजाम और गजपति जिलों के लिए रेड अलर्ट जारी किया है। जबकि नौ जिलों के लिए येलो अलर्ट जारी किया गया है। संवेदनशील इलाकों में सरकारी कर्मचारियों की छुट्टियां रद्द कर दी गई हैं और साइक्लोन शेल्टर तैयार रखे गए हैं। आईएमडी के अनुसार, सोमवार शाम से 80 किमी/घंटा तक पहुंच सकती हैं। तमिलनाडु के तटीय जिलों में भी हल्की से मध्यम बारिश शुरू हो चुकी है। चेन्नई, नागपट्टिनम, और कुड्डालोर जिलों में अगले चार से पांच दिन तक लगातार बारिश जारी रहने की संभावना है।

संक्षिप्त समाचार

उत्तरी अफगानिस्तान में दो हथियारबंद लुटेरे मारे गए, चार एके-47 जब्त

काबुल, एजेंसी। अफगान पुलिस ने उत्तरी बल्ख प्रांत में एक मुठभेड़ के दौरान दो हथियारबंद लुटेरों को मार गिराया और चार एके-47 राइफलें जब्त कीं। प्रांतीय पुलिस कार्यालय ने शुक्रवार को एक बयान में यह जानकारी दी। यह घटना गुरुवार देर रात चाहि जिले में हुई, जहां लुटेरों ने एक यात्री वाहन पर घात लगाकर हमला किया और उसमें सवार यात्रियों का सारा सामान लूट लिया। सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार पीड़ितों ने तुरंत अपराध की सूचना दी, जिससे पुलिस को तुरंत कार्रवाई करने में मदद मिली। जब पुलिस ने संदिग्धों को गिरफ्तार करने का प्रयास किया तो लुटेरों ने विरोध किया, जिसके बाद दोनों तरफ से गोलीबारी हुई, जिसमें दोनों हमलावर मारे गए। उनके सामान की तलाशी में चार कलाश्निकोव असॉल्ट राइफलें मिलीं, जिनमें से दो लुटेरों की थीं और दो पहले सुरक्षा बलों से चुराई गई थीं। इसी से जुड़ी एक घटना में पुलिस ने बुधवार को पड़ोसी सारी पुल प्रांत में हुई मुठभेड़ में एक और हथियारबंद लुटेरे को मार गिराया। किसी और के हताहत होने की खबर नहीं है और जांच जारी है। 6 अक्टूबर को प्रांतीय पुलिस प्रवक्ता मुल्ला एजातुल्लाह हक्कानी ने कहा कि पुलिस ने पिछले पांच महीनों में दक्षिणी अफगानिस्तान के हेलमंद प्रांत में कई अभियानों के दौरान लगभग 400 फायर आर्म्स और सैन्य उपकरण बरामद किए और जब्त किए। अधिकारी ने बताया कि प्रांतीय राजधानी लश्कर गाह और आसपास के जिलों से जब्त किए गए हथियारों में 41 कलाश्निकोव राइफलें, 188 पिस्तौलें, एक आरपीजी-7 राइफल, दो एम16 राइफलें, 170 से ज्यादा अन्य प्रकार के हथियार और हजारों गोलियां व प्रोजेक्टाइल शामिल हैं। अधिकारी ने बताया कि पुलिस ने अवैध रूप से हथियार रखने और ले जाने के आरोप में 75 लोगों को हिरासत में भी लिया है। अफगानिस्तान में व्यावहारिक शांति सुनिश्चित करने के प्रयासों के तहत, अफगान सरकार के सुरक्षा अंगों ने चार साल से भी ज्यादा समय पहले सत्ता संभालने के बाद से युद्धक टैंकों सहित हजारों हथियार और गोला-बारूद इकट्ठा किए हैं।

नेपाल के करनाली प्रांत में खाई में गिरी जीप, आठ की मौत, 10 घायल

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल के करनाली प्रांत में शुक्रवार देर रात एक दर्दनाक हादसा हुआ। यहां रुकुम पश्चिम जिले के झरमारे इलाके में जीप के खाई में गिरने से आठ लोगों की मौत हो गई। वहीं, 10 अन्य लोग घायल बताए गए हैं। बताया गया है कि 18 लोगों को ले जा रही जीप पहाड़ी इलाके में सड़क से नीचे 700 फीट गहरी खाई में गिर गई। यह हादसा काठमांडू से 500 किलोमीटर दूर, झरमारे में तब हुआ जब जीप मुसीकोट के खलांगा से अथबिस्कोट के स्यालीड़ी जा रही थी। शुरुआती जांच में सामने आया कि सात लोगों की हादसे के बाद मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक व्यक्ति की मौत स्थानीय अस्पताल में इलाज के दौरान हुई। पीड़ितों की उम्र 15 से 30 वर्ष के बीच थी। बाकी 10 घायलों का इलाज रुकुम जिले के अस्पताल में कराया जा रहा है।

चुनाव की तारीखों का जल्द हो सकता है एलान, निर्वासित बीएनपी नेता तारिक रहमान जल्द लौटेंगे स्वदेश

ढाका, एजेंसी। निर्वासित और बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के शीर्ष नेता तारिक रहमान जल्द ही बांग्लादेश लौट सकते हैं। बीएनपी के शीर्ष नेता डॉ. खांडेकर मोशर्रफ हुसैन ने यह दावा किया है। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के सत्ता में आने के बाद चुनाव आयोग ने शेख हसीना के नेतृत्व वाली अवामी लीग पार्टी का रजिस्ट्रेशन भी रद्द कर दिया है, जिसके बाद माना जा रहा है कि अवामी लीग आगामी चुनाव में हिस्सा नहीं ले पाएगी। बीएनपी की स्टैंडिंग कमेटी के सदस्य और पार्टी के वरिष्ठ नेता डॉ. खांडेकर मोशर्रफ हुसैन ने कहा कि %हां, हमने सुना है कि वे (तारिक रहमान) जल्द लौटेंगे और ये उन्होंने खुद कहा है। चुनाव की तैयारियां चल रही हैं। हम सभी चुनाव का शेड्यूल घोषित होने का इंतजार कर रहे हैं ताकि वे आएं और चुनाव में हिस्सा लें। हम उम्मीद कर रहे हैं कि तारिक रहमान जल्द ही बांग्लादेश लौटेंगे। हालांकि जब उनसे पूछा गया कि क्या तारिक रहमान चुनाव तारीखों का एलान होने के बाद बांग्लादेश लौटेंगे या उससे पहले? तो डॉ. खांडेकर ने कहा कि %वे जल्द ही बांग्लादेश लौट सकते हैं, लेकिन मैं उनके लौटने का सही समय नहीं बता सकता। बांग्लादेश के मौजूदा हालात में बीएनपी देश की सबसे बड़ी पार्टी है और अगर सब कुछ सही रहा तो आगामी आम चुनाव में बीएनपी की जीत की संभावना सबसे ज्यादा है। बीएनपी के नेता होने के नाते तारिक रहमान बांग्लादेश के अगले प्रधानमंत्री बन सकते हैं। बांग्लादेश के पूर्व राष्ट्रपति जिया-उर-रहमान और पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया के बेटे तारिक रहमान, शेख हसीना की सरकार के समय कई मामलों में आरोपी थे और बांग्लादेश से बाहर निर्वासित जीवन जी रहे थे। जैसे ही शेख हसीना की सरकार सत्ता से बाहर हुई, वैसे ही तारिक रहमान को उनके खिलाफ दर्ज मामलों में राहत मिल गई।

नेजुएला पर हमला कर सकता है अमेरिका : ड्रग ठिकानों को निशाना बनाना चाहते हैं ट्रम्प, जहाजी बेड़ा रवाना किया

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिका जल्द ही वेनेजुएला पर हमला कर सकता है। राष्ट्रपति ट्रम्प वेनेजुएला के भीतर ड्रग ठिकानों और उनके तस्करी रूट्स पर हमला करने पर विचार कर रहे हैं। हालांकि अभी इस पर आखिरी फैसला नहीं लिया गया। यह जानकारी अमेरिकी न्यूज चैनल सीएनएन ने व्हाइट हाउस के 3 अधिकारियों के हवाले से दी है। रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिका बड़े पैमाने पर सैन्य कार्रवाई कर सकता है। अमेरिकी अधिकारियों के मुताबिक, ट्रम्प ने हाल ही में वेनेजुएला में संभावित हमले के लिए जगहों को लेकर बातचीत बढ़ाई है। अमेरिकी रक्षा सचिव पीट हेगसेथ ने अमेरिकी नौसेना के सबसे उन्नत एयरक्राफ्ट कैरियर स्ट्राइक ग्रुप जेराल्ड आर फोर्ड को यूरोप से कैरिबियाई क्षेत्र में भेजने का आदेश दिया है। इसके अलावा, ट्रम्प ने सीआईए को वेनेजुएला में गुप्त ऑपरेशन्स करने की अनुमति भी दी है। हालांकि, ट्रम्प ने यह भी कहा है कि वेनेजुएला के साथ कूटनीतिक बातचीत का विकल्प भी खुला है ताकि अमेरिका में ड्रग्स की आवाजाही को रोका जा सके। वेनेजुएला ने भी 5000 मिसाइल तैनात की वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो ने बुधवार को एक टीवी प्रोग्राम में कहा कि उनके देश ने अमेरिकी खतरे से निपटने के लिए रूस से मिली 5,000 इग्ला-एस मिसाइलें तैनात की हैं। मादुरो ने कहा- हमारे पास 5,000 मिसाइलें हैं, जो देश की शांति और आजादी की रक्षा करेंगी। ये मिसाइलें हवा में कम दूरी के हमलों को रोकने के लिए तैनात की गई हैं। उन्होंने यह भी कहा कि ये हथियार किसी भी साम्राज्यवादी खतरे का जवाब देने के लिए हैं और वेनेजुएला की सेना अपनी मातृभूमि की एक-एक इंच जमीन की रक्षा के लिए तैयार है।

अमेरिका ने कई बार वेनेजुएला की बोट्स पर हमला किया : अमेरिकी सेना लगातार इंटरनेशनल वॉटर्स में ड्रग्स ले जा रहे जहाजों पर हमले कर रही है। हाल ही में कैरिबियाई क्षेत्र में एक ड्रग तस्करी जहाज पर हमला किया गया, जिसमें छह लोगों की मौत हुई। पिछले महीने से अब तक ऐसे हमलों में कुल 43 लोग मारे जा चुके हैं। अमेरिका लंबे समय से मादुरो के खिलाफ है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने वेनेजुएला के समुद्री तट के पास कुछ नौसैनिक जहाज भेजे हैं, जिन्हें अमेरिका ने ड्रग्स के खिलाफ ऑपरेशन बताया है। अमेरिका ने पिछले कुछ वक्त में वेनेजुएला की कुछ नावों को तबाह भी कर दिया है। उसका आरोप है कि ये नावें ड्रग्स ले जा रही थीं। हालांकि वेनेजुएला ने इन आरोपों को गलत बताया है।

मादुरो पर 420 करोड़ रुपए का इनाम : अमेरिका ने मादुरो पर 7 अगस्त को 50 मिलियन डॉलर, यानी करीब 420 करोड़ रुपए का इनाम रखा था। इसके अलावा उनसे जुड़े 700 मिलियन डॉलर से अधिक की संपत्ति भी जब्त की गई है। इसमें दो प्राइवेट जेट भी शामिल हैं। ट्रम्प प्रशासन का आरोप है कि मादुरो ड्रग तस्कर हैं और ड्रग कार्टेल के साथ मिलकर अमेरिका में फेंटानाइल मिला कोकीन भेज रहे हैं। अमेरिकी अधिकारियों का कहना है कि मादुरो के पास 7 टन कोकीन है, जिसे वे अमेरिका भेजने की तैयारी कर रहे हैं।

मदुरो पर 2020 में नार्को टेररिज्म के आरोप लगे थे : मदुरो पर 2020 में मैनहैटन की संघीय अदालत में नार्को-टेररिज्म और कोकीन तस्करी की साजिश के आरोप तय किए गए थे। उस समय ट्रम्प प्रशासन ने उनकी गिरफ्तारी पर 1.5 करोड़ डॉलर का इनाम रखा था। इसे बाद में बाइडेन प्रशासन ने बढ़ाकर 2.5 करोड़ डॉलर कर दिया। इतना इनाम अमेरिका ने 9/11 हमलों के बाद ओसामा बिन लादेन की गिरफ्तारी पर रखा था। मदुरो 2013 से वेनेजुएला की सत्ता में बने हुए हैं। अमेरिका, यूरोपीय यूनियन और लैटिन अमेरिकी देश उन पर चुनावों में धोखाधड़ी का आरोप लगाते रहे हैं। 2024 में हुए राष्ट्रपति चुनाव में इन देशों ने मदुरो पर धांधली का आरोप लगाया था।

अमेरिका ने वेनेजुएला पर कई प्रतिबंध लगाए हैं : वेनेजुएला और अमेरिका के बीच कई दशकों से राजनीतिक मतभेद रहे हैं। वेनेजुएला, अमेरिकी की पूंजीवादी और विदेश नीतियों को लेकर आलोचना करता है, तो वहीं अमेरिका, वेनेजुएला में मानवाधिकार के उल्लंघन पर नाराजगी जताता रहा है। लगभग 100 साल पहले वेनेजुएला में तेल भंडारों की खोज हुई थी। तेल की खोज होने के 20 साल बाद ही वेनेजुएला दुनिया के सबसे बड़े तेल निर्यातक देशों में से एक बन गया। उसे लैटिन अमेरिका का सऊदी अरब कहा जाने लगा। 1950 के दशक में वेनेजुएला दुनिया का चौथा सबसे धनी देश था, लेकिन आज इस देश की हालत खराब हो चुकी है। देश की 75 फीसदी आबादी गरीबी रेखा से नीचे जीवनयापन कर रही है। क्वष्ट के मुताबिक पिछले 7 साल में करीब 75 लाख लोग देश छोड़कर चले गए हैं। दरअसल, वेनेजुएला लगभग पूरी तरह से तेल पर निर्भर था।

तुम्हारे दादा भी तो भारत से अमेरिका आए थे, ट्रंप का समर्थन कर फंसे निक्की हेली के बेटे

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका की रिपब्लिकन नेता निक्की हेली के बेटे नलिन हेली और ब्रिटिश-अमेरिकन पत्रकार मेहदी हसन के बीच माइग्रेशन को लेकर बहस छिड़ गई। नलिन ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट करके डोनाल्ड ट्रंप की माइग्रेशन और वीजा नियमों को लेकर सख्ती का समर्थन किया था और कहा था कि अमेरिका में ही पर्याप्त लोग हैं। वहीं एआई की वजह से भी जॉब मार्केट तंग चल रहा है। ऐसे में कोई किसी भी देश का रहने वाला हो, उसे अमेरिका आने की जरूरत नहीं है। इसपर पत्रकार मेहदी हसन ने कहा कि 1969 में तुम्हारे दादा भी भारत के पंजाब से ही अमेरिका आए थे। नलिन कोहली ने कहा कि विदेशियों को एच-1बी वीजा देना ही नहीं चाहिए। उन्होंने कहा कि ट्रंप प्रशासन को विदेशियों की नौकरी को लेकर और सख्त नियम बनाने चाहिए। उन्होंने कहा, मुझे फर्क नहीं पड़ता की तुम किस देश के रहने वाले हो। चाहे कनाडा के ही नागरिक हो। हमें माइग्रेशन पर विराम लगाना है। हमारे पास बहुत सारे लोग है। कंपनियां पहले से ही हायरिंग नहीं कर रही हैं और इस तंग मार्केट में विदेशी अमेरिकियों की नौकरी ले लेते हैं। बता दें कि निक्की हेली इस समय साउथ कैरोलिना की गवर्नर हैं और नलिन उनके छोटे बेटे हैं। मीडिया कंपनी के संस्थापक हसन ने कहा कि नलिन के दादा अजित सिंह रंधावा 1969 में भारत से अमेरिका आए। उन्होंने बायॉलजी में मास्टर्सि का और फिर ब्रिटिश कोलंबिया कनाडा से पीएचडी की। 1969 में वह साउथ कैरोलिना चले गए और वहीं पढ़ाने लगे। वहीं मेहदी हसन का भी ताल्लुक भारत से ही है। उनके मां-बाप हैदराबाद से यूके गए थे। मेहदी हसन को जवाब देते हुए नलिन ने कहा, यह 1969 नहीं है। तुम लोगों को अमेरिका से बस शिकायतें ही रहती हैं। सोशल मीडिया पर लोग नलिन की आलोचना कर रहे हैं। एक यूजर ने कहा, जिन लोगों ने तुम्हारे दादा को परेशान किया आज तुम उनके ही साथ खड़े हो। तुम्हें कभी स्वीकार नहीं किया जाएगा एक अन्य यूजर ने कहा, अगर यही नीति पहले ही लागू होती तो तुम्हारा परिवार जीवित ही नहीं रहता बच्चे। बता दें कि नलिन हेली निक्की हेली और उनके पति माइकल हेली के छोटे बेटे हैं।

वैज्ञानिकों ने खोला नया रहस्य, आर्गेनिक और प्राकृतिक आहार 25 फीसदी तक बढ़ाते हैं गर्भधारण की संभावना

हार्वर्ड , एजेंसी। मानव विकास की कहानी केवल बुद्धि और तकनीक की नहीं बल्कि ऊर्जा, ताकत और प्राकृतिक सामंजस्य की भी है। खासकर तब, जब बात प्रजनन की आती है। नवीनतम मानवविज्ञान और जैविक अनुसंधान यह संकेत दे रहे हैं कि शिकारी मैदानों (हंटर फील्ड्स) में मनुष्य की शारीरिक क्षमता, ऊर्जा व्यय और ताकत, गर्भधारण की संभावना व चयन के मनोवैज्ञानिक तंत्र को गहराई से प्रभावित करती रही है। अब आधुनिक अनुसंधान यह भी जोड़ता है कि शरीर सौष्ठव, ऑर्गेनिक और प्राकृतिक भोजन पद्धति उसी जैविक लय की आधुनिक अभिव्यक्ति है। यानी जब शरीर अपनी ऊर्जा को कृत्रिम रसायनों से मुक्त रखता है, तब प्रजनन संकेत और हार्मोनल संतुलन अधिक स्वाभाविक रूप से सक्रिय होते हैं। यह भी पाया गया कि जिन महिलाओं ने आर्गेनिक और प्राकृतिक भोजन लिया उनमें गर्भधारण की संभावना 18 से 25 फीसदी बढ़ गई। अमेरिका के हार्वर्ड यूनिवर्सिटी के ह्यूमन इवोल्यूशनरी बायोलॉजी डिपार्टमेंट और यूनिवर्सिटी ऑफ कैम्ब्रिज के रीप्रोडक्टिव इकोलॉजी सेंटर द्वारा प्रकाशित संयुक्त अध्ययन नेचर हुमन बिहेवियर 2025 के अनुसार मानव समाज के आरंभिक हंटर-गैदरर युग में ऊर्जा व्यय और शारीरिक शक्ति का सीधा संबंध गर्भधारण की दर से पाया गया है। शोध में यह पाया गया कि जिन महिलाओं का शरीर ऊर्जा-संतुलन में था यानी न तो अत्यधिक वसा, न अत्यधिक परिश्रम उनमें अंडोत्सर्जन (ओव्यूलेशन) की संभावना अधिक थी। वहीं पुरुषों में उच्च सहनशक्ति, मजबूत हड्डी घनत्व और लंबे शिकार अभियानों से लौटने के बाद हार्मोनल स्तर में वृद्धि गर्भधारण के अवसर बढ़ाती थी। ऑर्गेनिक और प्राकृतिक भोजन लेने वाली माताओं से जन्मे बच्चों में इम्यून सिस्टम (प्रतिरोधक क्षमता) सामान्य तौर पर बेहद मजबूत पाया गया है। स्वीडन के कैरोलिंस्का इंस्टीट्यूट और यूएस नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ के संयुक्त अध्ययन में यह निष्कर्ष सामने आया कि ऐसी माताओं के बच्चों में जन्म के बाद संक्रमण, एलर्जी और अस्थमा जैसी स्थितियां औसतन 40 से 45 प्रतिशत कम देखी गईं। हार्वर्ड टीएच चान स्कूल ऑफ पब्लिक हेल्थ के अध्ययन में पाया गया।

एक साल में 158000 घट गई पोलैंड की आबादी, आने वाला है बहुत बड़ा संकट?

वारसॉ, एजेंसी। कल्पना कीजिए, एक ऐसा देश जहां हर साल लाखों लोग कम हो रहे हों। जहां बच्चे पैदा होने की संख्या मौतों से कहीं कम हो। जहां युवा नौकरी और बेहतर जिंदगी की तलाश में दूसरे देश चले जाते हों। यही हकीकत है यूरोपीय देश पोलैंड की। हाल ही में पोलैंड के सरकारी सांख्यिकी कार्यालय (त्रस्) ने एक चौंकाने वाला आंकड़ा जारी किया है। इसके मुताबिक, पिछले एक साल में देश की आबादी 1,58,000 लोगों से घटकर अब लगभग 37.38 मिलियन रह गई है। यह गिरावट न सिर्फ आंकड़ों की बात है, बल्कि एक पूरे समाज की चिंता का विषय है।

घटती आबादी का मतलब क्या है : सबसे पहले, आबादी घटने का मतलब समझिए। जनसंख्या को मापने का सीधा फॉर्मूला है। आबादी = जन्म + अप्रवासन (नए लोग आना) - मौतें - प्रवासन (लोगों का जाना)। पोलैंड में जन्म कम हो रहे हैं, मौतें ज्यादा, युवा बाहर जा रहे हैं, और नए लोग उतने नहीं आ रहे जितने चाहिए। त्रस् की ताजा रिपोर्ट के अनुसार, देश की जनसंख्या में पिछले एक साल में 1,58,000 की कमी आई है, जो एक गहराते डेमोग्राफिक संकट की ओर इशारा करती है। सितंबर 2025 के अंत तक पोलैंड की जनसंख्या 37.38 मिलियन थी, जो पिछले साल की तुलना में 1,58,000 और 2024 के अंत की तुलना में लगभग 1,13,000 कम है। आंकड़ों से पता चलता है कि 2025 की पहली तीन तिमाहियों में जनसंख्या में 0.30% की कमी आई, यानी हर 10,000 निवासियों पर देश ने 30 लोगों को खोया, जो पिछले साल के 27 प्रति 10,000 की तुलना में अधिक है। यह गिरावट कम जन्म दर और अन्य कारकों के कारण लंबे समय से चली आ रही जनसंख्या घटने की प्रवृत्ति को दर्शाती है।

जन्म दर में कमी, ऐतिहासिक निचले स्तर पर : रिपोर्ट के अनुसार, जनवरी से सितंबर 2025 के बीच लगभग 1,81,000 बच्चों के जन्म दर्ज किए गए, जो 2024 की समान अवधि की तुलना में लगभग 11,000 कम है। इस दौरान जन्म दर 6.5% तक गिर गई, जो पिछले साल की तुलना में 0.3 प्रतिशत अंक कम है। विशेषज्ञों का कहना है कि यह आंकड़ा पोलैंड के इतिहास में जन्म दर के सबसे निचले स्तरों में से एक है।

कम प्रजनन दर, यूरोप में सबसे निचला स्तर : पिछले साल पोलैंड की कुल प्रजनन दर, यानी एक महिला द्वारा अपने जीवनकाल में औसतन जन्म दिए गए बच्चों की संख्या, 1.11 तक गिर गई, जो यूरोपीय संघ में सबसे कम और विकसित देशों में भी सबसे निचले स्तरों में से एक है। पोलैंड में महिलाएं औसतन 1.11 बच्चे पैदा कर रही हैं। जबकि जनसंख्या स्थिर रखने के लिए कम से कम 2.1 बच्चे चाहिए। क्यों? क्योंकि युवा लोग शादी टाल रहे हैं, बच्चे पैदा करने से डर रहे हैं। महंगाई, नौकरी की असुरक्षा, और महामारी ने सबको सोचने पर मजबूर कर दिया। 2024 में पहली बार मां बनने की औसत उम्र 29.1 साल हो गई जो 1990 में यह 22.7 थी। बच्चे पैदा करने लायक उम्र की महिलाएं खुद कम हो रही हैं, क्योंकि 30 साल पहले जन्म कम हुए थे। यह आंकड़ा पोलैंड के सामने खड़े जनसांख्यिकीय संकट की गंभीरता को रेखांकित करता है।

पाकिस्तान ने अमेरिका को सौंप दिए थे परमाणु हथियार: खुफिया एजेंसी सीआईए के पूर्व अफसर बोले- हमने मुशर्रफ को खरीद लिया था

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। पाकिस्तान के पूर्व राष्ट्रपति परवेज मुशर्रफ ने अपने देश के परमाणु हथियारों का नियंत्रण अमेरिका को सौंप दिया था। अमेरिकी खुफिया एजेंसी सीआईए के पूर्व अफसर जॉन किरियाकू ने शुक्रवार को यह दावा किया है। किरियाकू ने कहा कि अमेरिका ने मुशर्रफ को लाखों डॉलर की मदद के जरिए खरीद लिया था। उनके शासनकाल में अमेरिका को पाकिस्तान की सुरक्षा और सैन्य गतिविधियों तक लगभग पूरी पहुंच थी। उन्होंने कहा, हमने लाखों डॉलर की सैन्य और आर्थिक मदद दी। बदले में मुशर्रफ ने हमें सब कुछ करने दिया।

किरियाकू ने यह बयान न्यूज एजेंसी एएनआई को दिए इंटरव्यू में दिया। उन्होंने यह भी कहा कि मुशर्रफ ने दोहरे खेल खेले। उन्होंने एक तरफ अमेरिका के साथ दिखावा किया और दूसरी ओर पाकिस्तान की सेना और चरमपंथियों को भारत के खिलाफ आतंकी गतिविधियां जारी रखने दिया।

2002 में भारत-पाकिस्तान युद्ध होने वाला था : किरियाकू ने बताया कि 2002 में भारत और पाकिस्तान युद्ध के कगार पर थे। उन्होंने कहा, इस्लामाबाद से अमेरिकी अधिकारियों के परिवारों को निकाल लिया गया था। हमें लगा कि भारत और पाकिस्तान युद्ध में उतर सकते हैं। उन्होंने 2001 में संसद हमले के बाद भारत द्वारा शुरू किए गए ऑपरेशन पराक्रम का जिक्र किया। किरियाकू ने दावा किया कि अमेरिकी उप विदेश मंत्री ने दिल्ली और इस्लामाबाद का दौरा कर दोनों देशों के बीच समझौता करवाया। 2008 मुंबई हमलों पर बात करते हुए किरियाकू ने कहा कि मुझे नहीं लगता था कि यह अल-कायदा है। मुझे हमेशा लगता रहा कि ये पाकिस्तान समर्थित आतंकी समूह थे। और ऐसा ही साबित हुआ। असली कहानी यह थी कि पाकिस्तान भारत में आतंकवाद फैला रहा था और किसी ने कुछ नहीं किया।

PAK परमाणु वैज्ञानिक को सऊदी ने बचाया : पूर्व सीआईए अधिकारी ने यह भी खुलासा किया कि पाकिस्तान के परमाणु वैज्ञानिक अब्दुल कादिर खान को अमेरिकी कार्रवाई से बचाने में सऊदी अरब का अहम रोल था। सऊदी ने अमेरिका को कहा कि खान को न छेड़ा जाए, जिससे अमेरिका ने अपने प्लान को छोड़ दिया। किरियाकू ने अमेरिकी विदेश नीति पर भी सवाल उठाया और कहा कि अमेरिका लोकतंत्र का ढोंग करता है, लेकिन वास्तव में अपने स्वार्थ के अनुसार काम करता है। उन्होंने यह भी बताया कि सऊदी और अमेरिका का रिश्ता पूरी तरह लेन-देन पर आधारित है, अमेरिका तेल खरीदता है और सऊदी हथियार। किरियाकू ने कहा कि वैश्विक ताकतों का संतुलन बदल रहा है और सऊदी अरब, चीन और भारत अपनी रणनीतिक भूमिका को नया आकार दे रहे हैं।

यूक्रेन युद्ध का अंत नजदीक? जल्द हो सकता है रूस के साथ समझौता, पुतिन के करीबी ने दिए संकेत

वाशिंगटन, एजेंसी। निवेश और आर्थिक सहयोग मामलों के लिए रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के विशेष दूत किरिल दिमित्रियेव ने शुक्रवार को कहा कि रूस, अमेरिका और यूक्रेन अब युद्ध समाप्त करने के कूटनीतिक समाधान के काफी करीब हैं। अमेरिकी राजधानी वॉशिंगटन में अमेरिकी अधिकारियों के साथ बातचीत के लिए पहुंचने के बाद सीएनएन से बातचीत में दिमित्रियेव ने कहा कि डोनाल्ड ट्रंप और व्लादिमीर पुतिन के बीच प्रस्तावित बैठक रद्द नहीं हुई है, बल्कि उचित समय पर बाद में आयोजित की जाएगी।

ट्रंप-पुतिन बैठक स्थगित : इस हफ्ते की शुरुआत में ट्रंप ने कहा था कि हंगरी में पुतिन के साथ उनकी बैठक रद्द की गई है, क्योंकि रूस तत्काल युद्धविराम पर सहमत नहीं हुआ और वार्ता में प्रगति की कमी दिखी। ट्रंप ने कहा था कि यह बैठक अभी उपयुक्त समय पर नहीं है। हालांकि, दिमित्रियेव ने शुक्रवार को दावा किया, मुझे लगता है कि रूस, अमेरिका और यूक्रेन वास्तव में कूटनीतिक समाधान के काफी करीब हैं। उन्होंने यह स्पष्ट नहीं किया कि संभावित समझौते में क्या प्रावधान होंगे।

यूरोपीय देशों का नया युद्धविराम प्रस्ताव : रॉयटर्स की एक रिपोर्ट के अनुसार, यूरोपीय देश यूक्रेन के साथ मिलकर वर्तमान युद्धरेखाओं के आधार पर युद्धविराम प्रस्ताव तैयार कर रहे हैं। यह प्रस्ताव पहले से जारी वार्ताओं के बिंदुओं को ही आगे बढ़ाता है, जबकि अमेरिका को वार्ता में केंद्रीय भूमिका बनाए रखने पर जोर दिया जा रहा है। दिमित्रियेव ने कहा, यह राष्ट्रपति जेलेंस्की का बड़ा कदम है कि अब उन्होंने मौजूदा युद्धरेखाओं पर बातचीत की बात स्वीकार की है। पहले वे कहते थे कि रूस को पूरी तरह पीछे हटना चाहिए। इसलिए मुझे लगता है कि अब हम कूटनीतिक समाधान के काफी करीब हैं।

रूस का रुख : रूस ने फरवरी 2022 में यूक्रेन पर व्यापक पैमाने पर आक्रमण शुरू किया था। पिछले सप्ताह ट्रंप ने घोषणा की थी कि वह और पुतिन जल्द ही हंगरी में मुलाकात कर युद्ध समाप्ति पर चर्चा करेंगे, लेकिन पुतिन की ओर से अब तक किसी रियायत के संकेत नहीं मिले हैं। रूस लगातार यह मांग करता रहा है।

संयुक्त राष्ट्र प्रमुख गुटेरेस ने सुरक्षा परिषद से की अपील- युद्ध के बजाय शांति पर खर्च करें संसाधन

वाशिंगटन, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र में सुधार को लेकर लंबे समय से मांग चल रही है। इस बीच संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने सुरक्षा परिषद से अपील की है कि विकास और शांति के लिए संसाधनों का उपयोग किया जाए। महासचिव गुटेरेस ने शुक्रवार को संयुक्त राष्ट्र के भविष्य पर सुरक्षा परिषद की एक खुली बहस में यह अपील की। न्यूज एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, हनोई से एक वीडियो लिंक के माध्यम से महासचिव ने अपने भाषण की शुरुआत की। यूएन महासचिव गुटेरेस ने इस दौरान संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के एक किस्से का जिक्र करते हुए कहा कि 1946 में, मतदान से पहले सुरक्षा परिषद की पहली मतपेटी निरीक्षण के लिए खोली गई थी। जब पेटी खुली तो सभी को आश्चर्य हुआ कि उसमें पहले से ही एक कागज का टुकड़ा था। संयुक्त राष्ट्र प्रमुख ने बताया कि यह संदेश उस मतपेटी के निर्माता, न्यूयॉर्क के एक स्थानीय मैकेनिक पॉल एंटोनियो का था। उन्होंने कहा था कि वह पूरी दुनिया में स्थायी शांति की कामना करते हैं। गुटेरेस ने कहा, यह संदेश हमें याद दिलाता है कि सुरक्षा परिषद क्यों अस्तित्व में हैः यह उन लोगों के लिए है, जो ईमानदार हैं और जिन्होंने पिछले आठ दशकों से युद्ध के संकट से खुद को बचाने के लिए इस संस्था पर भरोसा रखा है। संयुक्त राष्ट्र प्रमुख ने आगे कहा, इस मंच पर बैठने का सौभाग्य, सबसे बढ़कर, उन लोगों की आस्था का सम्मान करने का कर्तव्य है। और युद्ध पर अक्सर खर्च होने वाले संसाधनों को विकास और शांति के कार्यों में लगाना है। कई महत्वपूर्ण अवसरों पर, सुरक्षा परिषद ने यह काम पूरा किया है और पिछले आठ दशकों में महाशक्तियों के बीच युद्ध की अराजकता को रोका गया। गुटेरेस ने आगे कहा, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद अच्छे काम करने के लिए जरूरी और ताकतवर है,

लेकिन इसकी वैधता कमजोर है। हमने अक्सर संयुक्त राष्ट्र के सदस्यों को चार्टर के सिद्धांतों के विरुद्ध काम करते देखा है। संयुक्त राष्ट्र प्रमुख ने कहा, जब ऐसा होता है, तो न केवल तत्काल कार्रवाई रुक जाती है, बल्कि इससे संयुक्त राष्ट्र की पूरी परियोजना में विश्वास भी कम होता है। यह हम सभी को बड़े खतरे में भी डाल देता है। जब एक देश नियमों का उल्लंघन करता है, तो दूसरे देश सोचते हैं कि उन्हें भी ऐसा करने की छूट है और इतिहास हमें स्पष्ट रूप से बताता है कि यह रास्ता किस ओर ले जाता है। गुटेरेस ने यह भी कहा कि वैश्विक व्यवस्था और सुरक्षा बनाए रखने के लिए सुरक्षा परिषद में सुधार बहुत जरूरी है और लंबे समय से इसका इंतजार भी हो रहा है। सुरक्षा परिषद में सुधार के तहत सदस्यता का विस्तार भी होना है। सदस्यता के विस्तार को लेकर यूएन महासचिव ने कहा कि अफ्रीका में संयुक्त राष्ट्र के लगभग आधे शांति अभियानों के साथ-साथ कई विशेष राजनीतिक मिशन भी चलाए जाते हैं, फिर भी परिषद में अफ्रीका की कोई स्थायी आवाज नहीं है। उन्होंने कहा, सुरक्षा परिषद चेंबर के दरवाजे खोलने और प्रकाश को अंदर आने देने का समय आ गया है। उद्देश्यपूर्ण सुरक्षा परिषद के बिना, दुनिया गंभीर खतरे में है। यह हमारा कर्तव्य है कि हम एक ऐसी संस्था का निर्माण करें जो अगले 80 वर्षों की चुनौतियों का सामना कर सके, एक ऐसी संस्था का निर्माण करें जो सभी के लिए न्याय और सुरक्षा प्रदान करे।

यूक्रेनी राष्ट्रपति की मांग- रूस के तेल पर प्रतिबंध और बढ़ाए अमेरिका; लंबी दूरी की मिसाइलें भी मांगीं

कीव, एजेंसी। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने शुक्रवार को अमेरिका से अपील की कि वह रूस की दो तेल कंपनियों पर लगाए गए प्रतिबंधों को बढ़ाकर पूरे रूसी तेल क्षेत्र के लिए लागू करे। उन्होंने साथ ही अमेरिका से लंबी दूरी की मिसाइलों की भी मांग की, ताकि यूक्रेन की तरफ से रूस के खिलाफ जवाबी कार्रवाई की जा सके।

यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की ने यह बयान ब्रिटेन के लंदन में दिया। वे यहां यूरोपीय नेताओं के साथ बैठक में शामिल हुए। गौरतलब है कि एक दिन पहले ही यूरोपीय नेताओं ने यूक्रेन को आश्वासन दिया कि अगर रूस के साथ उसका संघर्ष विराम लागू हो जाता है तो यूरोपीय देश भविष्य में रूसी हमलों से यूक्रेन की रक्षा के लिए सैन्य सहायता मुहैया कराएंगे।

वाहन की टक्कर से व्यक्ति की मौत

एजेंसी

पानीपत। पानीपत में गांव बबैल के रहने वाले युवक की अज्ञात वाहन की टक्कर से मौत हो गई। राहगीरों ने घटना की सूचना पुलिस को दी। घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर शव को पोस्टमार्टम के लिए सिविल अस्पताल भिजवाया और मामले की सूचना परिजनों को दी। मृतक के बड़े भाई कृष्ण ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि मृतक 42 वर्षीय विनोद गांव बबैल का रहने वाला था, जोकि सिवाह गांव स्थित शराब ठेके पर इंचार्ज के तौर पर कार्यरत था। कृष्ण ने बताया कि शुक्रवार देररात हमने फोन किए, लेकिन विनोद ने फोन नहीं उठाए। उसके बाद सुबह किसी राहगीर ने फोन करके हमें सूचना देते हुए बताया कि चौटाला रोड पर विनोद को किसी वाहन ने टक्कर मार दी है। जब हम मौके पर पहुंचे, तो हमने देखा कि आसपास के पेड़ भी क्षतिग्रस्त हुए पड़े थे, जिन्हें देखने से साफ जाहिर था कि किसी वाहन द्वारा टक्कर मारी गई है। थाना सेक्टर 29 पुलिस ने शव का पोस्टमॉर्टम कर कर शव परिजनों को सौंप दिया।

एनएच-44 की होगी मरम्मत,यातायात रहेगा डायवर्ट

सोनीपत। दिल्ली-अंबाला राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 44 पर सोनीपत के बहालगढ़ फ्लाईओवर की दिल्ली दिशा वाली सड़क 25 अक्टूबर की शाम 7 बजे से 26 अक्टूबर की सुबह 8 बजे तक मरम्मत कार्य के लिए बंद रहेगी। राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) ने सूचित किया है कि 10 नवम्बर तक जिले के विभिन्न फ्लाईओवरों पर मरम्मत कार्य जारी रहेगा। इस दौरान मुख्य मार्ग बंद रहेगा और यातायात को सर्विस रोड पर डायवर्ट किया जाएगा। एनएचएआई अधिकारियों के अनुसार, यह मरम्मत कार्य सड़क की गुणवत्ता और यातायात सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से किया जा रहा है। यात्रियों से अपील की गई है कि वे वैकल्पिक मार्गों का उपयोग करें या यात्रा के लिए अतिरिक्त समय लेकर चलें। कार्यक्रम के अनुसार, बहालगढ़ फ्लाईओवर (दिल्ली जाने वाली साइड) पर 25 अक्टूबर की शाम 7 बजे से 26 अक्टूबर की सुबह 8 बजे तक मरम्मत होगी। इसके बाद मुरथल फ्लाईओवर (दिल्ली से अंबाला दिशा) पर 27 से 28 अक्टूबर की रात तक काम चलेगा। फिर 5 से 6 नवम्बर तक पानीपत से दिल्ली दिशा की साइड पर मरम्मत की जाएगी।

सोनीपत के निजी बैंक में शॉर्ट सर्किट से लगी आग

सोनीपत। सोनीपत जिले के गोहाना शहर में रोहतक मार्ग स्थित फव्वारा चौक के निकट एक निजी बैंक में सुबह अचानक आग लग गई। आग लगते ही बैंक परिसर में अफरा-तफरी मच गई। प्राथमिक जांच में आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट बताया गया है। जानकारी के अनुसार, बैंक में तैनात सुरक्षा कर्मी ने सुबह आठ बजे अंदर से धुआं उठता देखा तो तुरंत पुलिस और अग्निशमन विभाग को सूचना दी। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की गाड़ी मौके पर पहुंची और कर्मियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। अंदर घुसने के लिए फायर ब्रिगेड कर्मियों ने बैंक के शीशे तोड़ने पड़े। अग्निशमन विभाग के अनुसार, आग लगने से बैंक के कुछ कंप्यूटर, फाइलें और आवश्यक दस्तावेज जल गए। बैंक प्रबंधन नुकसान का आकलन कर रहा है। सौभाग्य से किसी के हताहत होने की सूचना नहीं मिली है। पुलिस ने घटना स्थल का निरीक्षण कर मामला दर्ज कर लिया है और आग लगने के वास्तविक कारणों की जांच शुरू कर दी गई है। प्रशासन ने आगजनी से सुरक्षा को लेकर निजी संस्थानों को विद्युत उपकरणों की नियमित जांच करने की सलाह दी है।

प्रतिस्पर्धात्मक दुनिया में संचार कौशल का महत्व : प्रो. नरसी राम बिश्नोई

हिसार। गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के स्पीकाथॉन क्लब की ओर से चयनित विषयों पर मासिक स्पीकाथॉन प्रतियोगिता का आयोजन उत्साहपूर्वक एवं विद्यार्थियों की सक्रिय भागीदारी के साथ किया गया। यह प्रतियोगिता दो चरणों में आयोजित की गई। प्रतियोगिता में 9 विभागों से 30 विद्यार्थियों ने भाग लिया और अपनी त्वरित सोच, स्पष्ट अभिव्यक्ति एवं उत्कृष्ट संवाद कौशल का प्रदर्शन किया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. नरसी राम बिश्नोई ने शनिवार को सभी प्रतिभागियों को बधाई दी और आज की प्रतिस्पर्धात्मक दुनिया में संचार कौशल के महत्व पर बल दिया। कुलसचिव डॉ. विजय कुमार ने भी सभी प्रतिभागियों को मंच पर बोलने का साहस दिखाने और हिचकिचाहट दूर करने के लिए सराहा। उन्होंने विद्यार्थियों के उत्साह की प्रशंसा की और अन्य विद्यार्थियों से भी स्पीकाथॉन क्लब की गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी का आग्रह किया। प्रतिभागियों को संबोधित करते प्लेसमेंट निदेशक डॉ. प्रताप सिंह ने कहा कि इस प्रकार की प्रतियोगिताएं विद्यार्थियों में अभिव्यक्ति, आत्मविश्वास एवं प्रभावी संवाद कौशल विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं, जो व्यावसायिक सफलता के लिए अत्यंत आवश्यक हैं। उन्होंने स्पीकाथॉन क्लब टीम के प्रयासों की सराहना की, जिन्होंने इस आयोजन को सफलतापूर्वक संपन्न किया। सहायक निदेशक डॉ. आदित्य वीर सिंह ने बताया कि फाइनल राउंड ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के सेमिनार हॉल में आयोजित हुआ, जहां प्रतिभागियों को मौके पर ही विषय दिए गए, जिससे उनकी वाक्पटुता, विश्लेषणात्मक क्षमता और मानसिक उपस्थिति का मूल्यांकन किया गया।

धान-बाजरा खरीद में धोखाधड़ी पर होगी एफआईआर, दूसरे राज्य से धान की अवैध एंट्री पर सरकार सख्त

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि किसानों की फसल का एक-एक दाना खरीदने के लिए सरकार प्रतिबद्ध है। केंद्र एवं प्रदेश सरकार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में निरंतर किसान हित में कार्य कर रही है। प्रदेश में इन दिनों धान और बाजरे की फसल की खरीद का कार्य चल रहा है, लेकिन खरीद की आड़ में सरकार के साथ धोखाधड़ी करने वालों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा।मुख्यमंत्री आज यहां धान और बाजरा खरीद प्रक्रिया की पारदर्शिता और सुचारू संचालन को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से सभी संबंधित विभागों के अधिकारियों की एक उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। बैठक में सभी जिला उपायुक्त और पुलिस अधीक्षक भी ऑनलाइन जुड़े। बैठक में धान-बाजरा खरीद से जुड़ी व्यवस्थाओं, मंडियों की स्थिति, किसानों की शिकायतों और ई-

खरीद प्रणाली की समीक्षा की गई। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट कहा कि राज्य सरकार किसानों के हितों के साथ किसी भी प्रकार का समझौता नहीं करेगी। उन्होंने बैठक में निर्देश दिए कि नई अनाज मंडी, कनीना और अनाज मंडी, कोसली में ई-खरीद पोर्टल और मार्केट कमेटी के एच-रजिस्टर की ऑक्शन में अंतर पाए जाने तथा गेट पास जारी करने की प्रक्रिया में अनियमितताएं मिलने के मामले में जिन कर्मचारियों और अधिकारियों को सस्पेंड किया गया है, उन पर एफआईआर भी करवाई जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा सरकार का संकल्प स्पष्ट है, किसानों की मेहनत की कमाई की रक्षा करना और उनकी उपज का एक-एक दाना खरीदना है। बैठक में अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को बताया कि प्रदेश में धान की खरीद 22 अक्टूबर से प्रारंभ हुई है और अब तक अधिकांश मंडियों में खरीद सुचारू रूप से जारी है। अब तक राज्य की खरीद संस्थाओं द्वारा 2.66 लाख किसानों से लगभग 52.18 लाख मीट्रिक टन धान की खरीद हो चुकी है। किसानों के खाते में 10,204.98 करोड़ रुपये ट्रांसफर भी कर दिए गए हैं। राज्य की खरीद संस्थाओं द्वारा 291.10 मीट्रिक टन तथा निजी व्यापारियों द्वारा 3.99 लाख मीट्रिक टन बाजरे की खरीद की गई है। बैठक में अधिकारियों ने बताया कि कुछ स्थानों से बाहरी राज्यों से धान की आमद और गेट पास स्कैनिंग में अनियमितताओं की शिकायतें मिली हैं, जिन पर सरकार ने सख्त रुख अपनाया है। अंबाला, यमुनानगर, कुरुक्षेत्र तथा कैथल में खरीद किए गए धान की मिलिंग के लिए जिन राइस मिलों को धान आबंटित किया गया है।

आपसी समन्वय से गंभीरता के साथ कार्य करें अधिकारीः डीसी शांतनु शर्मा

एजेंसी

सिरसा। सिरसा के उपायुक्त शांतनु शर्मा ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि श्री गुरु तेग बहादुर के 350वें शहीदी दिवस तथा सरदार वल्लभ भाई पटेल जयंती पर रन फॉर यूनिटी और हरियाणा दिवस पर आयोजित होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों के सफल आयोजन के लिए सभी विभाग आपसी तालमेल के साथ गंभीरता से कार्य करते हुए तय समय पर संपूर्ण व्यवस्था सुनिश्चित करें। उपायुक्त शांतनु शर्मा जिला मुख्यालय में विभिन्न विभागों के अधिकारियों की बैठक को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान पुलिस अधीक्षक दीपक सहारण भी विशेष रूप से मौजूद रहे। इससे पहले मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आयोजन संबंधित तैयारियों को लेकर अधिकारियों को दिशा निर्देश दिए। उपायुक्त ने बताया कि प्रदेश सरकार ने श्री गुरु तेग बहादुर के 350वें शहीदी दिवस के उपलक्ष्य में राज्यभर में चार पवित्र यात्राएँ आयोजित करने का निर्णय लिया है। पहली यात्रा 8 नवंबर को रोड़ी (जिला सिरसा) से आरंभ होगी, जिसमें मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी शिरकत करेंगे। तीन नवंबर को गुरु तेग बहादुर के जीवन परिचय पर आधारित एक निबंध प्रतियोगिता चार भाषाओं हिंदी, संस्कृत, पंजाबी और अंग्रेजी में जिला के स्कूलों में आयोजित की जाएगी। प्रतियोगिता के तीन उत्कृष्ट प्रतिभागियों को नकद पुरस्कार भी प्रदान किए जाएंगे। डीसी शांतनु शर्मा ने बताया कि सरदार वल्लभभाई पटेल जयंती पर 31 अक्टूबर को रन फॉर यूनिटी का आयोजन किया जाएगा, जो शहीद भगत सिंह स्टेडियम सिरसा से सुबह सात बजे आरंभ होगी। देश की एकता और अखंडता को समर्पित इस दौड़ में सभी वर्गों की भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी। इस दौरान जिला में राष्ट्रीय एकता के ध्येय के साथ पदयात्राओं का भी आयोजन किया जाएगा।

हरियाणा में 10 नए औद्योगिक मॉडल टाउनशिप स्थापित करने की तैयारी : राव नरबीर सिंह

एजेंसी

गुरुग्राम। हरियाणा के उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राव नरबीर सिंह ने कहा कि दुनिया का कोई भी देश उद्योगों के बिना विकसित नहीं बन सकता। कृषि प्रधान हरियाणा को औद्योगिक विकास की नई पहचान देने के लिए राज्य सरकार ने आने वाले पांच वर्षों की विस्तृत औद्योगिक रूपरेखा तैयार की है, जिसके तहत 10 नए औद्योगिक मॉडल टाउनशिप विकसित किए जाएंगे। इनमें से दो गुरुग्राम के आसपास स्थापित किए जाएंगे। इसके साथ ही, अप्रवासी भारतीय दिवस के अवसर पर गुरुग्राम में ÷ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट÷ का आयोजन किया जाएगा, जिसमें विश्वभर के निवेशकों को हरियाणा में उद्योग लगाने के लिए आमंत्रित किया जाएगा।उद्योग मंत्री ने कहा कि गुरुग्राम अब ग्लोबल सिटी का रूप ले चुका है, जहां लघु भारत ही नहीं बल्कि लघु विश्व की झलक दिखाई देती है। हमारा उद्देश्य है कि यह शहर औद्योगिक विकास और पर्यावरणीय संतुलन का आदर्श उदाहरण बने। इसके लिए 'हरित गुरुग्राम अभियान'के तहत बड़ी औद्योगिक कंपनियों से

CSR फंड के माध्यम से सहयोग लिया जाएगा। राव नरबीर ने कहा कि वन विभाग ने गुरुग्राम और सोहना की सभी नर्सरियों को आदर्श हाइटेक नर्सरी के रूप में विकसित करने की योजना तैयार की है। इनमें ऐसे पौधे तैयार किए जाएंगे जिन्हें एक-दो वर्ष बाद शहर के विभिन्न हिस्सों में रोपा जा सके। उन्होंने कहा कि दक्षिण भारत की आधुनिक नर्सरियों का अध्ययन कर हरियाणा में वैसी ही मॉडर्न नर्सरियों को विकसित किया जाएगा। उद्योग मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार का प्रयास है कि प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम को और अधिक सक्रियता से लागू किया जाए ताकि नए उद्यमों को ऋण के रूप में वित्तीय सहायता मिल सके। वित्तीय वर्ष 2024-25 में 761 से अधिक मामलों को मंजूरी दी गई है और बैंकों के माध्यम से अब तक कुल लगभग 5064.40 करोड़ रुपये का ऋण स्वीकृत किया जा चुका है।

हरियाणा के सभी 20 हजार 629 बूथों पर रविवार को सुना जाएगा मन की बात कार्यक्रम : बड़ौली

एजेंसी

चंडीगढ़। भारतीय जनता पार्टी स्वदेशी अपनाने का संकल्प पत्र भरवा कर लोगों को स्वदेशी के प्रति जागरूकता का संदेश दे रही है। भाजपा की इस पहल पर लोग भी स्वदेशी अपनाने की शपथ ले रहे हैं। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली ने कहा कि स्वदेशी अपनाना आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को मजबूत करता है और इससे भारत की आर्थिक ताकत बढ़ती है।भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली ने कहा कि रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सुबह 11 बजे मन की बात कार्यक्रम के माध्यम से देशवासियों के साथ संवाद करेंगे। उन्होंने कहा कि हरियाणा के सभी 20 हजार 629 बूथों पर भाजपा के कार्यकर्ता पीएम मोदी के लोकप्रिय कार्यक्रम मन की बात को सुनेंगे और लोगों को भी इस कार्यक्रम से जुड़ने के लिए प्रेरित करेंगे। बड़ौली ने कार्यकर्ताओं का आह्वान करते हुए कहा कि पीएम मोदी के मन की बात कार्यक्रम के दौरान सभी कार्यकर्ता स्वदेशी अपनाने का संकल्प लें और

अन्य लोगों को भी राष्ट्रहित में स्वदेशी अपनाने का संकल्प दिलाएं। उन्होंने कहा कि स्वदेशी को अपनाने से घरेलू बाज़ार को बढ़ावा मिलता है और विदेशी आयात पर निर्भरता कम होती है तथा साथ ही रोजगार भी पैदा होते हैं। मोहन लाल बड़ौली ने कहा कि स्वदेशी केवल एक आर्थिक नारा नहीं, बल्कि आर्थिक विकास और स्वाभिमान का एक आधार है। स्वदेशी अभियान देश में बनी वस्तुओं का उपयोग करने के लिए प्रेरित करता है, ताकि देश की आर्थिक आत्मनिर्भरता बढ़े, स्वदेशी उद्योगों को बढ़ावा मिले, आयात कम हो, और देश की अर्थव्यवस्था मजबूत हो। बड़ौली ने कहा कि हर घर स्वदेशी, घर-घर स्वदेशी के मंत्र पर आगे बढ़ते हुए सभी कार्यकर्ता मन की बात कार्यक्रम में बूथों पर दैनिक जीवन में उपयोग होने वाले भारतीय उत्पादों का प्रयोग करने के लिए युवाओं को प्रेरित करें ताकि नई पीढ़ी इसके महत्व को समझ सके। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मन की बात कार्यक्रम के जरिए देश के लोगों को एकजुटता के साथ ही सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ने का संदेश देते हैं।

बहादुरगढ़ शहर में लगाए जाएंगे 25 रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम

एजेंसी

झज्जर। बहादुरगढ़ शहर में लंबे समय से जलभराव की समस्या से जूझ रहे क्षेत्रों को राहत देने के लिए नगर परिषद ने बड़ा कदम उठाया है। शहर में अब रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम लगाए जाएंगे। इस कार्य की शुरुआत झील मोहल्ला से की गई है। नगर परिषद के वाइस चेयरमैन पालेराम शर्मा, चेयरपर्सन प्रतिनिधि रमेश राठी व भाजपा मंडल अध्यक्ष संजय सैनी ने स्थानीय लोगों के साथ मिलकर नारियल फोड़कर इस परियोजना का शुभारंभ किया। झील मोहल्ले में दो रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम लगाए जा रहे हैं। नगर परिषद की चेयरपर्सन सरोज राठी की योजना के अनुसार प्रथम चरण में पूरे बहादुरगढ़ शहर में 25 रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम लगाए जाएंगे। इन पर करीब 80 लाख रुपये की राशि खर्च की जाएगी। शहर के सेक्टर-6, मांडौठी बाजार, झील मोहल्ला सहित अन्य जलभराव प्रभावित क्षेत्रों में इन सिस्टमों को स्थापित किया जाएगा। यह

निर्णय नगर परिषद की चेयरपर्सन सरोज राठी की अध्यक्षता में हाल ही में हुई बैठक में लिया गया थाए जिसमें प्रस्ताव सर्वसम्मति से पास हुआ। वाइस चेयरमैन पालेराम शर्मा ने कहा कि रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम से शहर में जलभराव की समस्या काफी हद तक खत्म होगी और भूमिगत जलस्तर को भी बढ़ावा मिलेगा। चेयरपर्सन प्रतिनिधि रमेश राठी ने बताया कि नगर परिषद पर्यावरण संरक्षण और शहरी जल प्रबंधन के लिए लगातार काम कर रही है। उन्होंने कहा कि यह परियोजना न केवल जलभराव से राहत देगी बल्कि शहर के हर सेक्टर में स्वच्छता और जल संरक्षण के नए मानक स्थापित करेगी। इस परियोजना पर नगर परिषद की ओर से 80 लाख रुपये की राशि खर्च की जा रही है। अगर और कहीं भी जरूरत हुई तो वहां पर भी रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम लगाए जाएंगे। भाजपा मंडल अध्यक्ष संजय सैनी ने इस पहल की सराहना करते हुए इसे शहर के विकास की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया।

इस अवसर पर पार्षद प्रतिनिधि पवन रोहिल्ला, आशु सैनी, मनमोहित गुप्ता, कृष्ण प्रधान, उमेश, केवल राम, विजय वाल्मीकि, विनोद, धर्मपाल, बलजीत सविता पवार, सुशील प्रकाश और महेशी प्रधान सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

किसान मोर्चा एवं गन्ना उत्पादक किसानों ने सीएम का जताया आभार

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी द्वारा हाल ही में गन्ने के रेट में बढ़ोतरी किए जाने के फैसले को लेकर किसानों में अपार हर्ष का माहौल है। विशेष रूप से गन्ना बाहुल्य जिलों के किसानों और किसान मोर्चा के पदाधिकारियों ने इसे मुख्यमंत्री की ओर से किसानों को दिवाली का तोहफा बताया है। किसानों और किसान मोर्चा के सदस्यों द्वारा प्रतिदिन मुख्यमंत्री निवास, संत कबीर कुटीर, पर पहुंचकर मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया जा रहा है। किसान मुख्यमंत्री को गन्ने की पुली भेंट कर अपनी खुशी और कृतज्ञता प्रकट कर रहे हैं। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी जो स्वयं कृषक पृष्ठ भूमि से हैं और हमेशा किसानों के हितों के लिए तत्पर रहते हैं। अपने कार्यकाल का एक वर्ष पूरा होते ही किसान हित में बड़ा निर्णय लेते हुए गन्ने के राज्य सलाहकार मूल्य (एसएपी) में 15 रुपये प्रति क्विंटल की वृद्धि करने का ऐतिहासिक फैसला लिया है। अब हरियाणा में गन्ने की अगेती किस्म का मूल्य 400 रुपये से बढ़ाकर 415 रुपये प्रति क्विंटल तथा पछेती किस्म का मूल्य 393 रुपये से बढ़ाकर 408 रुपये प्रति क्विंटल कर दिया गया है। यह फैसला न केवल किसानों की आय बढ़ाने में सहायक सिद्ध होगा, बल्कि राज्य की कृषि अर्थव्यवस्था को भी मजबूती प्रदान करेगा। इस अवसर पर मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त करने वालों में कैथल और करनाल जिलों के किसान मोर्चा के सदस्य एवं महिला गन्ना उत्पादक किसान भी बड़ी संख्या में उपस्थित रहीं। किसानों ने कहा कि यह निर्णय राज्य के गन्ना उत्पादक किसानों के लिए नई ऊर्जा और उत्साह लेकर आया है।

अपराध पर प्रभावी रोक लगाएं, कानून के प्रति जनता का विश्वास बनाए रखें : शशांक सावन

एजेंसी

हिसार। पुलिस अधीक्षक शशांक कुमार सावन ने अपराध पर रोक के लिए प्रभावी नाकाबंदी करने, पैदल गश्त करने के साथ-साथ ट्रेफिक नियंत्रण व लंबित मामलों में त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि कानून के प्रति जनता का विश्वास बनाए रखना पुलिस का पहला प्रयास होना चाहिए। पुलिस अधीक्षक शशांक कुमार सावन जिला पुलिस लाइन स्थित आधिकारिक मैस में अपराध गोष्ठी के दौरान बैठक को संबोधित कर रहे थे। बैठक में सभी पर्यवेक्षण अधिकारी, थाना प्रभारी, अपराध शाखा प्रभारी, चौकी इंचार्ज और अन्य संबंधित अधिकारी शामिल हुए। बैठक का मुख्य उद्देश्य जिले में कानून-व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाना, अपराधों की रोकथाम, लंबित मामलों के शीघ्र निपटारे तथा पुलिसिंग को जनता केंद्रित और परिणामपरक बनाना रहा।पुलिस अधीक्षक ने थाना स्तर पर अपराधों की समीक्षा करते हुए कहा कि प्रत्येक अधिकारी अपने क्षेत्र में नियमित निगरानी, प्रभावी नाकाबंदी और गश्त व्यवस्था को मजबूत करें। उन्होंने निर्देश दिए कि वाहनों और संदिग्ध व्यक्तियों की सघन चैकिंग की जाए थाना स्तर पर नियमित पैदल गश्त की जाए, जिससे जनता के बीच पुलिस की उपस्थिति बनी रहे और अपराधियों में भय का वातावरण पैदा

हो। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि मोटरसाइकिल चैकिंग अभियान को प्रभावी रूप से लागू किया जाए और संदिग्ध दोपहिया वाहनों की सघन जांच की जाए। ट्रैफिक व्यवस्था पर विशेष ध्यान देते हुए एसपी ने कहा कि बिना नंबर प्लेट वाले वाहन, ब्लैक फिल्म, ट्रिपल राइडिंग, बुलेट पटाखा, सार्वजनिक स्थानों पर शराब सेवन और ड्रिंक एंड ड्राइव जैसे उल्लंघनों पर असरदार कार्रवाई की जाए।

ताकि किसी भी आपराधिक गतिविधि को पहले ही स्तर पर रोका जा सके। एसपी ने कहा कि ईआरवी, पीसीआर और राइडर यूनिट पर तैनात पुलिसकर्मियों को रोजाना ब्रीफ किया जाए ताकि वे अपने क्षेत्र में सक्रिय और सतर्क रहें। साथ ही सीलिंग प्लान में ट्रैफिक पुलिस को भी शामिल किया जाए, ताकि किसी भी घटना के समय क्षेत्रीय समन्वय और प्रतिक्रिया बेहतर हो सके। पुलिस अधीक्षक ने जोर देते हुए कहा कि

भगवान कृष्ण की कर्मभूमि पर अपराधी, माफिया एवं गैंगस्टरों का कब्जा : सुरजेवाला

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा में लगातार हो रही आपराधिक घटनाओं पर कांग्रेस ने सरकार को घेरा है। कांग्रेस महासचिव एवं राज्यसभा सांसद रणदीप सिंह सुरजेवाला ने चंडीगढ़ में जारी बयान में कहा कि 'हरियाणा अब कानून नहीं, अपराधियों की चौपाल बन चुका है। भगवान श्रीकृष्ण की कर्मभूमि हरियाणा को सरकार ने अपराधियों, माफियाओं और गैंगस्टरों के हवाले कर दिया है। सुरजेवाला ने कहा कि आज हालत यह हैं कि हरियाणा पुलिस जिसका काम जनता की सुरक्षा है, वह खुद सरकार की इज ऑफ डुइंग क्राइम की लहर में बह रही है। उन्होंने कहा कि आज गांव से लेकर शहर तक कानून का भरोसा गायब और अपराध का खौफ आम लोगों की जिंदगी में उतर चुका है। सुरजेवाला ने सोनीपत में हुए दोहरे हत्याकांड, यमुनानगर में व्यापारी के साथ हुई लूट की घटना, अंबाला में रूसी पर्यटक के साथ लूट, पानीपत में एसआई द्वारा एनकाउंटर की धमकी दिए जाने पर सरकार को घेरते हुए

कहा कि यह चार घटनाएं ही बता देती हैं कि हरियाणा में कानून नाम की कोई चीज नहीं बची। सुरजेवाला ने एनसीआरबी की रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि हरियाणा अब देश का चौथा सबसे अपराधग्रस्त राज्य बन गया है। रिपोर्ट के अनुसार यहां हर दिन 3 हत्याएं, 5 बलात्कार, 9 अपहरण और महिलाओं के खिलाफ 46 अपराध हो रहे हैं। प्रति एक लाख की आबादी पर 740 अपराध के मामले दर्ज हैं। चार्जशीट दाखिल करने की दर सिर्फ 56 प्रतिशत और दोष सिद्धि की दर मात्र 13.6 प्रतिशत है। आधे से ज्यादा मामले झूठे साबित होते हैं, जिससे अपराधियों के हौसले बुलंद हैं।

सिरसा में नवनियुक्त एसपी की कार्रवाई, रानियां थाना प्रभारी निलंबित

एजेंसी

सिरसा। सिरसा के नवनियुक्त एसपी दीपक सहारण ने नशा तस्करों को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा कि या तो वे नशे का धंधा छोड़ दें या फिर जिला छोड़ दें। सिरसा जिला में नशा तस्करों के लिए कोई जगह नहीं है। पुलिस उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई करते हुए न केवल जेलों में डालेगी, बल्कि गैरकानूनी ढंग से बनाई गई संपत्ति को भी सीज करेगी। एसपी दीपक सहारण कार्यभार संभालने के बाद शनिवार शाम को पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उल्लेखनीय है कि दीपक सहारण को डॉ. मयंक गुप्ता की जगह सिरसा का एसपी लगाया गया है।

नवनियुक्त एसपी दीपक सहारण ने कहा कि उनकी मुख्य प्राथमिकता सिरसा जिला को नशा मुक्त करना है और इसके लिए न केवल नशा तस्करों पर शिकंजा कसा जाएगा, बल्कि जिलावासियों के सहयोग से नशामुक्ति अभियान चलाकर नशे में लिप्त युवाओं को इस सामाजिक बुराई से बाहर निकालने की रहेगी। इसके लिए सामाजिक संस्थाओं का सहयोग भी लिया जाएगा। नशा तस्करों के खिलाफ ढिलाई व लापरवाह अधिकारियों व कर्मचारियों के खिलाफ भी सख्ती बरती जाएगी। उन्होंने कहा कि दो राज्यों की सीमा

पर सटा होने के कारण सिरसा जिला से नशे के सौदागरों पर कार्रवाई के लिए साथ लगते राजस्थान व पंजाब के पुलिस अधीक्षकों से भी तालमेल स्थापित किया जाएगा ताकि इस नेटवर्क को तोड़ा जा सके। उन्होंने दोहराया कि पुलिस मेडिकल नशा के खिलाफ भी लगाम लगाएगी और जल्द ही मेडिकल एसोसिएशन के साथ बैठक कर पुलिस अपने इरादे स्पष्ट कर देगी। पुलिस अधीक्षक ने अपना नंबर सार्वजनिक करते हुए कहा कि कोई भी जिला का नागरिक बेझिझक होकर अपराध में संलिप्त लोगों की जानकारी दे सकता है और उसका नंबर गुप्त रखा जाएगा। उन्होंने कहा कि नशे के अलावा छीना झपटी सहित दूसरे अपराधों पर भी पुलिस नकेल कसेगी और शीघ्र ही इसका परिणाम भी जिलावासियों को देखने को मिलेगा। नवनियुक्त एसपी दीपक सहारण ने रानियां थाना प्रभारी इंस्पेक्टर दिनेश कुमार को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। उल्लेखनीय है कि रानियां थाना अंतर्गत पडने़ वाले ओटू गांव में एक ही दिन में दो युवकों की नशे से मौत हो गई थी। क्षेत्र में बढ़ते नशे को लेकर सरकार व पुलिस प्रशासन की खूब किरकिरी हो रही थी, वहीं सिरसा की सांसद कुमारी सैलजा ने भी इसको लेकर सरकार से सवाल किए थे।

सेवानिवृत कर्मचारी 26 नवंबर को कैबिनेट मंत्री गंगवा के आवास पर देंगे धरना : राजपाल नैन

एजेंसी

हिसार। सेवानिवृत्त कर्मचारी एसोसिएशन की जिला बैठक बस स्टेंड स्थित महासंघ यूनियन कार्यालय में सेवानिवृत्त तहसीलदार नरेश गोयल की अध्यक्षता में हुई। बैठक का संचालन जिला प्रधान राजबीर सिंधु ने किया। इसमें सर्वसम्मति से 29 अक्तूबर को प्रस्तावित धरना प्रदर्शन स्थगित करने और 26 नवंबर को कैबिनेट मंत्री रणबीर गंगवा के कैमरी रोड स्थित आवास पर धरना प्रदर्शन करने का निर्णय लिया गया। बैठक में परिवहन विभाग, शिक्षा, पुलिस, सिंचाई, आबकारी एवं कराधान, खजाना विभाग, पब्लिक हेल्थ, उपायुक्त कार्यालय सहित अनेक विभागों के सेवानिवृत्त कर्मचारी शामिल हुए।

ज्वाइंट एक्शन कमेटी के मण्डल कन्वीनर राजपाल नैन व एमएल सहगल ने बताया कि सरकार सेवानिवृत कर्मचारियों की मांगों की लगातार उपेक्षा कर रही है। इसके चलते सेवानिवृत कर्मचारियों में रोष बढ़ता जा रहा है। उन्होंने बताया कि सेवानिवृत कर्मचारी पेंशन में पंजाब, हिमाचल प्रदेश व केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ की तर्ज पर 65, 70 व 75 वर्ष होने पर क्रमशः 5, 10 व 15 प्रतिशत की दर से बढ़ोतरी करने, मेडिकल भत्ता एक हजार से बढ़ाकर तीन हजार मासिक करने, कम्यूटेशन की कटौती 15 वर्ष की बजाय 10 वर्ष करने, फेमिली पेंशनर्स को एलटीसी की सुविधा प्रदान करने, पेंशन की आय को टैक्स रहित करने, 18 महीने के बकाया एरियर का भुगतान करने सहित अनेक मांगों को लेकर आवाज उठा रहे हैं, लेकिन सरकार उनकी मांगों की अनदेखी कर रही है। उन्होंने बताया कि आज की मीटिंग में निर्णय लिया गया कि 1 से 20 नवंबर तक हिसार जिले के सभी तहसील, ब्लॉक, गांव व शहर में रहने वाले सभी सेवानिवृत्त कर्मचारियों के मिलकर जागरूकता अभियान चलाया जाएगा ताकि 26 नवंबर को होने वाले धरना-प्रदर्शन को विशाल रूप दिया जा सके।

भारत 2025-26 में सबसे तेजी से बढ़ती उभरती अर्थव्यवस्था बना रहेगा

नई दिल्ली अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने अपने ताजा रिपोर्ट में कहा है कि भारत 2025-26 में 6.6 फीसदी की वृद्धि दर से उभरती अर्थव्यवस्थाओं में सबसे आगे रहेगा। आईएमएफ ने यह अनुमान भारत की पहली तिमाही में 7.8 फीसदी की मजबूत आर्थिक गतिविधियों को देखते हुए लगाया है, जिसने अमेरिका द्वारा लगाए गए नए आयात शुल्क का असर संतुलित किया। 2026 में वृद्धि दर थोड़ी कम होकर 6.2 फीसदी रहने की संभावना है। 2024-25 में भारत की वास्तविक जीडीपी वृद्धि 6.5 फीसदी रही थी, और सरकार ने 2025-26 के लिए 6.3-6.8 फीसदी का लक्ष्य रखा है। आईएमएफ ने कहा कि 2025 में वैश्विक वृद्धि दर 3.2 फीसदी और 2026 में 3.1 फीसदी रहने का अनुमान है, जो पिछले पूर्वानुमानों से थोड़ी कम है। मुद्रास्फीति में गिरावट की उम्मीद है, लेकिन अमेरिका में यह अभी भी लक्ष्य से ऊपर रह सकती है। उन्नत अर्थव्यवस्थाओं की औसत वृद्धि 1.6 फीसदी और उभरती अर्थव्यवस्थाओं की 4.2 फीसदी रहने की संभावना है।

ओडिशा सरकार ने 1.46 लाख करोड़ के 33 निवेश प्रस्तावों को दी मंजूरी

भुवनेश्वर ओडिशा में मुख्यमंत्री मोहन चरण मांझी की अध्यक्षता में उच्च स्तरीय मंजूरी प्राधिकरण (एचएलसीए) और मुख्य सचिव मनोज आहूजा की अध्यक्षता में एकल खिड़की मंजूरी समिति (एसएलडब्ल्यूसीए) की बैठक में 33 निवेश प्रस्तावों को हरी झंडी दी गई। एचएलसीए ने 12 प्रस्तावों के लिए 1,41,993.54 करोड़ रुपये का निवेश मंजूर किया, जिससे लगभग 49,745 रोजगार सृजित होंगे। एसएलडब्ल्यूसीए ने 4,019.53 करोड़ रुपये के निवेश को मंजूरी दी, जिससे 16,590 रोजगार की संभावना है। सुंदरगढ़ जिले में 84,000 करोड़ रुपये की अदाणी परियोजना से 36,000 लोगों को रोजगार मिलने की उम्मीद है। मुख्यमंत्री मांझी ने कहा कि यह निवेश ओडिशा की प्रगतिशील नीतियों, तेज़ प्रशासन और निवेश के लिए तैयार माहौल का प्रतीक है।

1 नवंबर से जीएसटी पंजीकरण होगा सरल, तीन दिन में मिलेगी मंजूरी

नई दिल्ली केंद्र सरकार ने 1 नवंबर से सरलीकृत जीएसटी पंजीकरण प्रणाली लागू करने की घोषणा की है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बताया कि नई प्रक्रिया के तहत नए आवेदकों को तीन कार्य दिवसों में पंजीकरण मंजूर कर दिया जाएगा। यह सुधार जीएसटी 2.0 के तहत लाया गया है और इसका उद्देश्य पंजीकरण प्रक्रिया को आसान बनाना तथा मानव हस्तक्षेप को कम करना है। नई प्रणाली में पंजीकरण दो प्रकार से स्वचालित होगा। पहला, वे आवेदक जिन्हें सिस्टम द्वारा जोखिम और डेटा विश्लेषण के आधार पर चुना गया है। दूसरा, वे जिन्होंने स्वयं आकलन किया कि उनकी मासिक आउटपुट कर देयता 2.5 लाख रुपए से अधिक नहीं है। वित्त मंत्री ने कहा कि लगभग 96 प्रतिशत नए आवेदक सीधे इस सरलीकृत प्रक्रिया का लाभ उठा सकेंगे। सीतारमण ने कहा कि अब सरकार का ध्यान नीति निर्माण से क्रियान्वयन की ओर बढ़ रहा है। कर अधिकारियों से अपेक्षा है कि वे करदाताओं के साथ सम्मानजनक व्यवहार करें और कर चोरी के मामलों में सख्ती बनाए रखें। उन्होंने जोर दिया कि सिस्टम को विवेक से नहीं, बल्कि व्यवस्थित रूप से काम करना चाहिए।

बीते सप्ताह तेल-तिलहन बाजार में गिरावट

नई दिल्ली बीते सप्ताह सरसों के अे धिक दामों के कारण लिवाली प्रभावित रही। इसके चलते सरसों तेल-तिलहन के दाम गिरावट के साथ बंद हुए। सरसों का पर्याप्त स्टॉक किसानों, स्टॉकिस्ट और सरकार के पास मौजूद है। सरसों दाना 7,000-7,050 रुपये/क्विंटल और सरसों दादरी तेल 14,650 रुपये प्रे ति क्विंटल पर बंद हुआ। सोयाबीन तिलहन का नया एमएसपी 5,328 रुपए प्रे ति क्विंटल है, जबकि हाजिर बाजार 4,000-4,200 रुपए प्रे ति क्विंटल पर। कमजोर बिकवाली के चलते सोयाबीन तिलहन में मामूली सुधार हुआ, लेकिन दाम अभी भी एमएसपी से 20-22 फीसदी नीचे हैं। सोयाबीन तेल में आयातकों द्वारा लागत से कम दाम पर बिकवाली के कारण गिरावट दर्ज हुई। मूंगफली तेल-तिलहन स्थिर रहे। इंडोनेशिया की आयात मांग देखी जा रही है। वहीं मलेशिया में संभावित सट्टेबाजी खत्म होने से पाम-पामोलीन तेल में गिरावट हुई। कपास की आवक बढ़ने से बिनौला तेल के दाम में 200 रुपये प्रति क्विंटल की गिरावट देखी गई। सरकार को एमएसपी और तेल संयंत्रों की पेराई क्षमता पर ध्यान देना होगा।

भारत से यात्री वाहन निर्यात में 18 फीसदी की बढ़त, मारुति सुजुकी सबसे आगे

वित्त वर्ष 2025 की पहली छमाही में 4.45 लाख से अधिक वाहन विदेश भेजे गए

नई दिल्ली

चालू वित्त वर्ष 2025 की पहली छमाही (अप्रैल-सितंबर) में भारत से यात्री वाहनों का निर्यात 18.4 प्रतिशत बढ़कर 4,45,884 इकाई हो गया है, जबकि पिछले वर्ष इसी अवधि में यह आंकड़ा 3,76,679 इकाई था। वाहन विनिर्माताओं के संगठन सियाम ने बताया कि इस वृद्धि के पीछे वैश्विक बाजारों में स्थिर मांग और नए देशों में निर्यात विस्तार की बड़ी भूमिका रही है। मारुति सुजुकी इंडिया इस अवधि में 2,05,763 इकाइयों के निर्यात के साथ शीर्ष स्थान पर रही। यह पिछले वर्ष की समान अवधि के 1,47,063 इकाइयों की तुलना में लगभग 40 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है।

हुंडई मोटर इंडिया ने 99,540 इकाइयाँ भेजीं, जो 17 प्रतिशत अधिक है, जबकि निसान मोटर इंडिया का निर्यात 33,059 से बढ़कर 37,605 इकाई हो गया। इसके बाद फॉक्सवैगन इंडिया (28,011), टोयोटा किर्लोस्कर मोटर (18,880), किआ इंडिया (13,666) और होंडा कार्स इंडिया (13,243) का स्थान रहा। वाहन श्रेणियों की बात करें तो, यात्री कारों का निर्यात 12 प्रतिशत बढ़कर 2,29,281 इकाई तक पहुंचा, जबकि यूटिलिटी वाहनों की विदेशी मांग में तेजी से इजाफा हुआ और उनका निर्यात 26 प्रतिशत बढ़कर 2,11,373 इकाई हो गया। वहीं वैन का निर्यात 36.5 प्रतिशत बढ़कर 5,230 इकाई दर्ज किया गया। सियाम ने कहा कि भारत ने इस अवधि में 24 देशों को निर्यात में सकारात्मक वृद्धि दर्ज की है।

अमेरिका ने रोका रूस की दो बड़ी तेल कंपनियों को, भारत पर फिलहाल असर सीमित

नई दिल्ली अमेरिका ने रूस की दो प्रमुख तेल कंपनियों रोजनेफट और ल्यूकोइल पर प्रतिबंध लगाए हैं। हालांकि, रूस का कच्चा तेल खुद सैंक्शंस में शामिल नहीं है। इसका मतलब है कि यदि तेल बेचने वाली कंपनी पर प्रतिबंध नहीं है, तो भारतीय रिफाइनर बिना कानून तोड़े रूस से तेल खरीद सकते हैं। विशेषज्ञों और रिफाइनरी अधिकारियों का मानना है कि इस कदम से भारत-रूस के 69 बिलियन डॉलर के तेल व्यापार पर फिलहाल बड़ा असर नहीं पड़ेगा। दिसंबर डिलीवरी पहले ही तय हो चुकी है, और साल 2025 में भारत को रूस से लगभग 70 फीसदी तेल रोजनेफट` और ल्युकोइल से मिला। हालांकि, विशेषज्ञ चेतावनी दे रहे हैं कि जनवरी के बाद सप्लाई प्रभावित हो सकती है। जनवरी 2025 में गैज़प्रोम नेफ्ट और सुरगुतनेफ़्तेगा पर सैंक्शंस लगाए गए थे, जिससे लगभग 1 मिलियन बैरल प्रति दिन उत्पादन प्रभावित हुआ। बावजूद इसके सुरगुतनेफ़्तेगा ने भारत को 1.59 लाख बैरल प्रति दिन सप्लाई की, जो रूस से आने वाले कुल तेल का 9 फीसदी है।

एलआईसी ने अडानी निवेश पर लग रहे आरोपों का किया खंडन

नई दिल्ली भारत की सबसे बड़ी बीमा कंपनी जीवन बीमा निगम (एलआईसी) ने शनिवार को स्पष्ट किया कि उसके अडानी समूह में निवेश स्वतंत्र और बोर्ड-स्वीकृत नीतियों के तहत किए गए हैं। एलआईसी ने यह भी कहा कि इन निवेश निर्णयों में वित्त मंत्रालय या किसी सरकारी संस्था की कोई भूमिका नहीं है। कंपनी ने जोर देकर कहा कि निवेश केवल विस्तृत जांच-पड़ताल और वित्तीय आधार पर किए जाते हैं। एलआईसी ने बताया कि मई 2025 में उसने अडानी पोर्ट एंड सेज में 570 मिलियन डॉलर का निवेश किया, जिसे भारत की एएए क्रेडिट रेटिंग प्राप्त है। एलआईसी का अडानी समूह में कुल निवेश उसके कुल कर्ज का 2 फीसदी से कम है। कंपनी ने विदेशी मीडिया की रिपोर्ट का खंडन करते हुए कहा कि यह निवेश पूरी तरह सुरक्षित और व्यावसायिक दृष्टिकोण पर आधारित है। एलआईसी भारत का सबसे बड़ा संस्थागत निवेशक है, जिसके पास 41 ट्रिलियन रुपये (500 बिलियन डॉलर) से अधिक की संपत्ति है। यह 351 सूचीबद्ध कंपनियों में निवेश करता है और सरकारी बांड एवं कॉर्पोरेट ऋण में भी भारी निवेश करता है। एलआईसी के प्रमुख निवेशों में` रिलायंस इंडस्ट्रीज, टीसीएस, एचडीएफसी बैंक, एसबीआई और अडाणी समूह शामिल हैं। एलआईसी के अनुसार, भारत की शीर्ष 500 कंपनियों में उसका निवेश 2014 से दस गुना बढ़कर 1.56 लाख रोड़ रुपये से 15.6 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। कंपनी ने कहा कि उसके निवेश निर्णय हितधारकों के सर्वोत्तम हित में और नियमानुसार लिए जाते हैं।

शेयर बाजार की दिशा तय करेंगे कंपनी नतीजे और वैश्विक आर्थिक फैसले

निवेशक सबसे पहले कोटक महिंद्रा बैंक के नतीजों पर नजर रखेंगे

मुंबई

विशेषज्ञों ने कहा है कि चालू वित्त वर्ष 2025-26 की दूसरी तिमाही के नतीजों का सीजन भारतीय शेयर बाजार की दिशा तय करेगा। निवेशक सबसे पहले कोटक महिंद्रा बैंक के नतीजों पर नजर रखेंगे। इसके बाद आईओसी, टीवीएस मोटर कंपनी, लार्सन एंड टुब्रो, हिंदुस्तान पेट्रोलियम, आईटीसी, सिप्ला, डाबर, मारुति और एसीसी के आंकड़े निवेशकों के लिए महत्वपूर्ण होंगे। बाजार के विश्लेषकों के अनुसार निवेशक कंपनी के वित्तीय प्रदर्शन के आधार पर बाजार की प्रतिक्रिया तय करेंगे। 28 अक्टूबर को भारत के औद्योगिक उत्पादन (आईआईपी) के आंकड़े जारी होंगे। वहीं 29 अक्टूबर को अमेरिकी फेडरल रिजर्व का ब्याज दर निर्णय वैश्विक तरलता और जोखिम धारणा पर असर डाल सकता है। मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज के एक शोध प्रमुख ने कहा कि निवेशक अमेरिका के जीडीपी, यूरोपीय केंद्रीय बैंक और जापान के बैंक ऑफ जापान के नीतिगत फैसलों के साथ-साथ चीन के विनिर्माण पीएमआई पर भी नजर रखेंगे। घरेलू मोर्चे पर, भारत-अमेरिका द्विपक्षीय व्यापार वार्ता में प्रगति निवेशकों के लिए प्रमुख ध्यान का केंद्र रहेगी। वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने स्पष्ट किया कि भारत जल्दबाजी में कोई समझौता नहीं करेगा। इसके अलावा, अमेरिका-चीन के राष्ट्रपति की बैठक से व्यापार तनाव में कमी आ सकती है, जिसका असर वैश्विक बाजारों पर पड़ेगा। छुट्टियों के कारण कम कारोबार वाले पिछले सप्ताह में बीएसई सेंसेक्स 259.69 अंक या 0.30 प्रतिशत बढ़ा, जबकि निफ्टी 85.3 अंक या 0.33 प्रतिशत के लाभ में रहा। यह हल्की तेजी बाजार में निवेशकों की सतर्क लेकिन सकारात्मक भावना को दर्शाती है।

सेंसेक्स की प्रमुख 10 कंपनियों में से सात का मार्केट कैप 1.55 लाख करोड़ बढ़ा

▸▸ **शीर्ष 10 कंपनियों की सूची में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर बरकरार रही**

मुंबई

छुट्टियों के कारण कम कारोबारी सत्रों वाले पिछले सप्ताह के दौरान सेंसेक्स की शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में से सात का बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) सामूहिक रूप से 1,55,710.74 करोड़ रुपये बढ़ गया।

घरेलू शेयर बाजार में सकारात्मक रुख के बीच रिलायंस इंडस्ट्रीज और टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) को सबसे ज्यादा लाभ हुआ।

शीर्ष 10 कंपनियों में से रिलायंस इंडस्ट्रीज, भारती एयरटेल, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई), बजाज फाइनेंस, इन्फोसिस और भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) को लाभ हुआ। वहीं एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआईसीआई बैंक और हिंदुस्तान यूनिलीवर के मूल्यांकन में गिरावट आई। समीक्षाधीन सप्ताह में रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार पूंजीकरण 46,687.03 करोड़ रुपये बढ़कर 19,64,170.74 करोड़ रुपये हो गया।

टीसीएस का बाजार मूल्यांकन 36,126.6 करोड़ रुपये बढ़कर 11,08,021.21 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। इन्फोसिस की बाजार हैसियत 34,938.51 करोड़ रुपये बढ़कर 6,33,712.38 करोड़ रुपये और भारतीय स्टेट बैंक का मूल्यांकन 13,892.07 करोड़ रुपये बढ़कर 8,34,817.05 करोड़ रुपये रहा।

बजाज फाइनेंस की बाजार हैसियत 11,947.17 करोड़ रुपये बढ़कर 6,77,846.36 करोड़ रुपये हो गई, जबकि भारती एयरटेल का मूल्यांकन 9,779.11 करोड़ रुपये बढ़कर 11,57,014.19 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। एलआईसी ने सप्ताह के दौरान 2,340.25 करोड़ रुपये जोड़े, जिससे इसका बाजार मूल्यांकन 5,62,513.67 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। शीर्ष 10 कंपनियों की सूची में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर कायम रही। इसके बाद क्रमशः एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, टीसीएस, आईसीआईसीआईसीआई बैंक, भारतीय स्टेट बैंक, बजाज फाइनेंस, इन्फोसिस, हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड और एलआईसी का स्थान रहा।

रिलायंस और मेटा ने भारत में नई एआई जॉइंट वेंचर की घोषणा की

नई दिल्ली रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) ने मेटा प्लेटफॉर्म्स (फेसबुक) के साथ मिलकर रिलायंस एंटरप्राइज इंटेलिजेंस लिमिटेड नाम से एक नई एआई कंपनी बनाने की घोषणा की है। इस कंपनी का उद्देश्य भारत में बड़े व्यवसायों के लिए उन्नत एंटरप्राइज एआई सेवाओं और टेक्नोलॉजी सॉल्यूशंस प्रदान करना है। नई पहल से डिजिटल टेक्नोलॉजी और एआई क्षेत्र में रिलायंस की पकड़ को और मजबूत करने की उम्मीद है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, रिलायंस इंटेलिजेंस आरईआईएल में 70 फीसदी हिस्सेदारी रखेगी, जबकि मेटा (फेसबुक) का हिस्सेदारी 30 फीसदी होगी। दोनों कंपनियां मिलकर लगभग 855 करोड़ रुपए का प्रारंभिक निवेश करेंगी। शुरुआत में रिलायंस ने आरईआईएल को 2 करोड़ रुपए की पूंजी के साथ अपनी पूरी सब्सिडियरी के रूप में शामिल किया है। बाद में समझौते के अनुसार, यह पूरी तरह से जॉइंट वेंचर बन जाएगा। रिलायंस ने एक्सचेंज फाइलिंग में स्पष्ट किया है कि यह सौदा किसी प्रकार के संबंधित पार्टी ट्रांजैक्शन में नहीं आता और कंपनी के प्रमोटर या समूह का इसमें कोई व्यक्तिगत हित नहीं है।

रुस पर प्रतिबंध....पश्चिम एशिया और अमेरिका से कच्चे तेल खरीद सकती हैं भारतीय रिफाइनरी

मुंबई

दो रूसी तेल उत्पादक कंपनियों पर अमेरिकी प्रतिबंध लगाने के बाद भारतीय रिफाइनरी कंपनियां रूस से कच्चे तेल आयात में होने वाली कमी की भरपाई के लिए पश्चिम एशिया, लातिन अमेरिका और अमेरिका से कच्चे तेल की खरीद बढ़ सकती हैं। अमेरिकी सरकार ने 22 अक्टूबर को रूस के दो सबसे बड़े कच्चे तेल उत्पादकों रॉसनेफ्ट और ल्यूकऑयल पर प्रतिबंध लगाया है। इसके साथ सभी अमेरिकी संस्थाओं और व्यक्तियों को इन कंपनियों के साथ व्यापार करने से रोका गया है। प्रतिबंधित रूसी तेल कंपनियों या उनकी अनुषंगी इकाइयों के साथ लेनदेन करते मिलने पर गैर-अमेरिकी फर्मों को भी दंड का सामना करना पड़ सकता है। अमेरिकी वित्त विभाग ने कहा है कि रॉसनेफ्ट और ल्यूकऑयल से जुड़े सभी मौजूदा लेनदेन 21 नवंबर तक समाप्त होने चाहिए। इस समय भारत के कच्चे तेल आयात में करीब एक तिहाई हिस्सा रूस का है। रूस ने भारत को वर्ष 2025 में औसतन करीब 17 लाख बैरल प्रतिदिन कच्चे तेल का निर्यात किया। इसमें से करीब 12 लाख बैरल प्रतिदिन तेल सीधे रॉसनेफ्ट और ल्यूकऑयल से आया। इसमें से ज्यादातर तेल निजी रिफाइनरी रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड और नायरा एनर्जी ने खरीदा था। सरकारी रिफाइनरी कंपनियों की इसमें कम हिस्सेदारी ही रही है। केप्लर के प्रमुख शोध विश्लेषक (रिफाइनिंग और मॉडलिंग) सुमित रितोलिया ने कहा कि 21 नवंबर तक रूसी कच्चे तेल की आवक 16-18 लाख बैरल प्रतिदिन के दायरे में रहने की उम्मीद है, लेकिन उसके बाद रॉसनेफ्ट और ल्यूकऑयल से सीधे आयात में गिरावट आएगी है।

जाहिर है कि भारतीय रिफाइनरी कंपनियां अमेरिकी प्रतिबंधों के किसी भी जोखिम से बचना चाहेगी। सूत्रों ने बताया कि रॉसनेफ्ट के साथ पांच लाख बैरल प्रतिदिन तक कच्चा तेल खरीदने का 25 साल का अनुबंध करने वाली रिलायंस इंडस्ट्रीज उससे तेल आयात रोकने वाली पहली कंपनी हो सकती है। यूरोपीय संघ के प्रतिबंधों के कारण अन्य जगहों से आपूर्ति कम होने के बाद, नायरा एनर्जी के पास बहुत कम विकल्प हैं। कंपनी वर्तमान में पूरी तरह से रूसी तेल पर निर्भर है। रितोलिया ने कहा, फिर भी, रिफाइनरी तीसरे पक्ष के मध्यस्थों के जरिये रूसी ग्रेड का तेल लेना जारी रखेंगी।

सब-4 मीटर एसयूवी का अगला संस्करण 2026 हुंडई वेन्यू पेश

नई दिल्ली

अपनी लोकप्रिय सब-4 मीटर एसयूवी का हुंडई मोटर इंडिया ने अगला संस्करण 2026 हुंडई वेन्यू पेश कर दिया है। हुंडई मोटर नई वेन्यू 4 नवंबर 2025 को लॉन्च के लिए तैयार है। यह मॉडल हुंडई के नए डिजाइन दर्शन पर आधारित है और भारत में इसका ग्लोबल डेब्यू होगा। लॉन्च के बाद इसे अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भी एक्सपोर्ट किया जाएगा। टीजर में एसयूवी का डिजाइन पहले से अधिक बोल्ड और दमदार नजर आता है। फ्रंट प्रोफाइल में आयताकार ग्रिल, सी-आकार के एलईडी डीआरएलएस, वर्टिकली स्टैक्ड हेडलैंप और पूरी चौड़ाई में फैली एलईडी लाइट बार दिखाई गई है। बम्पर पर बुल-बार स्टाइल डिजाइन एसयूवी को मजबूत अपील देता है। साइड प्रोफाइल में फ्लैट डोर पैनल, नए सी-पिलर और चंकी व्हील आर्च का इस्तेमाल किया गया है। पीछे की ओर कनेक्टेड एलईडी टेललैंप और आकर्षक टेलगेट इसके प्रीमियम लुक को बढ़ाते हैं। इंटीरियर में भी बड़ा बदलाव देखने को मिलेगा। इसमें नई क्रेटा और अल्काजार की तरह दो 12.3-इंच की कर्व्ड स्क्रीन दी जाएगी। इसके अलावा टच-बेस्ड क्लाइमेट कंट्रोल, फ्लैट-बॉटम स्टीयरिंग व्हील, 8-स्पीकर बोस साउंड सिस्टम, डुअल-जोन क्लाइमेट कंट्रोल, वेंटिलेटेड सीटें और पैनोरमिक सनरूफ जैसे फीचर्स मिलेंगे। सुरक्षा के लिहाज से 2026 वेन्यू में लेवल-2 अडास सिस्टम दिया जाएगा, जिसमें अडेप्टिव क्रूज कंट्रोल, ब्लाइंड स्पॉट वार्निंग और 360 डिग्री कैमरा जैसे एडवांस फीचर्स होंगे। मैकेनिकल रूप से एसयूवी में 1.2-लीटर पेट्रोल, 1.0-लीटर टर्बो पेट्रोल और 1.5-लीटर डीजल इंजन विकल्प जारी रहेंगे। उम्मीद है कि डीजल इंजन के साथ अब 6-स्पीड ऑटोमैटिक गियरबॉक्स भी मिलेगा।

डीमार्ट ने लेंसकार्ट में 90 करोड़ का निवेश किया

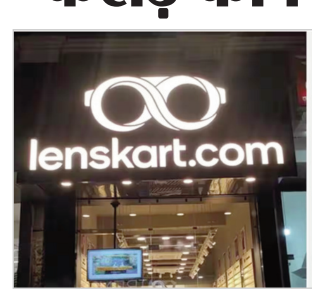

▸▸ **आईवियर ब्रांड लेंसकार्ट का आईपीओ 31 अक्टूबर से 4 नवंबर तक खुला रहेगा**

नई दिल्ली

देश के दिग्गज निवेशक और एवेन्यू सुपरमार्ट्स (डीमार्ट) के संस्थापक राधाकिशन दमानी ने आईवियर कंपनी लेंसकार्ट सॉल्यूशंस में लगभग 90 करोड़ रुपए का निवेश किया है। यह निवेश लेंसकार्ट के आगामी आईपीओ से ठीक पहले किया गया है।

एक रिपोर्ट के अनुसार दमानी की पत्नी श्रीकांता आर. दमानी ने 23 अक्टूबर 2025 को कंपनी की सह-संस्थापक नेहा बंसल से 22,38,806 इक्विटी शेयर 402 प्रति शेयर की दर से खरीदे, जिससे कुल सौदे की कीमत 90 करोड़ रही।

यह हिस्सेदारी कंपनी में लगभग 0.13 प्रतिशत है। लेंसकार्ट का आईपीओ 31 अक्टूबर से खुलकर 4 नवंबर 2025 को बंद होगा।

इस इश्यू में 2,150 करोड़ के नए शेयर जारी किए जाएंगे, जबकि 12.75 करोड़ इक्विटी शेयर प्रमोटर्स और निवेशकों द्वारा ऑफर फॉर सेल के तहत बेचे जाएंगे। इसमें 75 फीसदी हिस्सा क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स, 15 फीसदी नॉन-इंस्टीट्यूशनल निवेशकों और 10 फीसदी रिटेल निवेशकों के लिए आरक्षित रहेगा। इसके अलावा 15 करोड़ के शेयर कर्मचारियों के लिए रिजर्व किए गए हैं।

कंपनी इस फंड का उपयोग नए स्टोर खोलने, टेक्नोलॉजी और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस क्षमताओं को मजबूत करने, ब्रांड मार्केटिंग और संभावित अधिग्रहणों में करेगी।

वित्त वर्ष 2025 में लेंसकार्ट ने 297.3 करोड़ का मुनाफा दर्ज किया, जबकि पिछले वर्ष उसे 10.2 करोड़ का घाटा हुआ था। कंपनी का राजस्व 23 फीसदी बढ़कर 6,652.5 करोड़ तक पहुंचा और ग्रॉस मार्जिन भी 69 फीसदी तक सुधरा।

यूरो एनसीएपी करेगी सुरक्षा मानदंडों को और कड़ा

नई दिल्ली

दुनिया भर में कारों की सुरक्षा का स्तर जानने के लिए अलग-अलग देशों के लिए एनसीएपी सेफ्टी रेटिंग लागू है भारत में बीएनकैप, यूरोप में यूरो एनसीएपी और ग्लोबल लेवल पर जीएनसीएपी। यूरोप में लगभग 90 प्रतिशत ग्राहक कार खरीदने से पहले यूरो एनसीएपी रेटिंग जरूर देखते हैं। हालांकि, यूरो एनकैप ने 2026 के बाद से सुरक्षा मानदंडों को और कड़ा कर दिया है। नए 2026 सेफ्टी असेसमेंट प्रोटोकॉल में रियल वर्ल्ड ड्राइविंग के परिदृश्यों में बेहतर प्रदर्शन करने वाले मजबूत अडास सिस्टम को अनिवार्य किया गया है। सबसे खास बदलाव यह है कि कारों में हॉर्न, टर्न सिग्नल, हैजर्ड लाइट, विंडशील्ड वाइपर और इमरजेंसी एसओएस जैसे कार्यों के लिए फिजिकल बटन या डायल रखना जरूरी होगा। इसका मकसद ड्राइवर का ध्यान सड़क से हटने न पाए। स्टडीज बताती हैं कि सड़क से केवल 2 सेकंड के लिए नजरें हटने से टक्कर हो सकती है। टचस्क्रीन पर नियंत्रण करने में 5 से 40 सेकंड तक ध्यान भटक सकता है। 2020 के बाद यूरोपीय संघ में ध्यान भटकने से होने वाली दुर्घटनाओं में 20 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। इसलिए यूरो एनसीएपी ड्राइवर की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए फिजिकल बटनों को अनिवार्य कर रहा है। यह बदलाव कार निर्माताओं के लिए चुनौतीपूर्ण हो सकता है। अधिकांश नई कारों में क्लीन और मिनिमलिस्ट इंटीरियर्स

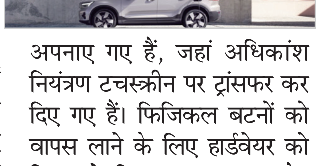

अपनाए गए हैं, जहां अधिकांश नियंत्रण टचस्क्रीन पर ट्रांसफर कर दिए गए हैं। फिजिकल बटनों को वापस लाने के लिए हार्डवेयर को फिर से डिजाइन करना और सप्लाई श्रृंखला में बदलाव करना पड़ेगा, जिससे लागत बढ़ सकती है और नए मॉडलों की लॉन्चिंग में देरी आ सकती है।

हवा को जहर बनाता दिल्ली का आत्मघाती प्रदूषण

ललित गर्ग

प्रदूषण के प्रमुख कारणों में सबसे आगे है पराली जलाना। पंजाब, हरियाणा और उत्तर प्रदेश के किसानों द्वारा खेतों में बची फसल के अवशेष जलाने से हवा में सूक्ष्म कणों की मात्रा खतरनाक रूप से बढ़ जाती है। हवा की दिशा दिल्ली की ओर होती है जिससे यहाँ प्रदूषण का स्तर तेजी से चढ़ता है। इसके साथ ही दिल्ली की सड़कों पर चल रहे लाखों वाहनों का धुआं, निर्माण कार्यों से उड़ती धूल, खुले में कचरा जलाना और जनसंख्या का दबाव इस संकट को और गहरा करते हैं। यह कहना गलत नहीं होगा कि दिल्ली अब 'विकास' के नाम पर अपने ही अस्तित्व को निगलने लगी है। इस वर्ष एक बार फिर दीपावली के पटाखों ने प्रदूषण का चरम स्तर पर पहुंचा दिया है।

दिल्ली में बढ़ता प्रदूषण एक बार फिर दुनिया की नजरों में भारत की राजधानी को शर्मसार कर रहा है। कभी संस्कृति, ऊर्जा और प्रगति की पहचान रही दिल्ली आज धुएं और धूल की चादर में लिपटी दिखाई देती है। हवा में घुला जहर इस हद तक बढ़ चुका है कि सांस लेना भी एक जोखिम बन गया है। हाल ही में दिल्ली का एयर क्वालिटी इंडेक्स (एक्यूआई) 345 के खतरनाक स्तर तक पहुंच गया जो 'बहुत खराब' से 'गंभीर' श्रेणी में आता है। यह स्थिति न केवल दिल्लीवासियों के स्वास्थ्य के लिए खतरा है बल्कि यह भाजपा नेतृत्व वाली केंद्र सरकार और दिल्ली सरकार दोनों के लिए गहन चिंतन का विषय भी है। प्रश्न यह है कि क्यों हर वर्ष अक्टूबर-नवंबर में दिल्ली का आसमान धुंधला हो जाता है और जीवन दम घोंटने लगता है। इसका उत्तर जटिल है क्योंकि इसके लिए सरकार, समाज और व्यक्ति सभी जिम्मेदार हैं। दिल्ली की गिनती दुनिया के सबसे ज्यादा प्रदूषित शहरों में होना हमारे विकास के मॉडल पर एक गंभीर टिप्पणी है। जहरीली हवा में सांस लेना मुश्किल होने पर श्वसनतंत्र के रोगियों को किस संत्रास से गुजरना पड़ा होगा, अंदाजा लगाना कठिन नहीं है। यह स्थिति अन्य अनेक असाध्य रोगों का भी कारण बनती है।

प्रदूषण के प्रमुख कारणों में सबसे आगे है पराली जलाना। पंजाब, हरियाणा और उत्तर प्रदेश के किसानों द्वारा खेतों में बची फसल के अवशेष जलाने से हवा में सूक्ष्म कणों की मात्रा खतरनाक रूप से बढ़ जाती है। हवा की दिशा दिल्ली की ओर होती है जिससे यहाँ प्रदूषण का स्तर तेजी से चढ़ता है। इसके साथ ही दिल्ली की सड़कों पर चल रहे लाखों वाहनों का धुआं, निर्माण कार्यों से उड़ती धूल, खुले में कचरा जलाना और जनसंख्या का दबाव इस संकट को और गहरा करते हैं। यह कहना गलत नहीं होगा कि दिल्ली अब 'विकास' के नाम पर अपने ही अस्तित्व को निगलने लगी है। इस वर्ष एक बार फिर दीपावली के पटाखों ने प्रदूषण का चरम स्तर पर पहुंचा दिया है। भले ही कतिपय सामाजिक व धार्मिक संगठनों के सबल आग्रह के बाद भी सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली में सिर्फ पर्यावरण को कम हानि पहुंचाने वाले ग्रीन पटाखों की अनुमति दी थी, लेकिन प्रदूषण का स्तर बता रहा है कि यह प्रयास विफल रहा है। लोगों ने ग्रीन पटाखों की आड़ में प्रदूषण फैलाने वाले पटाखे जमकर फोड़े हैं। जो लोगों के आत्मघाती व्यवहार का ही परिचायक है। वैसे पर्यावरणविदों का मानना है कि ग्रीन पटाखे प्रदूषण नहीं फैलाते, यह सोच तार्किक नहीं है।

दिल्ली में प्रदूषण की मौजूदा स्थिति को देखते हुए इस तर्क से सहमत हुआ जा सकता है।

फिर भी यह कहना भी उचित नहीं कि सरकारें कुछ नहीं कर रहीं। केंद्र और राज्य सरकारों ने पिछले वर्षों में कई योजनाएँ शुरू की हैं। रेखा गुप्ता के मुख्यमंत्री बनने एवं भाजपा की सरकार बनने के बाद इस समस्या को प्राथमिकता के आधार पर हल करने के उपक्रम हो रहे हैं। ग्रेडेड रिस्पॉन्स एक्शन प्लान (जीआरएपी) लागू किया गया, जिसके अंतर्गत प्रदूषण के स्तर के अनुसार चरणबद्ध नियंत्रण उपाय किए जाते हैं। इलेक्ट्रिक वाहनों को प्रोत्साहित करने के लिए सब्सिडी दी गई, हजारों ई-बसें चलाई गईं, स्मॉग टावर लगाए गए और 'ग्रीन दिल्ली ऐप' के माध्यम से शिकायतों के समाधान की व्यवस्था की गई। पराली जलाने की समस्या से निपटने के लिए किसानों को वैकल्पिक मशीनें उपलब्ध कराई गईं और सब्सिडी दी गई। इन प्रयासों से कुछ हद तक राहत तो मिली, परंतु समस्या की जड़ अब भी जस की तस है क्योंकि यह समस्या केवल प्रशासनिक नहीं बल्कि सामाजिक और मानसिक भी है।

हम कभी पराली जलाने और कभी पटाखे छोड़ने को इस संकट का कारण बताते हैं, लेकिन वास्तव में प्रदूषण के कारक हमारे तंत्र की नाकामी में हैं, जिसकी वजह से दिल्ली के अधिकांश इलाकों में एक्यूआई तीन सौ पचास का आंकड़ा पार कर गया। दीपावली के बाद भी हवा का जहरीला बना रहना बेहद गंभीर विषय है। शायद वजह यह भी हो कि लोगों ने कुछ इलाकों में दो दिन दिवाली मनाई। लेकिन इस सारे प्रकरण में केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की कवायदें भी निष्फल ही नजर आईं। ग्रैप-2 का लागू होना स्थिति की गंभीरता को ही दर्शाता है। यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि दिल्ली में सर्दियों की शुरूआत होने पर वायु गुणवत्ता का संकट गहराने लगता है। जो दिल्ली की दिवाली के बाद प्राणवायु को ही दमघोंटू बनाने लगता है। हर साल शीर्ष अदालत की सक्रियता और सरकारी घोषणाओं के बावजूद स्थिति नहीं सुधरती तो यह हमारी आपराधिक लापरवाही की परिणति भी है।

प्रदूषण बढ़ाने के अनेक कारण कठोर कानून के बावजूद यत्र-तत्र पसरे हैं। लोग अब भी खुले में कचरा जलाते हैं, अपने घरों और दुकानों के बाहर धूल फैलाते हैं, पुराने वाहनों का उपयोग जारी रखते हैं। हरियाली घटती जा रही है, वृक्ष कट रहे हैं और नए पौधे लगाने की परंपरा खत्म होती जा रही है। यह लापरवाही केवल सरकार पर दोष डालने से नहीं मिटेगी, बल्कि इसके लिए नागरिक चेतना की आवश्यकता है। यह सच है कि सरकार कानून बना सकती है, नियम लागू कर सकती है, परंतु जब तक जनता अपनी आदतें नहीं बदलेगी तब तक प्रदूषण पर काबू पाना असंभव है। यदि हम अन्य महानगरों से तुलना करें तो दिल्ली की स्थिति सबसे दयनीय है। मुंबई, बेंगलुरु या कोलकाता की तुलना में यहाँ प्रदूषण का स्तर दोगुना से भी अधिक है। इसका कारण यह है कि दिल्ली न केवल स्थानीय प्रदूषण झेलती है बल्कि पड़ोसी राज्यों के प्रभाव में भी आती है। इसलिए समाधान भी क्षेत्रीय स्तर पर ही संभव है। केंद्र सरकार को राज्यों के बीच समन्वय स्थापित कर स्थायी नीति बनानी होगी ताकि पराली प्रबंधन, निर्माण नियंत्रण, औद्योगिक उत्सर्जन और वाहनों की नीति पर एकरूपता लाई जा सके।

इस समय आवश्यकता है कि प्रदूषण को सिर्फ मौसमी समस्या नहीं बल्कि राष्ट्रीय आपदा के रूप में देखा जाए। जनता में पर्यावरणीय चेतना को विद्यालयों, संस्थाओं और धार्मिक संगठनों के माध्यम से फैलाया जाए। हर कॉलोनी में 'ग्रीन जोन' विकसित हों, शहरी वनों का निर्माण हो, और हर व्यक्ति साल में कम से कम एक पेड़ लगाने का संकल्प ले। सार्वजनिक परिवहन का अधिक से अधिक उपयोग किया जाए और पुराने डीजल वाहनों को सख्ती से हटाया जाए। निस्संदेह, दिल्ली के प्रदूषण में अकेले पटाखों की ही भूमिका नहीं है, बल्कि लगातार बढ़ती आबादी का बोझ, हर साल बनने वाले एक लाख मकानों के निर्माण से फैलने वाला प्रदूषण तथा प्रतिवर्ष सड़कों पर उतरने वाली लाखों गाड़ियों का उत्सर्जन भी शामिल है। एक नागरिक के रूप में हमारा गैरजिम्मेदार व्यवहार इस संकट को बढ़ाने वाला है। दिल्ली का यह प्रदूषण दरअसल हमारे विकास मॉडल की असफलता का आईना है, जहाँ हमने सुविधाओं को तो बढ़ाया पर जीवन की मूलभूत आवश्यकता-स्वच्छ हवा को खो दिया। यह केवल सरकार की विफलता नहीं बल्कि समाज की सामूहिक असंवेदनशीलता का भी परिणाम है। यदि अब भी हमने चेतना नहीं दिखाई तो आने वाली पीढ़ियाँ स्वच्छ हवा को केवल इतिहास की किताबों में पढ़ेंगी। अब समय है कि हम राजनीति, दोषारोपण और उदासीनता से ऊपर उठकर सांस लेने के अधिकार के लिए एकजुट हों। क्योंकि प्रकृति का शोषण नहीं, संरक्षण ही सभ्यता की पहचान है और यदि हमने हवा को जहर बना दिया तो हमारे सारे विकास के प्रतीक बेमानी हो जाएंगे। सबसे महत्वपूर्ण तथ्य यह है कि जब तक लोगों को यह अहसास नहीं होगा कि त्योहार के नाम पर जमकर जहरीले पटाखे छुड़ाना एक आत्मघाती कदम है, तब तक कोर्ट और सरकार के प्रयास विफल ही साबित होंगे। इसके लिए देश के राजनीतिक, सामाजिक और धार्मिक क्षेत्र के प्रतिनिधियों को साझी पहल करनी होगी। यह संकट सिर्फ दिल्ली या एनसीआर का नहीं है, मुंबई, कोलकाता आदि अनेक महानगरों के घातक प्रदूषण की चपेट में आने की खबरें हैं।

(लेखक, पत्रकार, स्तंभकार)

संपादकीय

देश आपातकाल से पांच दशक आगे

नई वैश्विक परिस्थितियों के बीच भारत के समकाल और देशकाल को देखना खासा दिलचस्प है। समाज, राजनीति और लोकतंत्र की बात करें तो देश आपातकाल से पांच दशक आगे निकल चुका है। यह भी कि इस वर्ष जब आखिरी विधानसभा चुनाव के रूप में बिहार में नई सरकार चुनी जानी है तो जयप्रकाश आंदोलन के भी पचास वर्ष पूरे हो रहे हैं। ऐतिहासिक रूप से बिहार इस आंदोलन का एक तरह से एपिक सेंटर था। इन पांच दशकों में जरूर गंगा में बहुत पानी पानी बह चुका है, पर समय के इस बहाव के बीच कुछ चीजें स्थिर भी हुई हैं और वे नई मिसालें और मानदंडों के साथ हमारे समय में लोकनीति और विकास को व्याख्यायित कर रही हैं। इस बात की बड़ी अहमियत है कि जिस बिहार में आकर महात्मा गांधी ने सत्याग्रह का अमोघ अस्त्र देश-दुनिया को दिया, आज उस सूबे की धरती पर महिलाओं ने एक बड़ी मूक क्रांति को सच कर दिखाया है। यह क्रांति महिला सशक्तीकरण की इकहरी समझ से आगे कई मायनों में सर्व-समावेशी है और इससे इस प्रदेश की महिलाओं के साथ ग्रामीण इलाकों में विकास और बदलाव का एक सर्वथा नया दौर सामने आया है। इस लिहाज से इन दिनों मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना की खासी चर्चा है। आकार के लिहाज से यह देश की ऐसी सबसे बड़ी योजना है, जिसने न सिर्फ सामाजिक बदलाव की जमीन को मजबूत किया है, बल्कि इसे महिलाओं के आर्थिक स्वावलंबन का सर्वथा नया दौर शुरू हुआ है। गौरतलब है कि बीते 26 सितंबर को जब यह योजना शुरू हुई तो 75 लाख से ज्यादा महिलाओं के बैंक खाते में दस-दस हजार पए ट्रांसफर किए गए। इसके कुछ ही दिन बाद 25 लाख और महिलाओं को इसमें जोड़ा गया और उनके भी खाते में पैसे पहुंचे। इस तरह 75 लाख का आंकड़ा देखते-देखते एक करोड़ पर पहुंच गया। राज्य क्या देश के स्तर पर पर भी यह संख्या ऐतिहासिक तौर असाधारण है। महिलाओं को यह राशि स्वरोजगार और आत्मनिर्भरता के लिए दी जा रही हैं। वस्तुतः चुनाव से पूर्व होने वाली तमाम तरह की अव्यावहारिक और हवाई घोषणाओं से अलग बिहार सरकार ने कैबिनेट स्तर पर बीते कुछ महीनें में कई अहम फैसले लिए हैं। इस क्रम में जो बड़ा फैसला राज्य सरकार ने किया है, वह है मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना। राज्य सरकार ने इस योजना को प्रदेश की महिलाओं की स्थिति और जरूरत को समझते हुए न सिर्फ फ्रेम किया, बल्कि इसके शीघ्र क्रियान्वयन को लेकर भी वह लगातार गंभीर रही।

चिंतन-मनन

स्वस्थ समाज के लिए करें आत्म जागरण

पिछले कुछ समय से अध्यात्म के क्षेत्र में बाजारवाद का प्रभाव बढ़ा है। इसी वजह से अध्यात्म के क्षेत्र में भी अवमूल्यन हुआ है। अतः स्वस्थ समाज के लिए आत्म जागरण जरूरी है। जूना पीठाधीश्वर स्वामी अवधेशानंद के अनुसार अध्यात्म के क्षेत्र में बाजारवाद ने प्रभाव डाला है और यह चिंता का विषय है। उन्होंने कहा कि यह आर्थिक युग है। इसमें पदार्थ की अधिक इच्छा के कारण व्यक्ति अशांत रहता है। अति योगवाद स्वच्छंद और अनियंत्रित भोगवाद के कारण स्वस्थ समाज का निर्माण नहीं हो पा रहा है। इसके लिए हर मनुष्य को अनुशासित व संस्कारित होना होगा, तभी वह समाज व सृष्टि के लिए उपयोगी होगा और व्यक्ति को संस्कारित करना ही अध्यात्म का काम है। आज मनुष्य उपभोक्ता बनकर रह गया है। जागो ग्राहक के नारे पर सिर्फ बाहर से जगाया जा रहा है, जबकि आज आवश्यकता है आत्म जागरण की। आध्यात्मिक अनुष्ठान से ही व्यक्ति के अंतर को जगाया जा सकता है। मनुष्य ने जल, वायु और पृथ्वी की निरंतर उपेक्षा से बहुत कुछ बिगाड़ दिया है। आज पीने लायक जल सिर्फ डेढ़ प्रतिशत बचा है। अगर अब भी मनुष्य नहीं जागा तो जल संकट और बढ़ेगा।

उन्होंने कहा कि दुनिया भर में प्राचीन धरोहरों को संरक्षित करने का काम हो रहा है, ऐसे में अत्यंत प्राचीन काल में बने रामसेतु को भी संरक्षित करना चाहिए। यह धर्म विशेष नहीं बल्कि मानव मात्र की योग्यता और क्षमता का ऐतिहासिक प्रमाण भी है। उत्तरकाण्ड एक ऐसी कथा का वर्णन है जिसमें सभी का निचोड़ है। जो व्यक्ति अपनी ज्यादा प्रशंसा सुनना पंसद करता है, वह कभी ऊंचाई नहीं छू पाता। यही अवगुण दशानन रावण में भी था। वह अपनी गलती को स्वीकार न करते हुए प्रशांसा सुनने में ज्यादा मन लगाता था। रावण को कई बार उसकी पत्नी मन्दोदरी और भाई विभीषण ने समझाया लेकिन उसे बात समझ नहीं आई। इसीलिए प्रभु श्रीराम के हाथों रावण का का नाश हुआ।

छठ : आस्था,सेवा और समर्पण का महापर्व

विनोद कुमार सिंह

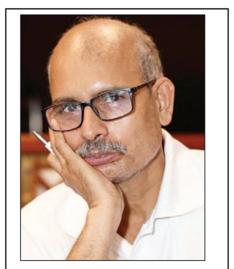

भारत की संस्कृति और सभ्यता की पहचान उसके पर्व-त्योहारों से होती है।यहां हर पर्व किसी न किसी सामाजिक,आध्यात्मिक,सांस्कृतिक या प्राकृतिक भावना से जुड़ा होता है।छठ महापर्व,जो न केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक है,बल्कि सेवा, समर्पण,पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक समरसता का संदेश देने वाला लोकपर्व भी है।यह पर्व उस जनमानस की जीवंत परंपरा है जिसने सूर्य देव और प्रकृति को अपना आराध्य माना और मानव जीवन को उनके अनुग्रह से जोड़ दिया।

छठ पर्व की पृष्ठभूमि-छठ पर्व की परंपरा वैदिक काल से जुड़ी मानी जाती है। ऋग्वेद में सूयोर्पासना के मंत्रों का उल्लेख मिलता है,जहाँ सूर्य को ऊर्जा,आरोग्य और जीवन का स्त्रोत बताया गया है। रामायण और महाभारत में भी सूर्य पूजन की परंपरा का उल्लेख हैं कि अयोध्या लौटने के बाद जब भगवान श्रीराम और माता सीता ने राज्याभिषेक के उपरांत सूर्य देव की आराधना की, तभी से यह परंपरा लोकजीवन में स्थापित हुई। वहीं दूसरी ओर महाभारत में कुंती द्वारा सूर्य देव की पूजा कर कर्ण की प्राप्ति का प्रसंग भी छठ व्रत की आध्यात्मिक जड़ें बताता है।छठ पूजा की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यह पवित्रता, संयम और निष्ठा का पर्व है।इस पर्व में दिखावे या वैभव का स्थान नहीं, बल्कि आत्मिक शुद्धता औरनिस्वार्थ भावना का वर्चस्व होता है।छठव्रती (मुख्यतः महिलाएं,परंतु पुरुष भी करते हैं)चार दिनों तक कठिन तपस्या के समान नियमों का पालन करती हैं।

1.नहाय-खाय-पहले दिन घर की शुद्धि होती है,व्रती स्नान कर शुद्ध भोजन ग्रहण करती हैं।
2.खरना-दूसरे दिन निर्जला व्रत के बाद सूर्यास्त पर गुड़-चावल की खीर का प्रसाद ग्रहण किया जाता है।
3. संध्या अर्घ्य- तीसरे दिन अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य अर्पित किया जाता है।
4.उषा अर्घ्य-चौथे दिन उदितमान सूर्य को अर्घ्य देकर व्रत की पूणार्हुति होती है।

सेवा और समर्पण की अनूठी व अनोखी मिसाल -छठ पर्व में सेवा का भाव सर्वोच्च होता है।व्रती महिला के चारों ओर पूरा परिवार एक सेवक की तरह जुड़ जाता है। बच्चे, बुजुर्ग,पुरुष,सब किसी न किसी रूप में इस अनुष्ठान के सहयोगी बनते हैं।कोई प्रसाद बनाता है, कोई घाट सजाता है,तो कोई सूप और दौरा तैयार करता है।यह सामूहिकता और सेवा भाव भारतीय परिवार प्रणाली की सबसे सुंदर झलक पेश करता है।

छठ घाट पर सूर्य को अर्घ्य देते समय जब महिलाएं जल में कमर तक डूबी खड़ी होकर ह्यउठे सुगवा धनुष सेह्न या ह्यकांच ही बांस के बहंगियाह्न जैसे लोकगीत गाती हैं,तब लगता है जैसे सम्पूर्ण प्रकृति उनके साथ इस आराधना में सम्मिलित हो गई हो। यह दृश्य केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि मानवीय संवेदनाओं की चरम अभिव्यक्ति है।

प्रकृति और पर्यावरण से जुड़े रहस्य -छठ पर्व का हर पहलू प्रकृति से गहराई से जुड़ा है।पूजा में प्रयोग होने वाली प्रत्येक सामग्री-गन्ना, केला, नारियल, अदरक, सुथनी, मूली,दीपक,घी,मिट्टी,सूप, डलिया – सब प्रकृति की देन हैं। यही कारण है कि यह पर्व हमें प्रकृति के संरक्षण और संतुलन का संदेश देता है।

छठ पर्व हमें सिखाता है कि मनुष्य और प्रकृति के बीच संतुलन ही जीवन का आधार है।सूर्य को अर्घ्य देना,जल में खड़े होकर प्रार्थना करना -यह सब प्रकृति के प्रति कृतज्ञता प्रकट करने का प्रतीक है।

सामाजिक एकता और समानता का पर्व-छठ पर्व की सबसे बड़ी विशेषता यह भी है कि यह जाति, धर्म, वर्ग, लिंग या क्षेत्र की सीमाओं से परे है। इस पर्व में सबका स्थान समान है। अमीर-गरीब,ग्रामीण-शहरी,सब एक ही घाट पर खड़े होकर सूर्य को अर्घ्य देते हैं।यहाँ न कोई ऊँच-नीच,न कोई भेदभाव - यही तो भारत की असली पहचान है।छठ पर्व ने बिहार और पूर्वांचल की सांस्कृतिक पहचान को नई ऊँचाई दी है।अब यह केवल बिहार या पूर्वी भारत का पर्व नहीं रहा; यह देश-विदेश में रहने वाले भारतीयों की भावनाओं का प्रतीक बन चुका है।

लोकगीतों में बसती है छठ की आत्मा-छठ पर्व लोकगीतों के बिना अधूरा है।हर अनुष्ठान, हर विधि, हर भावना लोकगीतों के माध्यम से व्यक्त होती है।गीतों में भक्ति, मातृत्व,सेवा,और सामाजिक संवेदना का संगम होता है।महान लोक गायिका शारदा सिन्हा की मधुर आवाज में जब ह्लकेलवा के पात पर, उगेलन सूर्य देवह्न गूंजती है,तो घर-घर में छठ का वातावरण जीवंत हो उठता है।यही गीत छठ पर्व की आत्मा बन जाते हैं नजो न केवल सुनने वाले को भावविभोर करते हैं,बल्कि उसे अपनी जड़ों से जोड़ देते हैं।आज जब लाखों बिहारी और पूर्वांचली लोग देश-विदेश में बसे हैं, तो छठ उनके लिए केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं बल्कि भावनात्मक जुड़ाव का प्रतीक बन गया है। चाहे वह दिल्ली,मुंबई, कोलकाता,दुबई या न्यूयॉर्क क्यों न हों - प्रवासी बिहारी अपने छोटे से तालाब या कृत्रिम घाट बनाकर छठ मनाते हैं। उनके लिए यह केवल पूजा नहीं, बल्कि घर की याद और मातृभूमि के प्रति समर्पण का प्रतीक है।छठ महापर्व केवल एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि आस्था, सेवा, समर्पण और पर्यावरण चेतना का विराट संगम है।यह हमें सिखाता है कि जीवन में तप, संयम और श्रम का कितना महत्व है।यह पर्व नारी शक्ति के धैर्य,श्रद्धा और त्याग की सर्वोच्च मिसाल प्रस्तुत करता है।सूयोर्पासना के माध्यम से यह पर्व हमें याद दिलाता है कि जीवन का हर अस्त नया उदय लेकर आता है - हर अंधकार के बाद प्रकाश का जन्म होता है।छठ केवल पूजा नहीं, यह प्रकृति,परंपरा और परमात्मा के बीच आत्मिक संवाद है -जो हमें बार-बार अपने मूल की ओर लौटने का संदेश देता है।

नोट -लेखक स्वतंत्र पत्रकार व स्तम्भकार है।

कार्बाइड गन से भारत में हजारों लोग अंधे?

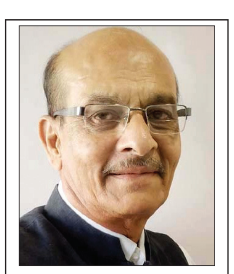

सनत जैन

भारत में तकनीक और नवाचार के नाम पर कई बार ऐसी जीजें प्रचलन में आ जाती हैं जो दिखने में साधारण और बड़े काम की लगती हैं, लेकिन आगे चलकर वो समाज के लिए गंभीर खतरा बन जाती हैं। 'कार्बाइड गन' इसका ताजा उदाहरण है। मूल रूप से यह गन पक्षियों और जानवरों को भगाने के लिए उपयोग में लाई जातीं थीं। दीपावली के अवसर पर हाल के दिनों में यह गन मासूम बच्चों और आम नागरिकों की जान और आंखों की रोशनी छीनने का कारण बन रही हैं। दीपावली के अवसर पर देशभर में इस कार्बाइड गन को जिस तरह से पटाखे के रूप में उपयोग किया गया है। बच्चों और आम नागरिकों के हाथ में यह गन थी। भीड़भाड़ वाले इलाकों में इसका उपयोग किया गया। उसके कारण दिल्ली, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, उत्तर प्रदेश, बिहार, सहित कई राज्यों में हजारों लोगों की आंखों को भारी नुकसान उठाना पड़ा है। इससे सेकड़ों लोग स्थाई रूप से अंधे हो गए हैं। हजारों लोग अस्पताल में आंखों का इलाज करा रहे हैं। इस कार्बाइड गन को लोगों ने जुगाड़ से भी तैयार किया। जब इसे उपयोग में लाया गया, तो सबसे ज्यादा नुकसान हुआ। मध्य प्रदेश में हाल ही में हुई कई घटनाओं के बाद सरकार ने इसे घातक घोषित करते हुए, प्रदेश में कार्बाइड गन पर प्रतिबंध लगा दिया है। मुख्यमंत्री के निर्देश पर इस गन को 'घातक विस्फोटक उपकरण' की श्रेणी में रखा गया है। सरकार ने यदि कोई भी व्यक्ति इस गन को बनाता, खरीदता या बेचता है तो उसके खिलाफ आर्म्स एक्ट 1959, विस्फोटक अधिनियम 1884 और विस्फोटक पदार्थ अधिनियम 1908 के तहत कठोर कार्रवाई करने का निर्णय लिया है। मध्य प्रदेश सरकार द्वारा नियम में जो परिवर्तन किया गया है, उसके बाद कार्बाइड गन बेचने वालों को आसानी से जमानत नहीं मिलेगी। यह सख्त कदम समय की मांग थी। मध्य प्रदेश सरकार ने तत्काल कार्यवाही करते हुए इस पर रोक लगाने का काम किया। कार्बाईड गन से भोपाल, होशंगाबाद, बैतूल और जबलपुर जैसे जिलों में गनों से किए गए विस्फोट के कारण बच्चों की आंखें जलने और किए गए विस्फोट के कारण स्थायी अंधेपन के कई मामले सामने आए हैं। इसके साथ ही छत्तीसगढ़ में 10 लोगों की आंखें पूरी तरह से खराब हुई है। इनमें से चार लोगों की सर्जरी की गई है। उत्तर प्रदेश के उन्नाव में 150 लोग और पटना के 50 से अधिक लोग इस गन के विस्फोट से घायल हुए हैं। कार्बाइड गन प्लास्टिक के साधारण से पाइप में तैयार हो जाती है। गैस लाइटर, कैल्शियम और कार्बाइड से तैयार कर इसे आसानी से उपयोग में लाया जा सकता है। कार्बाइड का उपयोग फलों को पकाने और औद्योगिक कार्यों के लिए उपयोग में होता है। जो सभी शहरों में आसानी से उपलब्ध है। यह गन 150 रुपए से लेकर 2000 रुपये तक में आसानी से देश भर में उपलब्ध थी। इस बार पटाखों की दुकानो और ऑनलाइन इस गन को बेचा गया है। सोशल मीडिया की इसमें बड़ी भूमिका थी। दीपावली के अवसर पर इसका बड़े पैमाने पर विस्फोटक के रूप में इस्तेमाल किया गया है। प्लास्टिक के छोटे-छोटे टुकड़े और कार्बाइड धुयें के कारण हजारों लोगों की आंखों को नुकसान पहुंचा है। सैकड़ों लोगों की आखों की रोशनी चली गई हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स और ई-कॉमर्स वेबसाइट्स पर यह खतरनाक गन 1300 से 2500 रुपये में खुलेआम आज भी बिक रही है। ग्रामीण क्षेत्रों में इस गन का उपयोग 'खरगोश भगाने वाली गन' या 'काबूम पाइप' जैसे नाम से होता है। सच्चाई यह है, इसमें उपयोग होने वाला कार्बाइड और पानी का मिश्रण गैस विस्फोट पैदा करता है। जो तेज आवाज के साथ खतरनाक आग और दबाव उत्पन्न करता है। जिसका असर काफी दूर तक होता है। इसी विस्फोट से बच्चों और किसानों के गंभीर रूप से झुलसने के कई मामले सामने आए हैं। मध्य प्रदेश सरकार का यह प्रतिबंध सराहनीय है। केवल आदेश जारी करना पर्याप्त नहीं होगा। आवश्यक है, जमीनी स्तर पर निगरानी रखी जाए। संपूर्ण देश में ऑनलाइन बिक्री पर तत्काल रोक लगाई जाए। कार्बाइड गन बनाने और इसके उपयोग करने के लिए नियम तैयार किए जाएं। इसमें केंद्रीय गृह मंत्रालय की बड़ी भूमिका होगी। पुलिस ओर साइबर टीम को सभी राज्यों में निगरानी के लिए सक्रिय करना होगा। ग्रामीण और शहरी स्कूलों में जन जागरूकता अभियान चलाकर लोगों को इससे होने वाले नुकसान के बारे में बताया जाए। यह गन कोई खिलौना या फटाका नहीं है। कार्बाइड गन एक विस्फोटक यंत्र है। भारत को इस तरह के खतरनाक आविष्कारों के खिलाफ सख्त निगरानी रखनी होगी। तकनीक तभी उपयोगी है, जब वह सभी के लिए सुरक्षित हो। वरना जिस तरह से कार्बाइड गन का उपयोग हुआ है, वह मानवता के लिए अभिशाप है। कार्बाइड गन पर प्रतिबंध सिर्फ एक प्रशासनिक कदम नहीं, बल्कि नागरिक सुरक्षा की दिशा में सरकार का बेहतर निर्णय माना जाएगा। सभी राज्य सरकारों और केंद्र सरकार को इस मामले में गंभीरता से कार्यवाही करने की जरूरत है।

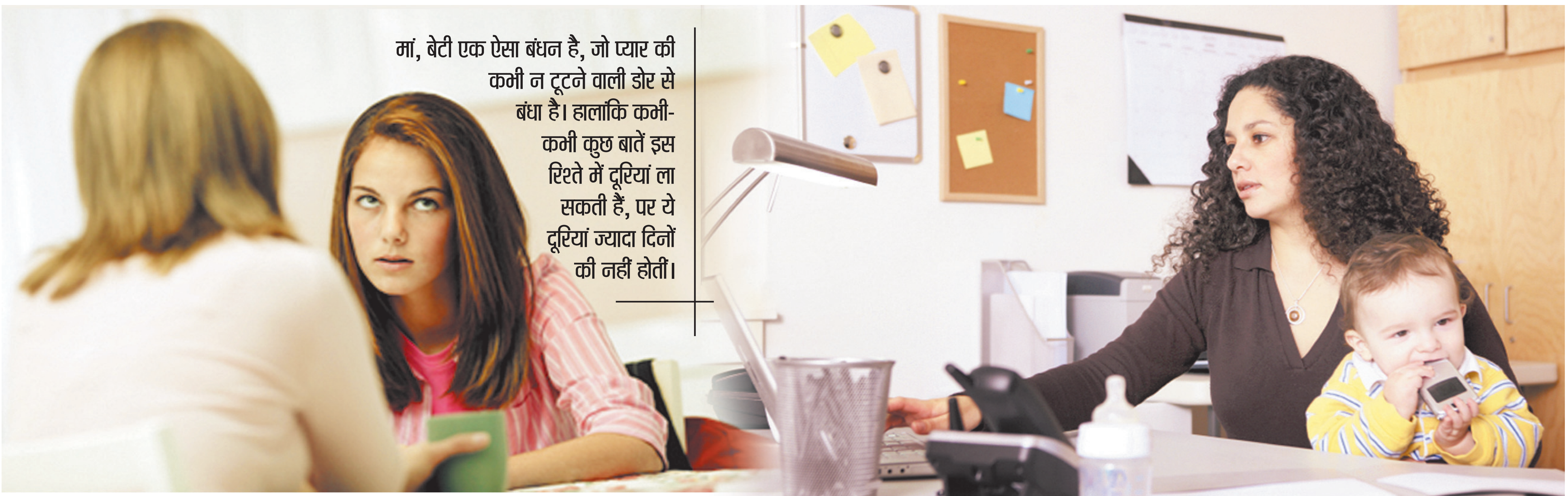

मां, बेटी एक ऐसा बंधन है, जो प्यार की कभी न टूटने वाली डोर से बंधा है। हालांकि कभी-कभी कुछ बातें इस रिश्ते में दूरियां ला सकती हैं, पर ये दूरियां ज्यादा दिनों की नहीं होतीं।

मां-बेटी का रिश्ता है सबसे खास

मां, बेटी की हर जरूरत को समझती है। उसकी परेशानियां, खुशियां, इच्छाओं को भला मां से बेहतर कौन जानेगा? पर ऐसा नहीं है कि बेटी इस मामले में कहीं पीछे हैं। वे भी मां की परछाई ही होती हैं। मां का सबसे ज्यादा ख्याल बेटी ही रखती है। दरअसल ये एक ऐसा बंधन है, जो प्यार की कभी न टूटने वाली डोर से बंधा है। हालांकि कभी-कभी कुछ बातें इस रिश्ते में दूरियां ला सकती हैं, पर ये दूरियां ज्यादा दिनों की नहीं होतीं। बस जरूरत है दोनों को कुछ बातों का ध्यान रखने की-

माएं ये ध्यान रखें

- आप पढ़ाई में अव्वल रही होंगी, पर बेटी को अपना उदाहरण देकर उसके मन में असंतोष को जन्म न दें। उसकी कक्षा की कुछ लड़कियां भी उससे पढ़ाई में आगे हो सकती हैं, उनसे तुलना न करें। हर बच्चा अपने में असाधारण हैं। तुलना उसके मन में नाराजगी और कुंठा को जन्म दे सकती है।
- सिर्फ पढ़ाई पर जोर नहीं होना चाहिये। उसके व्यक्तित्व के बहुआयामों को समझने के लिये उसे हर विधा आजमाने का मौका जरूर दें। नृत्य, संगीत, कला, खेल। आप तो उसके अंदर छुपे कलाकार से चमत्कृत हो ही जाएंगी, आप उसे भी अनगिनत खुशियां दे पाएंगी।
- उसकी भी समस्याएं हैं, पर समस्याओं को समस्या कहकर न पूछें। 'आज क्या-क्या हुआ' पूछ कर आप पूरे दिन की जानकारी रुचिपूर्वक सुनें। इतना थोड़ा सा समय देकर आप शायद उसकी सबसे अच्छी मित्र बन जाती हैं। साथ ही मित्रों से, टीचर्स के साथ आप उसके रिश्तों को भी पहचान पाती हैं, जो आज बहुत जरूरी है। यदि बच्चों की पूरी दिनचर्या को मां एकाग्रचित्त हो कर सुनें तो कई बार उनके बाल जीवन की परेशानियों और संभावित दुर्घटनाओं को रोक सकती हैं।
- बेटी से नाराज होकर कभी भी सार्वजनिक स्थल पर या घर के अंदर भी अतिथियों के सामने उस पर अपना रोष व्यक्त न करें। आप उसे अपनी नाराजगी का अहसास फिर कभी करवा सकती हैं, जैसे बातचीत सीमित करके या स्पष्ट रूप से, पर शांतिपूर्वक अपनी बात कहकर।
- आपका दिमाग कभी-कभी बड़ा अशांत हो उठता है, घर या बाहर की परिस्थितियों से। अपनी परिस्थितियों में घुटिये नहीं, बल्कि बिटिया को साझी बनाइये। परिस्थितियां बदल तो नहीं जाएंगी, पर उसका साथ आपमें एक नई हिम्मत और ऊर्जा देगा। बेटी के लिये मां से ऊंचा कोई दूसरा आदर्श नहीं होता, इसलिए मां को कभी भी स्थितियों से हार नहीं माननी चाहिये, क्योंकि वही संदेश आपकी बेटी ग्रहण करेगी। आपका दृष्टिकोण ही उसका जिन्दगी के प्रति नजरिया तय करेगा।

बेटी का फर्ज है ये..

- मां, घर में रहें या बाहर, वह दिन भर काम ही करती हैं। ऐसे में यदि बिटिया अपने हाथों से मां को चाय की प्याली या जूस का गिलास पकड़ाए, तो मां का मन खुश हो उठता है।
- आपको स्कूल में या कॉलेज में एक वातावरण मिलता है, उसका अपना असर होता है, जबकि घर में मां कुछ दूसरी बात कहती नजर आती है, ऐसे में सामंजस्य मुश्किल हो जाता है। पर ध्यान रहे कि मां के ऊपर आप अपना गुस्सा न निकालें। मां को समझाइये कि क्यों आप मां का चाहा या सोचा नहीं कर पा रहीं। ज्यादा उम्मीद है कि मां आपकी बात समझ जाये और अपनी इच्छा न मनवाये।
- कभी-कभी मां को ऑरगेनाइज होने में मदद करिए। यदि मां की छोटी-छोटी चीजें उनके डॉक्युमेन्ट्स आप संभाल कर फोल्डर में रख दें और मां को उनकी याद दिला दें, तो मां को बहुत तसल्ली और सुकून मिलेगा।
- अपनी समस्यायें, उलझनें मां से कभी न छुपायें। मां भी तो उम्र के इस दौर से गुजर चुकी हैं, जिससे आप गुजर रही हैं। जिंदगी से तब वो कैसे रूबरू हुई थीं, आप उनके अनुभवों से सीख सकती हैं। मां को यदि आपने सब बातों से वाकिफ रखा, तो कोई समस्या या व्यक्ति आपको परेशानी में नहीं डाल सकता।
- मां को उनके बीते दिनों की याद ताजा करवायें। उनके पुराने मित्रों के फोन नम्बर खोज कर मां को दें। गुजरे हुये दिन शायद मां के सबसे अच्छे दिन रहे हों। मां को भी अहसास होगा कि उसकी बिटिया उससे अलग नहीं, बल्कि उसकी प्रतिमूर्ति है, मन ही मन वह आपकी कृतज्ञ रहेगी और आपका यह कदम आप दोनों को और भी जोड़ेगा।

जब घर से ही शुरू हो प्रोफेशनल लाइफ

नौकरी छोड़कर घर से ही काम शुरू करने का निर्णय लेना आसान काम नहीं है। आपमें से कई ऐसा करना चाहती होंगी और कई कर भी चुकी होंगी। पर इस कठिन निर्णय को अपनाने से पहले आपको कई बातों का ध्यान रखना होगा।

मैं हमेशा से चाहती थी, मेरी एक ऑनलाइन शॉपिंग वेबसाइट हो। सारा काम लैपटॉप और फोन के सहारे बढ़े, न ही कोई खास जगह की जरूरत और न ही किसी के लिए नौकरी करने की। मेरा करियर तो बस मेरे हाथ में होगा।'

30 साल की श्वेता ने दो महीने पहले अपनी वेबसाइट लॉन्च के मौके पर दोस्तों से वही सब कहा जो वह सालों से चाहती थी। पर अपना यह सपना पूरा करने के लिए उसने अपने पहले सपने को पीछे छोड़ दिया। सपना नौकरी करने का, जी हां, घर से अपना काम शुरू करने के लिए उन्होंने नौकरी छोड़ दी। पर श्वेता मानती हैं नौकरी छोड़ घर से कोई भी काम करने से पहले बहुत सी चीजों के लिए खुद को तैयार कर लेना चाहिए। क्योंकि नौकरी छोड़ते ही जिंदगी में अचानक से बहुत कुछ बदल जाता है। सबसे पहली चीज तो लाइफस्टाइल ही होती है। और क्या-क्या रखें याद, आइए जानते हैं-

खुद से पूछें कुछ सवाल

नौकरी छोड़ कर घर से काम शुरू करने का निर्णय छोटा नहीं है। याद रखना होगा आप अपने निर्णय में सफल नहीं हुईं तो दोबारा सफलता की सीढ़ियां आपके रास्ते में यों ही नहीं आ जाएंगी। तो रास्ता बदलने से पहले खुद से कुछ सवाल जरूर पूछें, जैसे

क्या ऑफिस के माहौल को छोड़ अकेले घर पर बैठकर खुद के लिए काम करने के लिए आप तैयार हैं?

क्या जो काम आप घर से शुरू करने जा रही हैं, उसे करने के निर्णय पर आप लंबे समय तक टिकी रह पाएंगी?

काम से जुड़ी सारी जानकारी आपके पास है या पहले ट्रेनिंग लेना सही रहेगा?

आपके मनपसंद काम को आपके आसपास वालों द्वारा सराहे जाने की संभावना कितनी है?

घर से काम करने पर भी परिवार आपके प्रोफेशन को नौकरी जितनी ही महत्ता देगा या नहीं?

करना क्या है?

क्या करना है और कैसे करना है? इस सवाल का जवाब आपके पास होना चाहिए। इस पूरी प्रक्रिया की एक साफ तसवीर आपके दिमाग में होगी, तो आपका मन इस पर आसानी से फोकस भी कर पाएगा।

दिक्कतों से होगा सामना

घर से काम करने में भी आपको चुनौतियों का सामना करना होगा, इसलिए इनसे निपटने का फुलप्रूफ प्लान आपके पास होना चाहिए। यह बहुत साफ सी बात है कि दिक्कतें तो हर काम में आती ही हैं, पर इनसे बखूबी निपटने वाले ही सफल होते हैं। अगर आपने अपने काम पर पूरी रिसर्च की होगी ,तो आपको दिक्कतों का अंदाजा तो होगा ही। मतलब किस स्थिति में कैसी दिक्कत आ सकती है, यह आप जानती होंगी। अगर नहीं, तो इसकी जानकारी जरूर लें और इनसे निपटने के विकल्पों पर भी पहले से गौर कर लें।

आर्थिक रूप से सक्षम हैं ना?

आप सालों से कमा रही हैं। हर महीने कमाई का बड़ा हिस्सा भविष्य के लिए जमा कर रही थीं। पर क्या यह इतना है कि आगे का एक बड़ा समय ठीक से, आसानी से बिना किसी आर्थिक किल्लत के कट जाए? सवाल के जवाब में अगर आप हां कहती हैं, तो ठीक है। पर जवाब न है, तो नौकरी छोड़ कर घर से काम करने के फैसले पर जरा दोबारा विचार कर लीजिए। यह जरूरी नहीं है कि नए काम में कमाई तुरंत ही होने लगे।

शुरू में ही न करें बड़ा निवेश

भले ही आपने एक अच्छी राशि भविष्य के लिए रख ली है, पर याद रखें कि शुरुआत में ही एक बड़ी राशि अपने नए काम में निवेश न करें। यह एक बड़ा रिस्क हो सकता है। अगर परिणाम नकारात्मक हुआ तो आपको निराशा तो होगी ही, पैसा डूबेगा वो अलग।

जान-पहचान तो हैं ना?

आपने जिस भी काम को घर से करने के बारे में सोचा है उससे जुड़े लोगों से आपकी जान-पहचान तो है ना? मतलब काम शुरू करने के पहले आपको पूरी तरह से तैयारी करनी होगी। नौकरी छोड़ने के बाद अगर जीरो लेवल से काम शुरू करेंगी तो आपको ज्यादा चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा।

धैर्य से दोस्ती कर लीजिए

खुद को इतना बड़ा ब्रेक देने से पहले आपको धैर्यवान बन जाना होगा। हालांकि अच्छे की आशा करनी चाहिए, पर बुरे समय या अच्छे समय के इंतजार के लिए तैयार रहना ही समझदारी है। कुछ ही दिनों में आपके धैर्य की परीक्षा भी होगी, पर सफल होना है, तो इस धैर्य का दामन आपको थामकर रखना होगा।

अगर असफल रहीं तो

अगर एक नया काम शुरू कर रही हैं तो सफलता और असफलता दोनों की ही संभावना बराबर की है। इसलिए अगर असफल रहीं तो क्या करेंगी, यह जरूर सोच लें। प्लान बी आपके पास पहले से तैयार रहेगा तो आप आनेवाली चुनौतियों का सामना बेहतर तरीके से कर पाएंगी।

तुम अपने दोस्त जितने अच्छे क्यों नहीं!

दूसरे बच्चों के साथ तुलना करने के चक्कर में अक्सर माता-पिता अपने बच्चे को निकम्मा, नकारा व नासमझ घोषित करने में लगे रहते हैं, इस बात की परवाह किए बिना कि उनके ये ताने बच्चे के आत्मविश्वास पर क्या असर डालते हैं।

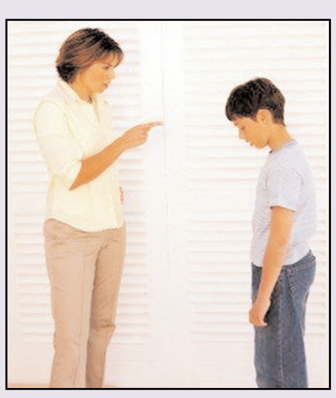

रीटा अपने आठ साल के बेटे मोंटू को छोटी-छोटी बातों पर डांटती रहती है। उसके नंबर कम आते हैं तो वह कहती है, 'तुम जिंदगी में कुछ नहीं कर पाओगे। दूसरे बच्चों को देखो कितने अच्छे अंक लाते हैं। मोंटू के हाथ से कभी कोई गिलास या कप गिर जाता है तो रीटा उसे डांटते हुए कहती है, 'तुम एक काम ठीक से नहीं कर सकते।' इस प्रक्रिया में रीटा कभी यह सोचने की कोशिश नहीं करती कि मोंटू की मानसिकता पर इन सबका क्या असर पड़ता है। वह बस यही चाहती है कि उसका बच्चा उसकी अपेक्षाओं पर खरा उतरे और हर चीज में परफेक्ट हो। रीटा की अपेक्षाएं भी कम नहीं हैं। वह चाहती है कि उनका बेटा स्कूल में टॉपर हो और खेलों में चैम्पियन। पर क्या इस तरह के दबावों और नकारात्मक माहौल में बच्चा सचमुच बेहतर काम कर सकता है? जवाब होगा नहीं।

कहीं आपकी अपेक्षाएं तो ज्यादा नहीं!

क्लीनिकल साइकोलॉजिस्ट डॉ अरुणा कहती हैं, 'बच्चों के साथ इस तरह का नकारात्मक व्यवहार करने से उनकी मनःस्थिति पर बुरा असर पड़ता है। वे अपने माता पिता से नफरत करना शुरू कर देते हैं। बच्चे सोचते हैं कि हम कुछ भी कर लें लेकिन माता पिता को हमें दोष देना ही है, फिर कुछ करने का फायदा क्या है। साथ-साथ बच्चों में यह धारणा भी पुख्ता होने लगती है कि वे सचमुच जीवन में कुछ नहीं कर पायेंगे। उनका आत्मविश्वास कम हो जाता है। बच्चे खुद को हीन समझने लगते हैं। इन सबका प्रभाव बच्चे में अवसाद, गुस्सा और नर्वसनेस के रूप में दिखने लगता है, जो उनके पूरे व्यक्तित्व को प्रभावित करता है।'

विशेषज्ञों के अनुसार माता-पिता बस यही चाहते हैं कि बच्चे उनकी अपेक्षाओं और सपनों को पूरा करें। अभिभावक ये भी नहीं सोचते कि उन्हें बच्चे की योग्यता के अनुसार ही उससे कुछ अपेक्षा रखनी चाहिए। बच्चे से अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद रखने की बजाय उसे लगातार प्रेरित और उत्साहित करते रहना चाहिए। उसकी कोशिशों को अहमियत देनी चाहिए और उसे समझाना चाहिए कि हमें कुछ भी पाने की लगातार कोशिश करते रहना चाहिए। शुरुआती स्तर पर बच्चे के आत्मविश्वास को विकसित होने का भरपूर मौका व परिवेश देना चाहिए।

हर समय जबर्दस्ती अच्छी नहीं

माता-पिता चाहते हैं कि उनका बच्चा काबिल बने, पर इसके लिए बच्चों पर अनावश्यक बोझ डालना समझदारी नहीं है। बच्चों को सक्रिय और ऊर्जा से भरपूर बनाए रखने के लिए उन्हें विभिन्न गतिविधियों में व्यस्त रखना अच्छा तो है, लेकिन बच्चे के साथ जबर्दस्ती करना ठीक नहीं है। इससे बच्चा बोझिल होने लगता है और वह हर काम को बोझ समझने लगता है। वह किसी भी काम को मन लगाकर नहीं करता। इससे उसकी फोकस क्षमता पर भी नकारात्मक असर पड़ता है।

कहीं आपको ही तो काउंसलिंग की जरूरत नहीं!

डॉ अरुणा मानती हैं, 'यदि मां-बाप बच्चों से ज्यादा उम्मीद रखते हैं, तो ये मां-बाप का अपरिपक्व व्यवहार है। जरूरत से अधिक अपेक्षा रखना बच्चे के सहज विकास की प्रक्रिया को रोक देता है। इससे बच्चे की अपने परिवेश को सीखने-समझने की क्षमता कम हो जाती है। ऐसी प्रक्रिया में बच्चों की काउंसलिंग की जगह मां-बाप को अपनी काउंसलिंग और एंगर मैनेजमेंट को सीखने की जरूरत है। ऐसी किसी भी स्थिति से निबटने के लिए माता-पिता को बिना किसी संकोच के काउंसलर या मनोचिकित्सक से सलाह लेनी चाहिए। इससे उन्हें एक ओर जहां पेरेंटिंग के बारे में कुछ नयी चीजें सीखने को मिलेंगी, वहीं दूसरी आपके इन प्रयासों का बच्चों पर भी सकारात्मक असर दिखाई पड़ेगा।'

खुद में बदलाव को रहें तैयार

बच्चों की गलतियों पर आप जो प्रतिक्रिया देती हैं, उस पर संयम रखना सीखें। बच्चों की छोटी-छोटी गलतियों पर उसे डांटें नहीं, बल्कि उसे प्यार और धैर्य से समझाएं। उस परंपरागत सोच से बाहर निकलें, जहां माता-पिता जो करते हैं वह सही है। समय और समाज में आए बदलावों के साथ खुद में भी बदलाव करें।

जानकारी

एंटीऑक्सीडेंट्स से भरपूर ग्रीन कॉफी से साफ हो जाती है लिवर की गंदगी

अगर आप पिछले कुछ वर्षों से खुद को फिट रखने के लिए ग्रीन-टी या ब्लैक कॉफी पी रहे हैं तो अब समय है कुछ बदलाव करने का। ग्रीन-टी हो या ब्लैक कॉफी इन्हें छोड़कर अपनाइए ग्रीन कॉफी। यह सेहत को ठीक रखती है और वजन कम करने में भी सहायक है। ग्रीन कॉफी धीरे-धीरे हेल्थ और फिटनेस के बाजार में अपनी जगह बना रही है। इसके फायदों ने तो ग्रीन-टी को भी पीछे छोड़ दिया। वैसे बता दें कि ग्रीन-टी की ही तरह ग्रीन कॉफी में भी भरपूर मात्रा में एंटीऑक्सीडेंट्स हैं। यह वजन को तेजी से कम करने में सहायक है। खबरों के अनुसार इसके नियमित सेवन और बिना एक्सरसाइज के आप अपना वजन 10 किलो तक कम कर सकते हैं। इस बात में कितनी सच्चाई है, इस लेख में इस संबंध में बताया जा रहा है। ग्रीन कॉफी बीन्स को प्राकृतिक डिटॉक्स का एक रूप माना गया है। इसके सेवन से बैड कोलेस्ट्रॉल, अतिरिक्त फैट और लिवर से जीवाणु बाहर निकल जाते हैं, जिससे यह सही तरह से काम करता है और इसी से मेटाबॉलिज्म में सुधार होता है।

जरूरी टिप्स

कॉफी के अलावा अपनी डाइट में पोषक तत्वों से भरपूर फूड्स शामिल करें, जैसे- फल, सब्जी, नट्स, सीड्स और लीन मीट खाएं। डाइट फॉलो करते समय अगर आपको पाचन संबंधी परेशानियां, एसिडिटी और कब्ज की शिकायत हो रही है तो फिर न्यूट्रिशनिस्ट से सलाह लें और सही डाइट प्लैन बनवाएं। ध्यान दें कि हर 2 कॉफी के बीच में कम से कम 2-3 घंटे का अंतर रखें। शाम 5 के बाद कॉफी न पिएं। सोने से ठीक पहले इसका सेवन न करें, इससे अनिद्रा और वजन बढ़ सकता है।

क्या है ग्रीन कॉफी बीन्स?

कॉफी के पौधे से हरे रंग के बीजों को लेकर पहले उन्हें रोस्ट किया जाता है। फिर इसे पीसकर कॉफी बनाई जाती है। इस प्रक्रिया से कॉफी का रंग हरा से बदलकर हलका या गहरा भूरा हो जाता है और स्वाद भी बढ़ जाता है, लेकिन कॉफी में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट जैसे गुणकारी तत्व खत्म हो जाते हैं।

ग्रीन कॉफी बनाने के तरीके

पहला तरीका

एक टीस्पून ग्रीन कॉफी बीन्स को रात भर 1 ग्लास पानी में भिगो दें। सुबह इस पानी को ग्रीन टी या कॉफी की तरह उबालें। इसमें शुरुआत में शहद मिला सकते हैं, लेकिन बाद में इसे फीका ही पीना शुरू करें, तभी आपको इसका फायदा मिलेगा।

दूसरा तरीका

ग्रीन कॉफी बीन्स को थोड़ी देर धूप में रखें। ग्राइंडर में बारीक पीस लें। इस पाउडर को तेज उबलते पानी में 2 मिनट तक बॉयल कर छानकर पिएं।

सही समय पर पीना जरूरी

इसे डाइट का हिस्सा बनाने से पहले यह समझ लें कि ऐसा न करें कि जब मन किया तभी इसे पी लिया, जो सही नहीं है। ग्रीन कॉफी को सुबह खाली पेट पिएं। इस समय पीने से इसका असर तेजी से होता है। दोपहर से आधा घंटा पहले या फिर खाने के एक घंटे बाद ही इसे पिएं। पेट खराब है तो इसका सेवन न करें। अगर ग्लूकोमा है तो इसके सेवन से बचें।

लेफ्टी या राइटी: कौन से लोग होते हैं ज्यादा बेहतर?

पश्चिमी देशों में केवल 10 फीसदी ही लोग लेफ्टी यानी बाएं हाथ से काम करना पसंद करते हैं। इसके साथ ही अलग-अलग कार्यों के लिए अलग-अलग हाथों का प्रयोग करने वाले या समान कौशल के साथ दोनों हाथों का उपयोग करने वाले लोग असामान्य हैं। अगर आप भी लेफ्टी हैं या राइटी हैं तो यह खबर आपके लिए है। वैज्ञानिकों ने इस बात पर से पर्दा उठाया है कि इन दोनों में से कौन से लोग अधिक बेहतर होते हैं?

राइट हैंडड यानी दाहिने हाथ से काम करने वाले लोगों का प्रभुत्व दुनिया भर में कायम है और ऐसा प्राचीन काल से होता चला आ रहा है, लेकिन हमें इस बात का पता कैसे चले? शोधकर्ताओं ने प्राचीन काल के कंकालों के हाथ की हड्डियों और उस काल के दौरान पहने जाने वाले कपड़ों का आकलन कर इस बात का पता लगाया है।

वैज्ञानिक लंबे अरसे से जानते हैं कि हैंडेडनेस (दाएं और बाएं हाथ का प्रयोग करने वाले लोग) आंशिक रूप से जीन द्वारा निर्धारित किए जाते हैं, लेकिन 2019 तक उन्होंने लेफ्ट और राइट हैंडर्स के डीएनए के भागों में अंतर नहीं पहचाना था। अध्ययन में पाया गया कि लेफ्टी लोगों के मस्तिष्क का दाहिना और बायां हिस्सा एक के साथ एक मिलकर बेहतर तरीके से काम करता है। यह दोनों हिस्से भाषा के कार्य की प्रक्रिया को चलाने का काम करते हैं, लेकिन अभी इस बात की तसदीक नहीं हो पाई है कि क्या लेफ्ट हैंडर्स राइट हैंडर्स के मुकाबले अधिक धाराप्रवाह तरीके से बोलने में सक्षम होते हैं। अध्ययन में यह भी बात सामने आई है कि लेफ्ट हैंडर्स छात्र स्कूल में अधिक संघर्ष करते हैं और उनमें अटेंशन डेफिसिट हाइपरएक्टिविटी डिस्ऑर्डर (ADHD)के लक्षण पाए जाते हैं। यह बात उन लोगों के लिए विशेष रूप से सच हो सकती है, जो काम करते वक्त दोनों हाथों का प्रयोग करते हैं। एक अध्ययन में पाया गया कि वे बच्चे, जो बार-बार अपने दोनों हाथ आगे-पीछे करते रहते हैं, उनमें डिसलेक्सिया होने की संभावना भी दोगुनी हो जाती है। हालांकि शोधकर्ता अभी इस बात का पता नहीं लगा पाए हैं, लेकिन उन्हें संदेह है कि दोनों हाथों का प्रयोग करने वाले लोग जब ज्यादा बार एक ही हाथ का प्रयोग करते हैं तो उनमें निरंतर लेफ्ट हैंड का प्रयोग करने वालों की तुलना में ज्यादा दिक्कत झेलनी पड़ती है।

क्या लेफ्टी होते हैं ज्यादातर सुपीरियर?

आपके मस्तिष्क का दाहिना हिस्सा आपके शरीर के बाएं हिस्से की मांसपेशियों को कंट्रोल करता है और काफी हद तक आपकी संगीत और स्थानिक क्षमताओं को बढ़ाता है। यही कारण है कि लेफ्ट हैंडर्स लोग अक्सर रचनात्मक प्रोफेशन का हिस्सा होते हैं। मिरर राइटिंग, जिसमें अक्षर पलट जाते हैं और उन्हें पीछे की तरफ से लिखा जाता है यह लगभग लेफ्ट हैंड वाले लोग ही कर पाते हैं। कुछ अध्ययनों में यह बताया गया है कि लेफ्ट हैंड वाले बच्चे मुंह से पूछे गए सवालों में अधिक अंक लाते हैं। जबकि कुछ अध्ययन में यह गलत पाया गया है।

इतिहास राइटी को मानता है शक्तिशाली

विज्ञान भले ही लेफ्टी को सुपीरियर मानता हो, लेकिन साहित्य लेफ्ट हैंडर्स के हमेशा खिलाफ रहा है। मध्य युग में दानवों को लेफ्टी माना जाता था। जापान, चीन और अन्य एशियाई देशों में लेफ्ट हैंडर्स की संख्या पश्चिमी देशों के मुकाबले बहुत कम है। 1900 की शुरुआत में अमेरिकी शिक्षकों और डॉक्टर्स का मानना था कि लेफ्ट हैंडर्स में मानसिक विकारों से ग्रस्त होने की संभावना अधिक होती है और इसलिए वहां छात्रों को सीधे हाथ के बजाए उल्टे हाथ का प्रयोग करने के लिए कहा जाता था।

सेहत

साइनस इंफेक्शन होने पर एक टुकड़ा लहसुन आएगा काम

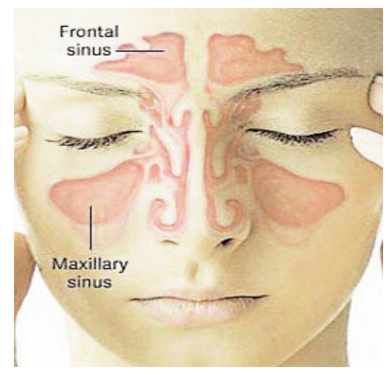

साइनस इंफेक्शन जिसे साइनसाइटिस या राइनोसिनिटिस के रूप में भी जाना जाता है, वास्तव में साइनस की सूजन है जिसके परिणामस्वरूप व्यक्ति को कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ता है। इनके लक्षणों में भरी हुई या बहती हुई नाक, बुखार, सिरदर्द, गले में खराश या खांसी आदि होती है। साइनस संक्रमण एक आम स्वास्थ्य समस्या है और ठंड के मौसम में लोगों को इस समस्या का अधिक सामना करना पड़ता है। इतना ही नहीं, साइनसाइटिस होने पर व्यक्ति को अपने दैनिक कार्य करने में भी परेशानी होती है। हालांकि अधिकतर लोग यह समस्या होने पर दवाई लेते हैं, लेकिन हर बार दवाई लेना अच्छा विचार नहीं है। इससे आपको कुछ समय के लिए भले ही राहत मिल जाए, लेकिन लंबे समय में आपको इन दवाईयों के नुकसान ही झेलने पड़ते हैं। ऐसे में आप अपने किचन से ही साइनस का इलाज ढूंढ सकते हैं।

बनाएं नोड़ ड्रॉप

लहसुन की मदद से आप नोड़ ड्रॉप बनाकर अपनी नाक में डाल सकते हैं। इससे आपको काफी राहत महसूस होगी। नोड़ ड्रॉप बनाने के लिए आधा कप डिस्टिल्ड वॉटर लेकर उसमें एक लहसुन की कली को कुचलकर डालें और कुछ घंटों के लिए इसे ऐसे ही छोड़ दें। अब पानी को छान लें, ताकि पानी में लहसुन के टुकड़े न रह जाएं। अब इस पानी को आई ड्रॉपर में डालें और अब लेटकर इसकी एक-एक बूंद अपनी नाक में डालें। इसी तरह, कुछ देर लेटे रहें। आप दिन में एक बार यह उपाय अपना सकते हैं। हालांकि शुरू में इसमें थोड़ी जलन होती है, लेकिन यह जलन जल्द ही ठीक हो जाती है।

यह भी है तरीका

अगर आप लहसुन को बतौर नोड़ ड्रॉप इस्तेमाल नहीं कर पा रहे हैं या आपको अधिक जलन हो रही है तो आप अन्य तरीकों से भी लहसुन का इस्तेमाल कर सकते हैं और साइनस इंफेक्शन को दूर कर सकते हैं। जैसे-

- आप लहसुन की एक या दो कली को छीलकर और धोकर उसे कच्चा खा सकते हैं।
- लहसुन की कली को छीलकर एवं धोकर उसे क्रश करें। अब इसमें गर्मागर्म पानी मिलाएं और पानी के हल्का ठंडा होने पर सिप-सिप करके इसे पिएं।
- पांच से सात लहसुन की कलियों को पानी में आठ-दस मिनट के लिए सोक करें। अब इसे क्रश करके फाइन पेस्ट बनाएं। अंत में इस पेस्ट को अपनी नाक के पास ले जाएं और इनहेल करें। इससे भी आपको काफी आराम महसूस होगा और बंद नाक भी खुलेगी।
- आप लहसुन की मदद से स्टीम भी ले सकते हैं। इसके लिए पहले आप किसी बर्तन में पानी डालकर उबालें। अब इसमें लहसुन की कली को क्रश करके डालें और गैस बंद कर दें। अब एक तौलिए की मदद से अपने सिर को कवर करते हुए स्टीम लें। यह तरीका साइनस इंफेक्शन में बेहद प्रभावी तरीके से काम करता है।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष — चू चे चो ला ली लू ले लो आ
परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। आलस्य का त्याग करें। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। शुभांक-3-5-7

वृष — इ उ ए ओ वा वी वू वे वो
जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आय-व्यय समान रहेगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। सुख-आनंद कारक समय है। अपने काम पर ध्यान दीजिए। अंधविश्वासी न बनें। शुभांक-5-7-9

मिथुन — का की कू घ ड छ के को हा
लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। शुभांक-6-7-9

कर्क — ही हू हे हो डा डी डू डे डो
किसी से वाद-विवाद अथवा कहासुनी होने का भय रहेगा। बुद्धि और धन का दुरूपयोग न करें व्यर्थ के आडम्बरों से बचें। अपनी परिसंपत्ति को संभालकर रखें। परिवार में किसी का स्वास्थ्य खराब हो सकता हैं। मानसिक तनाव में बढ़ोतरी होगी। पुराने मित्र से मिलन होगा। शुभांक-4-6-8

सिंह — मा मी मू मे मो टा टी टू टे
भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। कार्यसिद्धि में देर नहीं लगेगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। यात्रा का योग। शुभांक-6-8-9

कन्या — टो पा पी पू ष ण ठ पे पो
शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में कोई मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। शुभांक-5-7-9

तुला — रा री रु रे रो ता ती तू ते
लाभ में आशातीत वृद्धि तय हैं मगर नकारात्मक रुख न अपनाएं। किसी पुराने संकल्प को पुरा कर लेने का दिन हैं। 'आगे-आगे गौरख जागे' वाली कहावत चरितार्थ होगी। निष्ठा से किया गया कार्य पराक्रम व आत्मविश्वास बढ़ाने वाला होगा। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। शुभांक-5-7-9

वृश्चिक — तो ना नी नू ने नो य यी यू
कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों का समागम भी। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। शुभांक-3-6-8

धनु — ये यो भा भी भू धा फा ढा भे
कुछ पिछले संकट अब सिर उठा सकते हैं। निकट जनों के लिए अर्थव्यवस्था हेतु जोड़-तोड़ करना पड़ेगा। अपने संघर्ष में स्वयं को अकेला महसूस करेंगे। विशेष परिश्रम से ही अभिष्ट कार्य सिद्ध होंगे। नौकरी में अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। आध्यात्मिक रुचि बनेगी। शुभांक-2-3-5

मकर — भे जा जी खी खू खे खो गा गी
सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां पैदा होंगी। अल्प-परिश्रम से ही लाभ होगा। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। आर्थिक चिंताएं कम होगी। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। शुभांक-2-5-7

कुंभ — गू गे गो सा सी सू से सो दा
विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। शुभ कार्यों में अड़चनें और परिवार के बुजुर्ग जनों से मतभेद रहेगा। भय तथा शत्रुहानि की आशंका रहेगी। जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। आवास, मकान तथा वाहन की सुविधाएं मिलेंगी। बनते हुए कार्यों में बाधा आएगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। शुभांक-3-5-8

मीन — दी दू थ ज्ञ ज दे दो चा ची
कार्य साधक दिन है व्यर्थ न गंवाऐ। विश्वस्त लोगों के कहे अनुसार चलें। राजकीय कार्यों में सतर्कता बरतें। मान-सम्मान को ठेस लग सकती है। जोश से कम व होश में रहकर कार्य करें। नये आगंतुकों से लाभ होगा। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। शुभांक-3-5-7

काकुरो पहेली - 2659

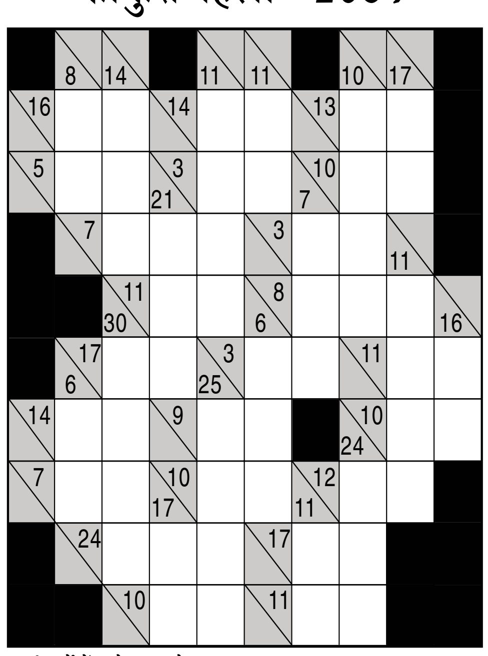

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

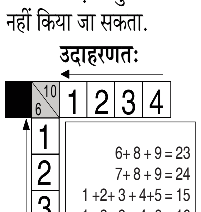

काकुरो - 2658 का हल

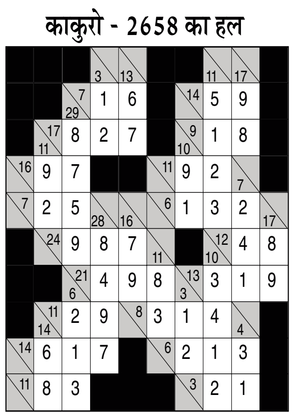

हंसी के फूव्वारें

दारोगा (रमेश से)- जब तुम्हारे यहां चोरी हुई, उस समय कितना बजा था?
रमेश (दारोगा से)- हम पर चार लट्ठ और हमारे भाई पर दो लट्ठ बजे थे.
दारोगा (रमेश से)- अरे मै घड़ी का पूछ रहा हूं उसमे कितना बजा था?
रमेश (दारोगा से)- साहब घड़ी तो एक ही लट्ठ बजने पर टूट गई.

महेश (संजय से) - मुझे ख़ुशी इस बात की है कि मेरा बॉस एक डॉक्टर है.
संजय (महेश से) - ऐसी क्या खासियत है आपके बॉस में?
महेश (संजय से) - मैं थोड़ा भी बीमार पड़ता हूं, तो वह मुझे फौरन बेड रेस्ट की सलाह दे देता है.

दो मूर्ख वार्तालाप कर रहे थे.
पहला बोला- 'यदि वृक्ष पर हाथी चढ़ जाए और वहां से नीचे उतरना चाहे तो उसे क्या करना चाहिए?'
दूसरा मूर्ख बोला- 'हाथी को वृक्ष की टहनी पर बैठकर पतझड़ के आने की प्रतीक्षा करनी चाहिए.'

राम (मोहन से)- क्या कर रहे हो?
मोहन- दोस्त को पत्र लिख रहा हूं.
राम- लेकिन तुम्हें लिखना नहीं आता.
मोहन (राम से)- तो मेरे दोस्त को कौन सा पढ़ना आता है.

फिल्म वर्ग पहेली- 2659

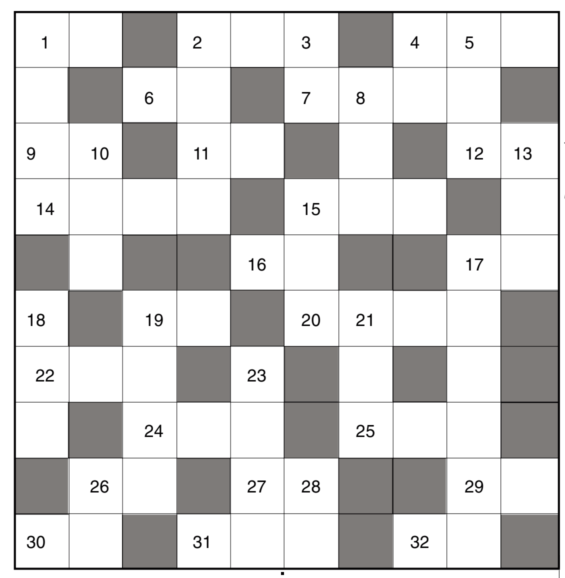

बायें से दायें:-

१. 'बरसो रे मेघा' गीत वाली फिल्म-२
२. राजेशखन्ना, धर्मेन्द्र, वहीदा की फिल्म-३
४. 'नींद कभी रहती थी आँखों में' गीत वाली फिल्म-३
६. राज सोलंकी, हिना रहमान, पायल की फिल्म-२
७. 'कहना है जो दिल से कहो' गीत वाली फिल्म-४
९. संजीवकुमार, नूतन की फिल्म-२
११. 'हम और तुम तुम और' गीत वाली फिल्म-२
१२. अभिषेक, भूमिका की फिल्म-२
१४. 'कुछ लोग यहाँ पर ऐसे है' गीत वाली फिल्म-४
१५. मकरंद देशपांडे, शबाना, श्वेता की फिल्म-३
१६. 'जब आती होगी याद मेरी' गीत वाली फिल्म-२
१७. संजय कपूर, माधुरी की फिल्म-२
१९. 'ओ रूपनगर के सौदागर' गीत वाली फिल्म-२
२०. अनिल धवन, रेहाना की फिल्म-२,२
२२. 'पर्दे में रहने दो पर्दा ना' गीत वाली फिल्म-३
२४. सुनील दत्त, साधना की फिल्म-३
२५. 'दिल जंगली कबूतर' गीत वाली फिल्म-३
२६. अभिषेक, उदय, एशा की फिल्म-२
२७. 'शरमाए काहे घबराये' गीत वाली फिल्म-२
२९. आमिर, माधुरी दीक्षित की फिल्म-२
३०. 'लगन लागी मन की लगन' गीत वाली फिल्म-२
३१. फिल्म 'मनोरंजन' में नायिका कौन थी-३
३२. शाहरूख, प्रियंका चोपड़ा की फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. ऋषि, अनिल, श्रीदेवी की फिल्म-४
२. 'नील गगन पे उड़ते बादल आ' गीत वाली फिल्म-४
३. फिल्म 'मि. बॉण्ड' में अक्षयकुमार के साथ नायिका कौन थी-२
४. जीतेंद्र, रीना राय, रामेश्वरी की 'धक धक से धड़कना' गीत वाली फिल्म-२
५. 'सपनों का शहर हो' गीत वाली अरशद वारसी, महिमा चौधरी की फिल्म-३
८. सुष्मिता की पहली फिल्म?-३
१०. 'चूड़े वाली छमिया मिला नैन रे' गीत वाली सनी, जयाप्रदा की फिल्म-३
१३. विनोद खन्ना, बिन्दू की 'दिल करने लगा है प्यार तुम्हे' गीत वाली फिल्म-३
१५. 'जीना तेरी बाहों' गीत वाली सुनील शेट्टी, इंद्रकुमार, नम्रता की फिल्म-३
१७. प्रदीपकुमार, नर्गिस की 'दिल की गिरह खोल दो' गीत वाली फिल्म-२,२,२
१८. 'नजर के सामने जिगर' गीत वाली राहुल राय, अनु अग्रवाल की फिल्म-३
१९. ऋषिकपूर, जयाप्रदा की 'ढपली वाले ढपली बजा' गीत वाली फिल्म-४
२१. 'गोरी जो मटके बालों' गीत वाली सुनील, रवीना, करिश्मा, सोनाली की फिल्म-३
२३. राजेंद्र कुमार, राखी की 'तुम मेरी हो मेरे सिवा किसी' गीत वाली फिल्म-२,२
२६. 'हर एक घर में दिया' गीत वाली संजय सूरी, रेवती, गुल पनाग की फिल्म-२
२८. सनी, सलमान, करिश्मा, तब्बू की 'अभी सॉस लेने की' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 2658

सुडोकू

6	9			7	4		8	
	8	5	6	2			4	9
7						6		3
	3	9	5				1	
1				8				5
	6				2	9	3	
4		7						2
8	2			5	9	1	7	
	1		2	3			5	8

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

6	5	3	9	1	7	2	8	4
9	1	8	2	6	4	3	7	5
7	4	2	5	3	8	1	9	6
3	7	1	6	9	2	4	5	8
8	6	9	1	4	5	7	2	3
5	2	4	8	7	3	9	6	1
2	9	5	4	8	1	6	3	7
4	3	6	7	5	9	8	1	2
1	8	7	3	2	6	5	4	9

शब्द पहेली - 2659

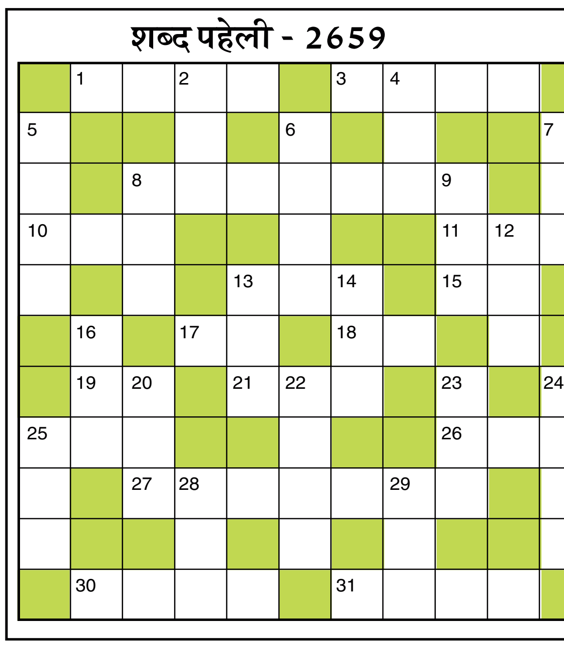

बाएँ से दाएँ

1.बादलों की गड़गड़ाहट-4
3.नीरस, रस विहीन-4
8.नेपाल की इस नायिका ने फिल्म 'सौदागर' से अपना कैरियर शुरु किया था-3,4
10.कंठस्थ करना-3
11.जुड़वा-3
13.उक्ति,काव्य कृति-3
15.आने वाला दिन-2
17.पर,पराया,दूसरा-2
18.हाथ-2
19.कविता लिखने वाल-2
21.बजाने वाला-3
25.कक्ष,रूम-3
26.ठिकाना,नीड़-3
27.हमारे देश के पूर्व प्रधानमंत्री-5,2
30.अभिप्राय-4
31.आतंकित होना-4

ऊपर से नीचे

2.तरुणाई,लड़कपन-3
4.सहायता,आधार-3
5.बीताना,यापन करना-4
6.दिखावा,पाखंड-4
7.जरुरत,स्वार्थ-3
8.राजी करना-3
9.योग्य-3
12.मसलना-3
13.इस चौथ को सुहागिन पति की रक्षा हेतु उपवास रखती हैं-3
14.सुगंध,लास-3
16.रोकड़ राशि-3
20.रुकना, स्थिर होना-3
22.विजय दशमी -4
23.भोर,सवेरा-3
24.सना हुआ,तर-4
25.छल,धोखा-3
28.अनुकृति-3
29.श्रंगार -3

शब्द पहेली -2658 का हल

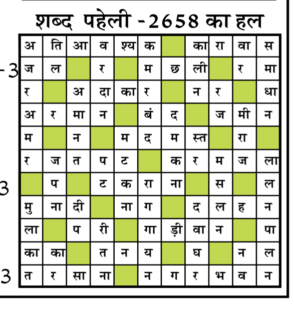

'वॉयस थ्रू द लेंस' प्रतियोगिता में ब्रह्मपुत्र की कहानियों की हुई प्रदर्शनी, संगीता मेधी की फिल्म सर्वश्रेष्ठ चुनी गई

एजेंसी

गुवाहाटी। असम की जीवनरेखा ब्रह्मपुत्र पर आधारित 'वॉयस थ्रू द लेंस' मोबाइल लघु वीडियो प्रतियोगिता में संगीता मेधी की सलमोरा एक नदी डायरी ने सर्वश्रेष्ठ वृत्तचित्र का पुरस्कार जीता, जबकि बोडिप सरमा, आकाश दीप और मृदुपवन पराशर की नादिया के दुई पार को सर्वश्रेष्ठ फिक्शन श्रेणी में पहला स्थान मिला। सुहासिनी डैंकिक की शिफ्टिंग शोर: अनस्क्रिप्टेडब्रह्मपुत्र डायरी को जूरी विशेष उल्लेख पुरस्कार से सम्मानित किया गया। गुवाहाटी स्थित संस्था केयर लुइट ने इस प्रतियोगिता का आयोजन भारतीय अंतर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण (आईडब्ल्यूएआई) और केंद्रीय पोत परिवहन, जलमार्ग और बंदरगाह मंत्रालय के सहयोग से किया। इसमें असम के विभिन्न हिस्सों से युवाओं ने भाग लिया और ब्रह्मपुत्र से जुड़ी संस्कृति, जीवन और भावनाओं को अपने मोबाइल कैमरे के जरिये प्रस्तुत किया। ‹ब्रह्मपुत्र की गूंज - समय और ज्वार के बीच बहने वाली कहानियां› विषय पर आयोजित इस प्रतियोगिता में प्रसिद्ध फिल्म निर्माता परवेज अहमद और गुवाहाटी थिएटर सोसाइटी की अध्यक्ष गायत्री सरमा जूरी सदस्य थीं। सर्वश्रेष्ठ वृत्तचित्र और फिक्शन श्रेणी के विजेताओं को 50,000 रुपये और प्रमाणपत्र, जबकि जूरी विशेष उल्लेख श्रेणी के विजेता को 25,000 रुपये और प्रमाणपत्र प्रदान किया गया।पुरस्कार वितरण आईडब्ल्यूएआई गुवाहाटी के क्षेत्रीय निदेशक प्रबिन बोरा ने किया। उन्होंने कहा कि ब्रह्मपुत्र केवल एक नदी नहीं, बल्कि एक जीवित विरासत है, और इन फिल्मों के जरिये युवाओं ने इसकी सुंदरता के साथ पर्यावरणीय संवेदनशीलता का संदेश भी दिया।

इंदौर में ऑस्ट्रेलिया की महिला खिलाड़ियों के छेड़छाड़ के आरोपित पर होगी सख्त कार्रवाई: सारंग

भोपाल। मध्य प्रदेश शासन के मंत्री विश्वास सारंग एवं कृष्णा गौर ने इंदौर में ऑस्ट्रेलिया की महिला खिलाड़ियों के साथ हुई छेड़छाड़ घटना को लेकर प्रतिक्रिया व्यक्त की है। मंत्री विश्वास सारंग ने कहा कि मध्य प्रदेश की धरती पर आई विदेशी महिला खिलाड़ियों के साथ किसी भी प्रकार की अनुचित हरकत किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। आरोपित के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर उसे गिरफ्तार किया जा चुका है। दोषी व्यक्ति के विरुद्ध सख्त से सख्त कार्रवाई की जाएगी, ताकि भविष्य में कोई भी इस प्रकार की घटिया मानसिकता वाला कार्य न कर सके। वहीं, मंत्री कृष्णा गौर ने कहा कि मध्य प्रदेश की भाजपा सरकार महिला अपराधों के प्रति 'जीरो टॉलरेंस' की नीति पर कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने स्वयं पूरी घटना की जानकारी लेकर अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं कि आरोपी के खिलाफ शीघ्र चार्जशीट दाखिल कर न्यायालय से कठोरतम सजा दिलाई जाए। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस घटना पर तत्काल संज्ञान लेते हुए पुलिस एवं प्रशासन को कठोर कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री द्वारा इस प्रकरण को 'चिन्हित अपराध' की श्रेणी में लाकर अति शीघ्र अन्वेषण पूर्ण कर चालान प्रस्तुत करने के लिए इंदौर पुलिस कमिश्नर को निर्देशित किया गया है। जिला प्रशासन को यह निर्देश दिए गए हैं।

दिल्ली से बिना लगेज के जबलपुर पहुंचा इंडिगो का विमान, एयरपोर्ट पर हंगामा

जबलपुर। मध्य प्रदेश के जबलपुर स्थित डुमना एयरपोर्ट पर यात्रियों ने जमकर हंगामा किया। दिल्ली से इंडिगो एयरलाइंस के विमान में सवार होकर यात्री तो जबलपुर आ गए, लेकिन उनका सामान नहीं आया। एयरपोर्ट पर जब सामान लेने यात्री टर्मिनल में पहुंचे तो 15 यात्रियों के सामान दिल्ली में छूटने की जानकारी मिली। इसके बाद यात्रियों ने का गुस्सा फूट पड़ा और करीब एक घंटे तक एयरपोर्ट पर हंगामा चलता रहा। बाद में इंडिगो के प्रतिनिधियों ने बातचीत की और रविवार की फ्लाइट से सामान बुलवाने का आश्वासन दिया, तब जाकर मामला शांत हुआ। जानकारी के अनुसार,इंडिगो की दिल्ली-जबलपुर-दिल्ली फ्लाइट निर्धारित समय एक बजकर 40 मिनट पर दिल्ली से उड़ी। यह फ्लाइट दोपहर तीन बजकर 10 मिनट पर जबलपुर एयरपोर्ट पहुंची। इस फ्लाइट से 15 यात्री जबलपुर पहुंचे। ये सभी यात्री बाहर निकले और लाउंज में अपने-अपने लगेज का इंतजार करने लगे। लगभग 20 से 25 मिनट बाद तक सामान नहीं आया तो उन्होंने कारण पूछा, तब पता चला कि उनका सामान दिल्ली में ही रह गया है। लगभग 15 से अधिक यात्री ऐसे थे, जिनका सामान दिल्ली में छूट गया था। सामान न मिलने से नाराज यात्रियों ने एयरपोर्ट पर हंगामा शुरू कर दिया।

राजस्थान के कोटा व सोगरिया स्टेशन पर गूंज रहे हैं छठ पूजा के गीत

कोटा। लोक आस्था के महापर्व छठ पूजा के शुभ अवसर पर भारतीय रेलवे ने एक अभिनव पहल की है। यात्रियों को त्योहार की भावना से जोड़ने और यात्रा को और भी सुखद बनाने के उद्देश्य से रेलवे ने देशभर के प्रमुख रेलवे स्टेशनों पर छठ पूजा के पारंपरिक गीतों का प्रसारण प्रारंभ किया है। यात्रियों का कहना है कि स्टेशन पर गूंज रहे केलवा के पात पर उगेलन सुरुजदेव और काँच ही बाँस के बहंगिया जैसे गीत उन्हें अपने घर और आस्था से जुड़ने का एहसास करा रहे हैं। कोटा मंडल ने भी इस सांस्कृतिक पहल को अपनाते हुए यात्रियों के सफर को भावनात्मक रंग दिया है। मंडल के कोटा एवं सोगरिया रेलवे स्टेशनों पर बिहार की दिशा में प्रस्थान करने वाली छठ पूजा विशेष ट्रेनों के रवाना होने से पूर्व स्टेशन परिसर में छठ पूजा के पारंपरिक गीतों का प्रसारण किया जा रहा है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार पूरी तरह सुरक्षित हो गया है : अमित शाह

एजेंसी

पटना। बिहार में चुनावी सरगर्मी के बीच केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने नालंदा के बिहारशरीफ में तीसरी जनसभा को संबोधित किया और लोगों से राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) को एक और मौका देने की अपील की। इस मौके पर उन्होंने केंद्र और राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को गिनाया और पूर्ववर्ती सरकारों पर जमकर निशाना साधा।

गृहमंत्री अमित शाह ने अपने संबोधन को दौरान कहा कि बख्तियार खिलजी ने नालंदा के पुराने विश्वविद्यालय में रखे हजारों इतिहासिक पुस्तकों को जला कर वहां की इमारतें ध्वस्त कर दिया था, लेकिन अब नालंदा विश्वविद्यालय को नरेन्द्र मोदी और नीतीश कुमार ने पुनर्जीवित करने का काम किया है। अब राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की डबल इंजन की सरकार

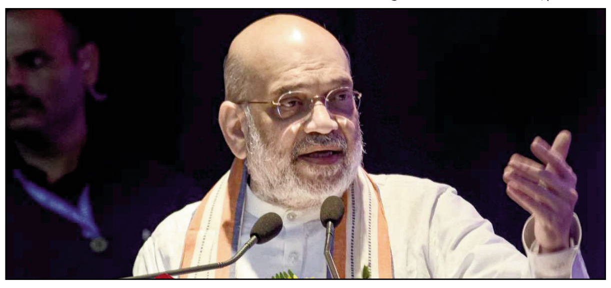

में सौ बख्तियार खिलजी जैसे लोग भी नालंदा विश्वविद्यालय के धरोहर को ध्वस्त नहीं कर सकता। अमित शाह ने कहा कि नरेन्द्र मोदी व नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार पूरी तरह सुरक्षित हो गया है। अमित शाह ने कहा कि राजग की सरकार बनने के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में पूरा बिहार नक्सलवाद से मुक्त हो गया, जबकि लालू-राबड़ी के शासनकाल में बिहार में अपहरण, हत्या और भ्रष्टाचार का बोलवाला था। आज के युवाओं को यह बताने की जरूरत है कि बीते सरकार में बिहार की क्या स्थिति थी, अब बिहार नरेन्द्र मोदी और नीतीश कुमार के नेतृत्व में विकसित राज्यों की श्रेणी में आ गया है। उन्होंने कहा कि लालू-राबड़ी के शासनकाल में 2000 से पहले बिहार में अपहरण, लूट, नक्सलवाद व अपराधियों का साम्राज्य कायम था।अमित शाह ने कहा कि लालटेन युग में बिजली के लिए आंखे तरस जाती थी, लेकिन आज कटती ही नहीं है। यह सब राजग की सरकार में देखने को मिल रहा है।

लालू-राबड़ी के शासनकाल में चुनाव छह-छह चरणों में होता था, लेकिन बिहार में राजग की सरकार बनने के बाद पहली बार दो चरण में मतदान कराए जा रहे हैं। इस बार यदि राजग की सरकार बनी, तो अगला चुनाव एक चरण में होगा।

अमृतसर में दो आईईडी व एक पिस्तौल सहित आतंकी मॉड्यूल का मुख्य संचालक गिरफ्तार

एजेंसी

चंडीगढ़। स्टेट स्पेशल ऑपरेशन सेल (एसएसओसी) अमृतसर ने एक आतंकवादी मॉड्यूल के मुख्य संचालक को गिरफ्तार करके उसके कब्जे से लगभग 2.5-2.5 किलोग्राम के वजन वाले दो इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी), जो हाई-ग्रेड आरडीएक्स से धातु के कंटेनरों में पैक किए गए थे और धमाके के लिये टाइमरों से लैस थे तथा एक आधुनिक .30 बोर पिस्तौल और गोला-बारूद बरामद किए हैं। पंजाब पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने बताया कि गिरफ्तार आरोपित की पहचान मनप्रीत सिंह उर्फ टिड्डी, निवासी गांव कोटला तरखाना, अमृतसर के रूप में हुई है। यह व्यक्ति आपराधिक पृष्ठभूमि वाला है और इसके खिलाफ थाना सदर बटाला और कलानौर में दो आपराधिक मामले दर्ज हैं। गुरदासपुर और अमृतसर की जेलों में लगभग डेढ़ साल की सजा पूरी करने के बाद इसे फरवरी 2025 में रिहा किया गया था और जेल से बाहर आने के बाद उसने फिर से आपराधिक गतिविधियां शुरू कर दीं। डीजीपी ने बताया कि प्रारंभिक जांच में खुलासा हुआ है कि आरोपित आर्मेनिया, यूनाइटेड किंगडम (यूके) और जर्मनी में स्थित अपने हैंडलरों के निर्देशों पर काम कर रहा था, जिन्हें एक प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन के पाकिस्तान-स्थित मास्टरमाइंड से आदेश मिल रहे थे। उन्होंने कहा कि इस मामले के अन्य संबंधों का पता लगाने और पूरे नेटवर्क को उजागर करने के लिए आगे की जांच जारी है। ऑपरेशन के बारे में जानकारी देते हुए एआईजी एसएसओसी अमृतसर सुखमिंदर सिंह मान ने बताया कि गुप्त सूचना पर कार्रवाई करते हुए टीम ने संदिग्ध मनप्रीत सिंह उर्फ टिड्डी को गिरफ्तार किया और उसके पास से .30 बोर की पिस्तौल और कारतूस बरामद किए।

केंद्रीय मंत्री गडकरी निजी प्रवास पर मप्र के सतपुड़ा टाइगर रिजर्व पहुंचे, दो दिन करेंगे जंगल सफारी

एजेंसी

बैतूल। केंद्रीय सड़क एवं परिवहन मंत्री नितिन गडकरी अपने निजी प्रवास पर मध्य प्रदेश के बैतूल और नर्मदापुरम जिले में स्थित प्रसिद्ध सतपुड़ा टाइगर रिजर्व पहुंचे। वे यहां चूरना के समीप बने तथास्तु रिसॉर्ट में रुके हैं। यह क्षेत्र बैतूल और नर्मदापुरम की सीमा पर स्थित है। गडकरी यहां अपने परिवार के साथ आए हैं। वे यहां दो दिन रुककर जंगल सफारी करेंगे। केन्द्रीय मंत्री गडकरी आज दोपहर नागपुर से रवाना होकर शाम को बैतूल जिले के शाहपुर ब्लॉक के कुंडी टोल प्लाजा से होते हुए धापड़ा मार्ग से चूरना पहुंचे। इस दौरान भाजपा प्रदेशाध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल, केंद्रीय राज्यमंत्री दुर्गादास उइके और विधायक गंगाबाई उइके ने उनसे मुलाकात की। बताया जा रहा है कि गडकरी अपने मित्र और उद्योगपति अनिल अग्रवाल के निमंत्रण पर चूरना पहुंचे हैं, जहां वे दो दिन परिवार सहित प्राकृतिक सौंदर्य और वन्यजीवों का आनंद लेंगे। केंद्रीय मंत्री रविवार को सुबह जंगल सफारी करेंगे और शाम तक नागपुर लौट जाएंगे। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने एक्स पर इसकी जानकारी साझा करते हुए कहा कि सतपुड़ा टाइगर रिजर्व में बैतूल जिले के ग्राम चूरना में अपने परिवार के साथ पधारे केंद्रीय सड़क एवं परिवहन मंत्री नितिन गडकरी का आत्मीय स्वागत

किया। इस दौरान केंद्रीय राज्यमंत्री डीडी उइके विधायक गंगाबाई उइके, भाजपा जिला अध्यक्ष सुधाकर पवार जी साथ रहे। केन्द्रीय मंत्री गडकरी के आने की सूचना पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने बैतूल के कुंडी टोल प्लाजा पर खराब सड़क और अवैध टोल वसूली को लेकर उनके काफिले को रोकने का प्रयास किया, लेकिन गडकरी का काफिला बिना रुके दूसरी दिशा से निकल गया। इससे नाराज कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने टोल प्लाजा पर ही नारेबाजी की। कांग्रेस कार्यकर्ताओं का आरोप है कि यहां अवैध रूप से टोल वसूली की जा रही है, जबकि सड़क की हालत बेहद खराब है। उनका कहना था कि बैतूल से नागपुर तक कांग्रेस शासन में बनी सड़क आज भी बेहतर स्थिति में है जबकि वर्तमान में भोपाल सड़क पर जगह-जगह गड्ढे हैं और फिर भी टोल वसूला जा रहा है।

पूर्वांचल समाज की मांग पर यमुना बैंक मेट्रो स्टेशन के पास छठ घाट पुनः शुरू : वीरेंद्र सचदेवा

एजेंसी

नई दिल्ली। पूर्वांचल समाज के लोगों के निवेदन पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने यमुना बैंक मेट्रो स्टेशन के पास स्थित बंद पड़े छठ पूजा घाट को पुनः शुरु करवाया। उन्होंने कहा कि इस घाट को 2020 में केजरीवाल सरकार ने बंद करवा दिया था। बिहार जागरण मंच के संरक्षक एवं एनडीएमसी सदस्य दिनेश प्रताप सिंह के नेतृत्व में बड़ी संख्या में पूर्वांचलवासियों ने वीरेंद्र सचदेवा से मुलाकात कर घाट को फिर से शुरू करवाने का अनुरोध किया था। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने तुरंत क्षेत्रीय अधिकारियों से बात कर अनुमति दिलवाई और जेसीबी मशीन लगवाकर घाट निर्माण कार्य शुरू करवाया। सुबह वीरेंद्र सचदेवा स्वयं निर्माणाधीन छठ घाट पहुंचे, जहां उन्होंने सफाई श्रमदान में भाग लिया। उन्होंने कहा कि लक्ष्मी नगर, पांडव नगर और आसपास के क्षेत्रों में बसे बिहार समाज के लोगों की वर्षों पुरानी आकांक्षा आज पूरी हुई है। केजरीवाल सरकार धार्मिक और सांस्कृतिक पर्वों में बाधा डालती थी, लेकिन भाजपा की रेखा गुप्ता सरकार जन-जन के पर्वों को उत्सव और उत्साह दे रही है। दिनेश प्रताप सिंह ने

कहा कि दिल्ली भाजपा अध्यक्ष एवं दिल्ली सरकार द्वारा छठ घाट पुनः चालू करवाने से पूर्वी दिल्ली के पूर्वांचल समाज में हर्ष और आभार का वातावरण है। इस अवसर पर विधायक अभय वर्मा, एनडीएमसी सदस्य दिनेश प्रताप सिंह, शाहदरा जिला अध्यक्ष दीपक गाबा, पूर्वांचल मोर्चा अध्यक्ष संतोष ओझा, पार्षद संदीप कपूर, नीलम नीतू चौधरी, रामकिशोर शर्मा सहित बड़ी संख्या में बिहार जागरण मंच के सदस्य मौजूद रहे।

चांदनी चौक सीलिंग के मुद्दे को लेकर भाजपा प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री से की मुलाकात

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली के चांदनी चौक में सीलिंग के मुद्दे को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद प्रवीण खंडेलवाल के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता से मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल से मिलने के बाद मामले की गम्भीरता को समझते हुए मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने एक उच्चस्तरीय बैठक बुलाई जिसमें दिल्ली के मुख्य सचिव एवं दिल्ली के निगमायुक्त एवं वरिष्ठ निगम अधिकारियों के साथ ही सांसद खंडेलवाल और भाजपा नेता भी शामिल हुए। सांसद खंडेलवाल एवं प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों ने मुख्यमंत्री को अवगत कराया की चांदनी चौक एक पूर्ण व्यापारिक क्षेत्र है और एक व्यक्ति विशेष के कारण एक दुखद स्थिति बनी है जिसमें उच्चतम न्यायालय के निर्देश पर कुछ दुकानों की सीलिंग हुई है। उन्होने

अनुरोध किया कि दिल्ली नगर निगम के साथ ही दिल्ली सरकार भी व्यापारियों का पक्ष रखे और न्यायालय को बताये की यह एक मास्टर प्लान के अंतर्गत कानूनी व्यापारिक क्षेत्र है। मुख्यमंत्री ने उच्चस्तरीय बैठक में मुख्य सचिव एवं निगमायुक्त को निर्देश दिया की वह उच्चतम न्यायालय को बताएं की 1962 के पहले दिल्ली मास्टर प्लान से ही चांदनी चौक एक स्वीकृत व्यापारिक क्षेत्र है और दिल्ली मास्टर प्लान 2021 के अनुसार यहां के अधिकांश बाजार एवं गलियां पूरी तरह कमर्शियल या मिक्स लैंड उपयोग पंजीकृत हैं। अतः यहां सीलिंग करना उचित नहीं है। रेखा गुप्ता ने चांदनी चौक ही नहीं पूरी दिल्ली के व्यापारियों को आश्वस्त किया है कि ना सिर्फ दिल्ली नगर निगम बल्कि दिल्ली सरकार एवं केंद्र सरकार भी उच्चतम न्यायालय में व्यापारियों के हित में जरूरत पड़ने पर जाएगी। प्रतिनिधिमंडल में दिल्ली हिन्दुस्तानी मार्केनटाइल एसोसिएशन के अध्यक्ष मुकेश सचदेवा, महासचिव श्रीभगवान बंसल, दिल्ली भाजपा प्रवक्ता प्रवीण शंकर कपूर, चांदनी चौक भाजपा अध्यक्ष अरविंद गर्ग, भाजपा नेता गोपाल गर्ग, व्यापारी नेता सुभाष गोयल एवं अभिषेक गणेरिवाल आदि शामिल थे।

चित्रकूट से ऐतिहासिक 'राम यात्रा' शुरू, मप्र के उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल और मुरारी बापू ने किया रवाना

एजेंसी

रीवा। मध्य प्रदेश के सतना जिले में स्थित भगवान श्रीराम की तपोस्थली चित्रकूट से श्रीराम वनगमन पथ पर आधारित ऐतिहासिक 'राम यात्रा' का शुभारंभ हुआ। चित्रकूट से सड़क मार्ग से होती हुई यह राम यात्रा उत्तर प्रदेश के चित्रकूट धाम रेलवे स्टेशन पहुंची, जहां से मध्य प्रदेश के उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल, कथावाचक मुरारी बापू, डीआर आई के संगठन सचिव अभय महाजन, संत राम हृदय दास मदन पालीवाल की उपस्थिति में 'राम यात्रा' की विशेष ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया।

कथावाचक मुरारी बापू द्वारा चित्रकूट से अयोध्या तक राम वन गमन पथ के मार्गों पर शुरू की गई यह 11 दिवसीय यात्रा प्रभु श्रीराम के वनवास काल में तय किए गए मार्गों को पुनर्जीवित करने और उन पवित्र स्थलों को श्रद्धालुओं से जोड़ने के उद्देश्य से आयोजित की गई है। यह 'राम यात्रा' विशेष ट्रेन से रामेश्वरम तक जाएगी। इसके बाद रामयात्रा हवाई मार्ग से श्रीलंका पहुंचेगी और इसके बाद यह यात्रा 4 नवंबर को वापस राम यात्रा अयोध्या आयेगी। इसके साथ ही राम यात्रा सड़क मार्ग से अत्रि मुनि आश्रम सती अनुसुइया चित्रकूट सतना भी पहुंची। इस अवसर पर मुरारी बापू ने इस यात्रा को केवल भक्ति का नहीं, बल्कि संस्कृति और एकता का संदेश देने वाला बताया। उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने इसे मध्य प्रदेश के लिए गौरवपूर्ण क्षण कहा और श्रीराम के पदचिह्नों पर चलना भारतीय संस्कृति के पुनरुत्थान का प्रतीक बताया।

भाजपा सांसद रामवीर सिंह बिधूड़ी ने तुगलकाबाद एवं कालकाजी विधानसभा के छठ घाटों का किया निरीक्षण

एजेंसी

नई दिल्ली। दक्षिणी दिल्ली लोकसभा से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सांसद रामवीर सिंह बिधूड़ी ने तुगलकाबाद और कालकाजी विधानसभा क्षेत्र के छठ घाटों का निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि छठ महापर्व श्रद्धा, स्वच्छता और समरसता का संदेश देने वाला पर्व है और हम सभी को इसे मिलकर सफल बनाना चाहिए। निरीक्षण में तुगलकाबाद काया - माया छठ घाट, हरकेश नगर डीडीए पार्क छठ घाट, गोविंदपुरी छठ घाट, कालकाजी छठ घाट तथा श्रीनिवासपुरी छठ घाट शामिल है।

रामवीर सिंह बिधूड़ी ने कहा कि सभी घाटों पर शानदार व्यवस्था की गई है। प्रकृति और समृद्धि के इस त्योहार में प्रशासन और आरडब्ल्यूए तथा सामाजिक संस्थानों के साथ भाजपा कार्यकर्ता भी जुटे हुए हैं। छठ महापर्व आस्था, एकता और सांस्कृतिक समरसता का प्रतीक है। महापर्व के सफल आयोजन के लिए भाजपा के सभी नेता एवं कार्यकर्ता पूर्ण उत्साह और निष्ठा के साथ कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता

के मार्गदर्शन में इस वर्ष छठ महापर्व के आयोजन के लिए अभूतपूर्व तैयारियां की जा रही हैं। हमारा लक्ष्य है कि प्रत्येक व्रती और श्रद्धालु को स्वच्छ, सुरक्षित और सुव्यवस्थित वातावरण प्राप्त हो। दिल्ली के सभी छठ घाटों पर आयोजित यह भव्य पर्व न केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक है, बल्कि यह हमारी सांस्कृतिक विविधता और सामाजिक एकता को भी सशक्त बनाता है। इस अवसर पर भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रदीप भंडारी तथा दिल्ली सरकार की उच्चस्तरीय छठ पूजा आयोजन समिति के सदस्य विधायक चंदन कुमार चौधरी, जिला भाजपा अध्यक्ष माया बिष्ट, निगम पार्षद योगिता सिंह, राजपाल सिंह, चंद्रप्रकाश, रोहतास बिधूड़ी, पवन ममता, सचिन सुगंधा बिधूड़ी और दिल्ली सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों ने छठ घाटों का निरीक्षण किया।

मुठभेड़ के बाद बदमाश को दबोचा

नई दिल्ली।दक्षिण जिला पुलिस टीम ने तड़के मुठभेड़ के बाद एक खतरनाक हथियार सप्लायर कानिष्क उर्फ कोकू उर्फ विशाल उर्फ कोकू पहाड़िया को गिरफ्तार कर लिया। कार्रवाई के दौरान एक पुलिसकर्मी गोली लगने से घायल हुआ। जबकि आरोपित के पैर में गोली लगी है। पुलिस ने मौके से दो ऑटोमैटिक पिस्टल, लोडेड मैगजीन और चार खाली खोखे बरामद किए हैं। दक्षिण जिले के पुलिस उपायुक्त अंकित चौहान के अनुसार महरौली थाने में कार्यरत हेड कांस्टेबल रविंदर गुप्त को सूचना मिली थी कि कुख्यात अपराधी कोकू पहाड़िया हथियारों की सप्लाई करने वाला है। सूचना को पुख्ता कर इंस्पेक्टर संजय सिंह के नेतृत्व में एसआई नवीन, एचसी रविंदर, एचसी सुनील, एचसी महेश, कांस्टेबल विनोद और अर्जुन की टीम ने लाडो सराय श्मशान घाट रोड पर पिकेट लगाया।रात करीब 3:15 बजे एक बाइक सवार युवक को रुकने का इशारा किया गया, लेकिन वह रुकने के बजाय भागने लगा। कुछ दूर जाने पर बाइक फिसलने के बाद उसने पुलिस पर ताबड़तोड़ फायरिंग शुरू कर दी।

दिल्ली से बिना लगेज के तमिलनाडु की तरफ बढ़ रहा चक्रवाती तूफान 'मोंथा का खतरा, उत्तरी तटीय क्षेत्रों के लिए ऑरेंज अलर्ट

एजेंसी

चेन्नई। दक्षिण-पूर्वी बंगाल की खाड़ी के ऊपर बना गहरा दबाव क्षेत्र धीरे-धीरे तेज हो रहा है और सोमवार सुबह तक इसके चक्रवाती तूफान 'मोंथा' में तब्दील होने की आशंका है। रविवार को भारत मौसम विभाग (आईएमडी) द्वारा जारी इस चेतावनी के बाद तमिलनाडु में ऑरेंज अलर्ट जारी कर दिया गया है।मौसम विभाग के मुताबिक इस चक्रवाती तूफान की गति अब उत्तर-पश्चिम की तरफ है और यह लगभग 8 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से आगे बढ़ रहा है। अगले दो दिनों में इसके कारण तमिलनाडु और पुडुचेरी के तटीय जिलों में भारी बारिश और तेज हवा होने की संभावना है। दक्षिण-पूर्वी बंगाल की खाड़ी के ऊपर बना गहरा दबाव क्षेत्र रविवार सुबह 5.30 बजे चेन्नई से लगभग 800 किलोमीटर पूर्व-दक्षिणपूर्व में केंद्रित था। आईएमडी का अनुमान है कि यह दवाब सोमवार सुबह तक बंगाल की खाड़ी के दक्षिण-पश्चिम और पश्चिम-मध्य हिस्से में एक चक्रवाती तूफान में बदल जाएगा। मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि यह सिस्टम उत्तर-उत्तर-पश्चिम की दिशा में बढ़ता रहेगा और

सोमवार रात या मंगलवार सुबह तक यह गंभीर चक्रवाती तूफान बन सकता है। यह तूफान मंगलवार शाम या रात तक आंध्र प्रदेश के तट से काकीनाडा के पास, मछलीपट्टनम और कलिंगपट्टनम के बीच होकर गुजर सकता है।

तूफान के दौरान हवा की गति 90 से 100 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंचने की संभावना है। आंध्र और उत्तरी तमिलनाडु के तटों पर 110 किलोमीटर प्रति घंटे तक की तेज हवाएं चल सकती हैं। इस दौरान मछुआरों को समुद्र में न जाने की चेतावनी दी गई है। जो मछुआरे पहले से ही समुद्र में हैं, उन्हें उफनती लहरों और तेज हवाओं के खतरे के कारण तुरंत तट पर लौटने की सलाह दी गई है। इस सिस्टम के कारण रविवार को तिरुवल्लुर, चेन्नई, चेंगलपट्टू, कांचीपुरम, विल्लुपुरम, रानीपेट जिलों और पुडुचेरी में भारी से बहुत भारी बारिश होने की संभावना है।

मौसम विभाग ने इन क्षेत्रों के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है, जिसका मतलब है कि इन इलाकों में तेज बारिश और तेज हवा के कारण खतरा बढ़ सकता है। सोमवार को रानीपेट, तिरुवल्लुर और चेन्नई जिलों में भारी बारिश होने की संभावना है। वहीं, विल्लुपुरम, चेंगलपट्टू, कांचीपुरम, वेल्लोर और पुडुचेरी में मध्यम से भारी बारिश हो सकती है। मंगलवार तक बारिश का क्षेत्र उत्तर की तरफ बढ़ेगा और रानीपेट और तिरुवल्लुर जिलों में विशेष रूप से जोरदार बारिश होने की प्रबल संभावना है। जिलों की प्रशासनिक टीमों को हाई अलर्ट पर रखा गया है और आपदा प्रबंधन टीमों को निर्देश दिया गया है कि वे अगले 48 घंटों में भारी बारिश, बाढ़ या तेज हवा से उत्पन्न किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार रहें।

स्वदेशी डीएनए वैक्सीन और जीन थेरेपी के साथ भारत वैश्विक स्वास्थ्य सेवा के नेतृत्वकर्ता के रूप में उभरा- डॉ. जितेन्द्र सिंह

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि भारत ने कोरोना से बचाव के लिए दुनिया का पहला डीएनए टीका और गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर की रोकथाम के लिए एचपीवी टीका विकसित किया है। भारत अब 200 से ज़्यादा देशों को स्वदेशी टीके उपलब्ध कराता है। हीमोफीलिया के लिए जीन थेरेपी के सफल परीक्षण के बाद विश्व में चिकित्सीय स्वास्थ्य सेवा में भारत नेतृत्वकर्ता के रूप में उभर रहा है। डॉ. सिंह यहां के विज्ञान भवन में आयोजित दिल्ली विश्वविद्यालय के यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ मेडिकल साइंसेज (यूसीएमएस) के 54वें स्थापना दिवस और कॉलेज दीक्षांत समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर डॉ. जितेंद्र सिंह ने स्नातक और स्नातकोत्तर छात्रों को डिग्री प्रदान की और डॉक्टरों की नई पीढ़ी से आग्रह किया कि वे करुणा के साथ नवाचार को अपनाएं।

उन्होंने कहा, दस साल पहले केवल लगभग 45 हजार

स्नातक चिकित्सा सीटें थीं; आज यह संख्या लगभग डेढ़ लाख है। उन्होंने स्वास्थ्य सेवा वितरण में आए बदलाव को तीन गुना - सुलभ, किफ़ायती और उपलब्ध बताया और स्वास्थ्य के मामलों में राज्य और नागरिक के बीच संबंधों को नए सिरे से परिभाषित करने के लिए आयुष्मान भारत और जन औषधि केंद्रों जैसी पहलों को श्रेय दिया।

इस अवसर पर डॉ. जितेन्द्र सिंह ने संस्थान की 54 वर्षों की यात्रा को दर्शाते हुए एक स्मृति चिह्न का विमोचन किया, जिसमें चिकित्सा शिक्षा, अनुसंधान और जनसेवा में कॉलेज की उपलब्धियों को दर्शाया गया है। डॉ. सिंह ने मेधावी छात्रों और संकाय सदस्यों को उनकी शैक्षणिक उत्कृष्टता और चिकित्सा अनुसंधान एवं शिक्षण में योगदान के लिए पुरस्कार और पदक भी प्रदान किए। कार्यक्रम की शुरुआत यूसीएमएस के शासी निकाय के अध्यक्ष प्रो. महेश वर्मा के स्वागत भाषण से हुई, जिसके बाद दिल्ली विश्वविद्यालय के डीन ऑफ कॉलेजेज और मुख्य अतिथि प्रो. बलराम पाणि ने अपना संबोधन दिया।

'हिटमैन' के संन्यास को लेकर बचपन के कोच ने किया बड़ा खुलासा

नई दिल्ली (एजेंसी)। सिडनी में खेले गए भारत-ऑस्ट्रेलिया वनडे मैच में टीम इंडिया के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा ने अपने बल्ले से कमाल कर दिया। रोहित ने 125 गेंदों पर नाबाद 121 रन बनाए, जिसमें 13 चौके और 3 छक्के शामिल थे। यह उनके अंतरराष्ट्रीय करियर का 50वां शतक भी साबित हुआ। रोहित शर्मा ने इस मैच में विराट कोहली के साथ मिलकर दूसरे विकेट के लिए नाबाद 168 रनों की साझेदारी की। इस शानदार पार्टनरशिप के दम पर भारत ने ऑस्ट्रेलिया को 9 विकेट से हराकर मैच जीत लिया।

रोहित शर्मा ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शानदार प्रदर्शन

38 साल की उम्र में 'हिटमैन' रोहित शर्मा पहले से ज्यादा फिट और रनों के भूखे नजर आए। ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों की पूरी कोशिश के बावजूद रोहित ने अपनी टाइमिंग और शॉट सेलेक्शन से विपक्षी गेंदबाजों को परेशानी में डाल दिया। रोहित ने इस सीरीज में कुल 202 रन बनाए, औसत 101 के साथ, जो किसी अन्य खिलाड़ी के लिए सबसे ज्यादा थी। इस प्रदर्शन के चलते उन्हें 'Player of the Series' चुना गया।

रोहित शर्मा की रिटायरमेंट को लेकर बचपन के कोच ने तोड़ी चुप्पी

रोहित शर्मा के बचपन के कोच दिनेश लाड ने मैच के बाद बताया कि रोहित ने अपनी भविष्य की योजना पहले ही तय कर ली है। लाड ने कहा, 'आज रोहित की बल्लेबाजी और टीम को जीत दिलाने का अंदाज देखकर बहुत अच्छा लगा। उसने पहले ही तय कर लिया है कि वह 2027 का वनडे वर्ल्ड कप खेलेगा और उसके बाद रिटायरमेंट लेगा।' रोहित का सपना भारत के लिए वनडे वर्ल्ड कप जीतना है। वर्ल्ड कप 2011 में रोहित भारतीय टीम का हिस्सा नहीं थे, जबकि वर्ल्ड कप 2023 में उनकी कप्तानी में भारत ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ फाइनल हार गया था।

दिनेश लाड ने विराट की भी की तारीफ

विराट कोहली ने भी इस मैच में जबरदस्त बल्लेबाजी की। लगातार दो मैचों में शून्य पर आउट होने के बाद कोहली ने इस मैच में नाबाद 74 रन बनाए। दिनेश लाड ने कहा, 'विराट किसी भी परिस्थिति में सफल हो सकते हैं। जिस तरह वह खेले, देखकर

बहुत अच्छा लगा।' लाड ने यह भी याद दिलाया कि सचिन तेंदुलकर ने भविष्यवाणी की थी कि रोहित शर्मा और विराट कोहली मास्टर ब्लास्टर के रिकॉर्ड्स को तोड़ेंगे। इस मैच और रोहित-कोहली के करियर को देखकर अब यह भविष्यवाणी सच होती नजर आ रही है।

एशिया जूनियर बैडमिंटन में भारत का ऐतिहासिक प्रदर्शन, शायना और दीक्षा ने जीता गोल्ड

चेंगदू (चीन) (एजेंसी)। भारत ने बैडमिंटन एशिया अंडर-17 और अंडर-15 चैंपियनशिप 2025 में अब तक का अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया है। रविवार को भारतीय खिलाड़ियों ने दो स्वर्ण, एक रजत और दो कांस्य पदक जीतकर इतिहास रच दिया।

अंडर-15 गर्ल्स सिंगल्स फाइनल में शायना मणिमुथु ने जापान की चिहारू तोमिता को 21-14, 22-20 से हराकर स्वर्ण पदक जीता। वहीं अंडर-17 गर्ल्स सिंगल्स फाइनल में दीक्षा सुधाकर ने अपनी हमवतन लक्ष्या राजेश को 21-16, 21-9 से मात दी।

दीक्षा इस उपलब्धि के साथ जूनियर एशियन चैंपियनशिप के इतिहास में अंडर-17 खिताब जीतने वाली पहली भारतीय सिंगल्स खिलाड़ी बन गईं। इससे पहले 2013 में भारत ने दो गोल्ड जीते थे – जब सिरिल वर्मा ने अंडर-15 बॉयज़ सिंगल्स और चिराग शेट्टी-एमआर अर्जुन की जोड़ी ने अंडर-17 बॉयज़ डबल्स में जीत दर्ज की थी।

शायना ने जहां मैच की शुरुआत से ही अपना दबदबा बनाए रखा, वहीं दीक्षा ने 27 मिनट में ऑल-इंडियन फाइनल अपने नाम किया। इससे पहले शनिवार को जगशेर सिंह खंगुरा ने बॉयज़ सिंगल्स में और जंगजीत सिंह काजला-जनानिका रमेश की जोड़ी ने मिक्स्ड डबल्स में कांस्य पदक हासिल किए।

भारत के पदक विजेता

दीक्षा सुधाकर -अंडर17 गर्ल्स सिंगल्स गोल्ड

शायना मणिमुथु -अंडर15 गर्ल्स सिंगल्स गोल्ड

लक्ष्या राजेश -अंडर17 गर्ल्स सिंगल्स सिल्वर

जगशेर सिंह खंगुरा -अंडर17 बॉयज़ सिंगल्स ब्रॉन्ज

जंगजीत सिंह काजला और जनानिका रमेश -अंडर17 मिक्स्ड डबल्स ब्रॉन्ज।

शुभमन गिल ने दिया बड़ा संकेत, इस बॉलिंग ऑलराउंडर की 2027 वर्ल्ड कप में होगी जरूरत

सिडनी (एजेंसी)। सिडनी में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भारत की 9 विकेट से शानदार जीत के बाद कप्तान शुभमन गिल ने गेंदबाज हर्षित राणा की जमकर तारीफ की। गिल ने इशारों में संकेत दिया कि आने वाले 2027 वनडे वर्ल्ड कप के लिए भारत को राणा जैसे बॉलिंग ऑलराउंडर की जरूरत होगी।

गिल ने कहा कि अगर हर्षित लगातार 20-25 रन का योगदान बल्ले से भी दे सकते हैं, तो वह टीम के लिए नंबर 8 स्थान पर बेहतरीन विकल्प साबित हो सकते हैं।

गिल ने मैच के बाद कहा, 'हमें भरोसा है कि हर्षित ये कर सकते हैं, और यह पोज़िशन टीम के लिए बहुत अहम है।'

हर्षित राणा ने तीसरे वनडे में 4 विकेट लेकर ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज़ों की कमर तोड़ दी थी। वहीं दूसरी ओर, गिल ने माना कि दक्षिण अफ्रीका जैसी तेज पिचों पर ऊंचे और 140+ की रफ्तार से गेंदबाजी करने वाले तेज गेंदबाजों की अहमियत और बढ़ जाती है। 'ऐसे तेज गेंदबाज बहुत कम हैं जो ऊंचे भी हैं और लगातार स्पीड से गेंदबाजी कर सकते हैं। दक्षिण अफ्रीका की पिचों पर ऐसे गेंदबाज बेहद जरूरी हैं,' गिल ने कहा।

भारत की जीत में हर्षित के अलावा स्पिनरों की भूमिका की भी गिल ने सराहना की, जिन्होंने शुरुआती ओवरों में दबाव बनाया, जिसका फायदा राणा ने उठाया। रोहित शर्मा (121*) और विराट कोहली (74) ने शानदार बल्लेबाजी कर लक्ष्य को आसानी से हासिल किया।

हां मैंने आलोचना की थी, लेकिन हार्षित राणा का प्रदर्शन शानदार रहा: क्रिस श्रीकांत

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के तेज गेंदबाज हार्षित राणा ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे ODI में शानदार प्रदर्शन करते हुए अपने आलोचकों को चुप करा दिया। 23 साल के राणा ने अपनी ODI करियर की बेस्ट 4/39 गेंदबाज़ी के साथ भारत को 9 विकेट की जीत दिलाई और पूर्व चयनकर्ता व 1983 विश्व कप विजेता सदस्य क्रिस श्रीकांत भी फैन बन गए।

कुछ हफ्ते पहले श्रीकांत ने राणा को गौतम गंभीर का 'Yes Man' कहकर आलोचना की थी। हालांकि अब उन्होंने कहा: 'हार्षित राणा ने शानदार गेंदबाज़ी की। चार विकेट लेना एक बड़ी उपलब्धि है। मेरा पसंदीदा विकेट ओवेन का था। उसने बेहतरीन लाइन और लेंथ में गेंदबाज़ी की। पिछले मैच में उसे मार गिराया गया था,

लेकिन इस मैच में उसने डैथ ओवर में भी बेहतरीन प्रदर्शन किया। आज हार्षित को सारी तारीफ मिलनी चाहिए।' राणा ने एडेलेड में भी 18 गेंद में नाबाद 24 रन बनाकर अपनी बल्लेबाज़ी क्षमता दिखाई थी। कप्तान शुभमन गिल ने भी उनकी तारीफ की और कहा कि राणा 2027 ODI वर्ल्ड कप में दक्षिण अफ्रीका की बाउंसी पिचों पर तीसरे तेज़ गेंदबाज़ और No.8 पर बल्लेबाज़ के रूप में टीम के लिए अहम साबित हो सकते हैं। पूर्व कप्तान और वर्तमान कोच गौतम गंभीर ने भी राणा के बचपन के आलोचकों को लताड़ लगाई और कहा कि किसी 23 वर्षीय खिलाड़ी पर व्यक्तिगत हमला करना गलत है। 'उसका प्रदर्शन ही मापदंड होना चाहिए। किसी को सोशल मीडिया पर निशाना बनाना उसके मनोबल पर असर डालता है। राणा ने अपनी मेहनत और काबिलियत से टीम में जगह बनाई है और आगे भी बनाए रखेगा।' गौर है कि तीसरे वनडे में भारत की ओर से रोहित शर्मा (121) और विराट कोहली (74) की बेहतरीन पारियों की बदौलत टीम ने 237 रन का लक्ष्य 69 गेंदें शेष रहते हासिल कर लिया।

मेसी का भारत दौरा टला

कोच्चि ।अर्जेंटीना के स्टार फुटबॉलर लियोनेल मेसी का अगले माह होने वाला भारत दौरा टल गया है।दौरे के प्रायोजक ने कहा कि कुछ कारणों से ये दौरा टाल दिया गया है।वहीं इससे पहले इस प्रस्तावित फुटबॉल मैच के प्रायोजक एंटो ऑगस्टीन ने केरल के खेल विभाग के साथ मिलकर घोषणा की थी कि मेसी के नेतृत्व वाली अर्जेंटीना की टीम 17 नवंबर को कोच्चि में एक मैत्री मैच खेलेगी। वहीं ऑगस्टीन ने अब सोशल मीडिया में घोषणा की कि यह मैच अगले महीने नहीं होगा। साथ ही कहा कि दौरे की नई तारीखों की जानकारी बाद में दी जाएगी।

गौरतलब है कि विश्व फुटबॉल की शीर्ष संस्था (फीफा) की अनुमति मिलने में देरी के कारण ही अर्जेंटीना फुटबॉल एसोसिएशन (एएफए) के साथ बातचीत के बाद इस मैच को नवंबर की विंडो से स्थगित किये जाने का फैसला किया गया। उन्होंने कहा कि केरल में यह मैच अगले अंतरराष्ट्रीय सत्र के दौरान आयोजित किया जाएगा और नई तारीख की घोषणा शीघ्र होगी।इससे पहले एएफए के प्रतिनिधियों ने सुविधाओं का जायजा लेने के लिए कोच्चि स्थित जवाहरलाल नेहरू अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम का दौरा किया थ।वहीं केरल के खेल मंत्री वी अब्दुरहमान के कार्यालय के अधिकारियों ने कहा कि उन्हें मैच स्थगित किए जाने के बारे में कोई आधिकारिक जानकारी नहीं मिली है।एक अधिकारी ने बताया कि इस मामले में संबंधित अधिकारियों से बात की जाएगी और उसके बाद ही कार्यक्रम में बदलाव की घोषणा होगी।

रोहित एकदिवसीय में 100 कैच लेने वाले भारतीय खिलाड़ियों के क्लब में शामिल

सिडनी ।भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सिडनी में खेले गये तीसरे और अंतिम एकदिवसीय मैच में शतकीय पारी खेलने के साथ ही एकदिवसीय में 100 कैच लेने का भी रिकार्ड बनाया है।रोहित ने तीसरे एकदिवसीय में दो कैच पकड़कर अपने 100 कैच पूरे किये।रोहित ने नाथन एलिस का कैच लेकर अपने करियर का 100वां कैच लपका।इसी के साथ ही एकदिवसीय क्रिकेट में 100 कैच लेने वाले वह सातवें भारतीय खिलाड़ी बन गए।रोहित ने ये उपलब्धि अपने 276वें मैच में हासिल की। रोहित से पहले विराट कोहली ने 305 मैच में 164 कैच, मोहम्मद अजहरुद्दीन ने 334 मैच में 156 कैच, सचिन तेंदुलकर ने 456 मैच में 140 कैच, राहुल द्रविड़ ने 344 मैच में 124 कैच, सुरेश रैना ने 226 मैच में 102 कैच, और सौरव गांगुली ने 311 मैच में 100 कैच लिए थे।रोहित ने तीसरे एकदिवसीयम में अपनी अपनी 121 रनों की पारी में 3 छक्के और 13 चौके लगाये थे।इस प्रकार रोहित ने अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में तीनों प्रारुपों को मिलाकर 50 शतक लगाया।वह ये उपलब्धि हासिल करने वाले भारत के तीसरे और अब तक के 10वें बल्लेबाज हैं।रोहित की शतकीय पारी की सहायता से भारतीय टीम ने 237 के लक्ष्य को 38.3 ओवर में ही एक विकेट के नुकसान पर हासिल करते हुए अपनी टीम को जीत दिलायी थी।

हर्षित को गंभीर ने दी थी चेतावनी, प्रदर्शन करो या बहार होने के लिए तैयार रहो

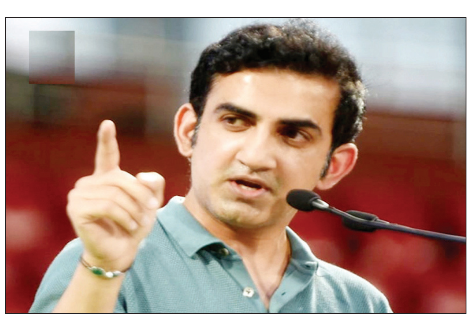

सिडनी। भारतीय टीम के युवा तेज गेंदबाज हर्षित राणा ऑस्ट्रेलिया दौरे पर टीम में शामिल किये जाने के बाद से ही निशाने पर थे।पहले दो मैच में खराब गेंदबाजों के बाद उनके आलोचक और मुखर हो गये थे और उनका कहना था कि हर्षित अंतरराष्ट्रीय स्तर के गेंदबाज नहीं है पर अंतिम एकदिवसीय में इस युवा ने चार विकेट लेकर अपने आलोचकों को करारा जवाब दिया है।हर्षित ने 8.4 ओवर में 39 रन देकर चार विकेट लिए।इस युवा ने गेंदबाजी के साथ ही अच्छी बल्लेबाजी भी की। दूसरे एकदिवसीय में भी उन्होंने अच्छी बल्लेबाजी की थी।इसके बाद भी कई लोगों का मानना है कि उन्हें एकदिवसीय टीम में जगह नहीं मिलनी चाहिए।वहीं ये भी कहा जा रहा है कि हर्षित के अच्छे प्रदर्शन के पीछे कोच गौतम गंभीर की उन्हें दी गयह चेतावनी थी।गंभीर ने उनसे प्रदर्शन करने या बाहर बैठने के लिए तैयार रहने को कहा था।

हर्षित के बचपन के कोच श्रवण कुमार ने बताया कि उसके एकदिवसीय टीम में चयन पर सवाल उठाए गए थे।सिडनी मैच में हर्षित को अर्शदीप सिंह के ऊपर चुना गया, जिससे कई लोग हैरान रह गए।इसी दौरान गंभीर ने उसने प्रदर्शन करने या बाहर होने के लिए तैयार रहने कहा था।

श्रवण ने कहा, ऊउसने मुझे फोन किया और बताया कि वह अपने प्रदर्शन से बाहरी लोगों की बातों और आलोचनाओं को शांत करना चाहता है।तब मैंने बस कहा, 'खुद पर विश्वास रखो.' मुझे पता है कि कुछ क्रिकेटर कहते हैं कि वह गंभीर के करीब है इसलिए टीम में है पर ये सही नहीं है .लेकिन गंभीर को प्रतिभा की पहचान करना आता है।इसलिए. वह उनका समर्थन करते हैं उन्होंने पहले भी कई क्रिकेटरों का समर्थन किया है

बीसीसीआई ने ऑस्ट्रेलियाई महिला क्रिकेटरों से हुई छेड़छाड़ के मामले में कड़ी कार्रवाई की मांग की

–पुलिस ने जांच तेज की

इंदौर (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने ऑस्ट्रेलिया की महिला क्रिकेटरों से हुई छेड़छाड़ के मामले की कड़ी आलोचना की है। बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने इस मामले में सख्त कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने कहा है कि इस घटना की जितनी निंदा की जाये वह कम है। वहीं इस घटना पर ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट बोर्ड (सीए) ने भी चिंता जताई और भारतीय अधिकारियों से खिलाड़ियों की सुरक्षा पक्की करने की मांग की है। पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच तेज कर दी है। वह इस मामले में गिरफ्तार आरोपी अकील खान से पूछताछ कर रही है। यह घटना उस समय हुई, जब खिलाड़ी होटल से निकलकर एक कैफे जा रही थीं।

इस घटना से ऑस्ट्रेलियाई टीम की सुरक्षा में लापरवाही की पोल जरुर खुल गयी है। पुलिस प्रशासन का कहना है कि अब सुरक्षा बढ़ा दी गयी है और आगे किसी प्रकार की परेशानी नहीं होगी। पुलिस ने इस घटना के सीसीटीवी फुटेज के आधार पर जांच तेज कर दी है। फुटेज में साफ तौर पर दिख रहा है कि कैसे आरोपी ने खिलाड़ियों के साथ बदसलूकी की। पुलिस ने हालांकि इस मामले में आरोपी को तत्कल पकड़ लिया था।

यह इलाका व्यस्त रहता है, फिर भी अपराधी ने जिस प्रकार घटना को अंजाम दिया उससे साफ है कि अपराधियों के हौंसले कितने बुलंद हैं। स्थानीय लोगों और दुकानदारों ने बताया कि सर्विस रोड पर अक्सर भीड़ रहती है पर सुरक्षा के लिए कोई विशेष इंतजाम नहीं किए गए थे। अतिरिक्त सीसीटीवी फुटेज और गवाहों के बयानों के आधार पर मामले की तह तक जाने की कोशिश की जा रही है। इस बीच, स्थानीय प्रशासन ने भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए कड़े कदम उठाने की बात कही है, जिसमें अतिरिक्त पुलिस गश्त और सीसीटीवी निगरानी बढ़ाना शामिल है। यह घटना से केवल सुरक्षा व्यवस्था ही नहीं बल्कि अंतरराष्ट्रीय आयोजनों के दौरान विदेशी मेहमानों की सुरक्षा को लेकर भारत की छवि को भी झटका लगा है।

क्लच शतरंज चैंपियंस में गुकेश के सामने बड़ी चुनौती

सेंट लुई।विश्व चैंपियन डी. गुकेश को 412,000 डॉलर इनामी क्लच शतरंज चैंपियंस में अब तक की सबसे कड़ी चुनौती का सामना करना होगा।यूरोपियन क्लब कप में अपनी टीम सुपर चेस को जीत दिलाने के बाद अमेरिका पहुंचे गुकेश को खिताब जीतने के लिए अपनी सर्वश्रेष्ठ खेल तकनीक दिखानी होगी।इस प्रतियोगिता में विश्व रैंकिंग के टॉप तीन खिलाड़ियों – मैग्नस कार्लसन, हिकारू नाकामुरा और फैबियानो कारूआना – का भी जोरदार मुकाबला होगा।हाल ही में पिता बने कार्लसन ने अपना ब्रेक खत्म किया है और वह खिताब के प्रबल दावेदार माने जा रहे हैं।क्लच शतरंज का यह टूर्नामेंट 18 गेम तक चलेगा और एक पखवाड़े में संपन्न होगा।विजेता को 120,000 अमेरिकी डॉलर, दूसरे स्थान पर 90,000 अमेरिकी डॉलर, तीसरे और चौथे स्थान पर क्रमश: 70,000 और 60,000 अमेरिकी डॉलर मिलेंगे।इसके अलावा, प्रत्येक राउंड में जीत पर अतिरिक्त 72,000 डॉलर की राशि भी पुरस्कार के रूप में मिलेगी।

टीम प्रबंधन को उम्मीद प्रतीका सेमीफ़ाइनल में भी करेगी अच्छा प्रदर्शन

नई दिल्ली (एजेंसी)। वर्ल्ड कप 2025 में अब भारत की असली परीक्षा शुरू होने जा रही है। सेमीफ़ाइनल में टीम इंडिया का सामना होगा उस ऑस्ट्रेलियाई टीम से, जिसने वर्षों से महिला विश्व क्रिकेट पर अपना दबदबा बनाए रखा है। ग्रुप मैच में जब दोनों टीमों का आमना-सामना हुआ था, तब स्मृति मंधाना और प्रतीका रावल ने शानदार शुरुआत दी थी, लेकिन टीम उस लय को अंत तक कायम नहीं रख सकी थी। इस बार दांव पहले से कहीं अधिक बड़ा है, क्योंकि जीत भारत को फाइनल में पहुंचा सकती है और हार से पूरा अभियान थम सकता है।

भारतीय बल्लेबाज़ स्मृति मंधाना इस वर्ल्ड कप की सबसे निरंतर और प्रभावशाली खिलाड़ी रही हैं। उनके साथ प्रतीका रावल का प्रदर्शन भी अब पूरे टूर्नामेंट की चर्चा का विषय बन गया है। न्यूज़ीलैंड के खिलाफ शतक लगाकर उन्होंने यह साबित कर दिया कि दबाव के क्षणों में वह टीम की रीढ़ बन सकती हैं। अब सभी निगाहें उन पर होंगी, क्योंकि यही वह मैच है जो खिलाड़ियों को नायक से दंतकथा में बदल देता है और महिला क्रिकेट के इतिहास में नए अध्याय लिखता है।

टीम प्रबंधन को उम्मीद है कि प्रतीका एक बार फिर अपनी दमदार पारी से विपक्ष को चौंकाएंगी। नॉकआउट मैचों में परिस्थितियाँ पलभर में बदल सकती हैं जैसा कि 2017 के डर्बी सेमीफ़ाइनल में हरमनप्रीत कौर ने अपने ऐतिहासिक शतक से दिखाया था। अगर इस बार स्मृति और प्रतीका मिलकर वही करिश्मा दोहराती हैं, तो भारत न सिर्फ फाइनल में जगह बना सकता है बल्कि ऑस्ट्रेलिया के लंबे समय से चले आ रहे वर्चस्व को भी तोड़ सकता है।

इस मैच में भारत को धैर्य, संयम और आत्मविश्वास से खेलना होगा। टीम को खुद पर उतना ही विश्वास रखना होगा जितना प्रतीका ने मुश्किल वक्त में अपने खेल पर रखा था। अगर

इस बार भी उन्होंने बल्ले से वही जवाब दिया जो न्यूज़ीलैंड के खिलाफ़ दिया था, तो ऑस्ट्रेलिया को भारत के सामने झुकना पड़ सकता है और प्रतीका रावल का नाम भारतीय क्रिकेट इतिहास में स्वर्ण अक्षरों में दर्ज हो जाएगा।

शास्त्री ने एकदिवसीय क्रिकेट के पांच भारतीय दिग्गजों की सूची में विराट को शीर्ष पर रखा

मुम्बई।भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कोच रवि शास्त्री ने भारतीय एकदिवसीय क्रिकेट के पांच दिग्गज क्रिकेटरों का चयन किया है।हैरानी की बात ये है कि शास्त्री ने इसमें

विराट कोहली का नाम सचिन तेंदुलकर से पहले लिया है। शास्त्री का कहना है कि विराट ने एकदिवसीय में सचिन के कई रिकॉर्ड तोड़े हैं, इसी लिए उन्हें पहले रखा है।साथ ही कहा कि विराट इस प्रारुप में दुनिया में सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले बल्लेबाज हैं, हालांकि वह अब भी एकदिवसीय में सचिन तेंदुलकर के सबसे ज्यादा रनों के रिकॉर्ड से काफी पीछे हैं। शास्त्री ने इस सूची में पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी, रोहित शर्मा और कपिल देव को भी रखा है।वहीं तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को इस सूची में शामिल नहीं किये जाने को लेकर कहा कि अभी उनके पास खेलने के लिए समय है।उन्होंने इस सूची में पूर्व खिलाड़ियों के साथ ही उन खिलाड़ियों को शामिल किया है जो करियर के अंत की ओर हैं।शास्त्री ने विराट को शीर्ष पर रखने क लि एक दशक से भी ज़्यादा समय से उनके शानदार प्रदर्शन और मैच विजेता होने का कारण बताया है।शास्त्री ने तीन विश्व कप विजेता खिलाड़ियों – धोनी, तेंदुलकर और कपिल को भी अपनी इस सूची में रखा है। शास्त्री ने कहा, मैं कोहली, तेंदुलकर, कपिल, धोनी और रोहित को चुनूंगा।साथ ही कहा कि अगर आप क्रिकेट इतिहास को देखें तो कई और अच्छे खिलाड़ी रहे हैं पर मेरे लिए ये खिलाड़ी सबसे अलग रहे हैं।इसलिए उन्हें जगह दी है।इस सूची में केवल दो ही सक्रिय खिलाड़ी विराट और रोहित है हालांकि ये भी अपने अंतिम दौर में हैं1

रोहित और कोहली होंगे 2027 वर्ल्ड कप में टीम इंडिया के बड़े हथियार: भारतीय पूर्व चयनकर्ता

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व भारतीय मुख्य चयनकर्ता एमएसके प्रसाद ने दिग्गज बल्लेबाज़ रोहित शर्मा और विराट कोहली की टीम इंडिया के लिए 2027 वनडे वर्ल्ड कप में अहम भूमिका निभाने की पुष्टि की है। प्रसाद ने कहा कि यह अनुभवी जोड़ी टीम के लिए बड़े संपत्ति साबित होगी।

तीसरे वनडे में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ, रोहित और विराट ने शानदार बल्लेबाज़ी का प्रदर्शन किया और भारत को 9 विकेट से जीत दिलाकर सीरीज में वाइटवॉश से बचाया। रोहित ने 121* रन बनाकर अपनी शानदार फॉर्म जारी रखी और ODI में अपना 33वां शतक जड़ा। विराट कोहली ने पिछली दो पारियों में लगातार डक के बाद वापसी करते हुए 74 रन* बनाए और कुमार संगकारा को पीछे छोड़ते हुए पुरुषों के ODI में दूसरे सबसे अधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए।

प्रसाद ने कहा, 'मैं बेहद खुश हूं। पिछले दो मैचों में उनके प्रदर्शन का इंतजार था। यह वर्ल्ड कप की तैयारी में बहुत अहम है। विराट और रोहित जैसे खिलाड़ी टीम के लिए बड़े संसाधन हैं।'

उन्होंने कहा कि दोनों बल्लेबाज़ों के पिछले रिकॉर्ड और फिटनेस को देखते हुए उन्हें केवल वर्तमान फॉर्म से आंका नहीं जा सकता। प्रसाद ने यह भी सराहा कि रोहित, विराट और रवींद्र जडेजा ने सही समय पर अगली पीढ़ी को जिम्मेदारी संभालने का मौका दिया।

'टीम में इतनी प्रतिभा है कि श्रेसअयर इयेर जैसी खिलाड़ी भी टी20 टीम में जगह नहीं पा रहे हैं। यह दर्शाता है कि टीम के पास बहुत गहराई है और युवा खिलाड़ी अब मजबूती से अपनी पहचान बना रहे हैं।'

प्रसाद ने टी20 फॉर्मेट में टीम की मजबूती और प्रतिभा के पूल की भी तारीफ की, यह बताते हुए कि भारत के पास आने वाले समय के लिए मजबूत टीम है।

ध्रुव विक्रम को स्टार किड होने का मिला फायदा

अभिनेता ध्रुव विक्रम हाल ही में रिलीज हुई अपनी फिल्म बाइसन के प्रचार में व्यस्त हैं। यह फिल्म 17 अक्तूबर को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। 24 अक्तूबर को रिलीज होने वाले तेलुगु संस्करण के प्रचार के सिलसिले में, वे हैदराबाद में थे। अभिनेता विक्रम के बेटे ध्रुव ने स्टार किड होने के बारे में खुलकर बात की और इस किरदार को निभाने के लिए की गई मेहनत के बारे में बताया।

स्टार होने की वजह से मिले कई मौके

ध्रुव ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में स्वीकार किया कि एक स्टार किड होने के नाते उन्हें कई मौके मिले हैं। वह इन मौकों का पूरा फायदा उठाने की योजना बना रहे हैं। उन्होंने कहा, यह सच है कि मैं एक स्टार किड हूं और मुझे मौके मिलते रहते हैं। हालांकि मैं लोगों को स्वीकार करने, मुझे प्यार करने, मेरे काम को पसंद करने के लिए मेहनत करता हूं। मैं तमिल, तेलुगु और भारतीय सिनेमा में अपनी जगह बनाने के लिए कुछ भी करने को तैयार हूं। इसके लिए मैं काम करता रहूंगा।
फिल्म बाइसन के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा, बाइसन के बारे में, मैं हमेशा सोचता था कि अगर मेरी जगह कोई ऐसा व्यक्ति होता जो फिल्मी बैकग्राउंड से नहीं आता, तो वह कितना कुछ करता? वह कितना काम करता? मैं इस बारे में और इस फिल्म के लिए मेहनत करता और तैयारी करता। मैंने इस फिल्म को अपना सर्वश्रेष्ठ देने की कोशिश की।

फिल्म के बारे में

फिल्म बाइसन का लेखन और निर्देशन मारी ने किया है। फिल्म में ध्रुव और अनुपमा के अलावा पशुपति, अमीर, लाल, राजिशा विजयन और अजगम पेरुमल ने अभिनय किया है। यह कबड्डी खिलाड़ी मनाथी गणेशन के जीवन पर आधारित है और एक ऐसे व्यक्ति की कहानी है जो जाति-आधारित भेदभाव को मात देते हुए खेल में अच्छा प्रदर्शन करने की कोशिश करते हैं।

सिंगल मदर होना आसान नहीं

अभिनेत्री शुभांगी अत्रे टीवी सीरियल 'भाबीजी घर पर हैं' में अंगूरी भाभी का किरदार निभाकर घर-घर में प्रसिद्ध हुईं। सोशल मीडिया पर भी उनकी फैन फॉलोइंग तगड़ी है।वह एक सिंगल मदर हैं और बेटी की परवरिश अकेले कर रही हैं। आईएएनएस को दिए विशेष इंटरव्यू में उन्होंने वर्क-लाइफ बैलेंस के बारे में बात की। इसमें उन्होंने बताया कि बतौर सिंगल मदर वह कैसे काम और घर की जिम्मेदारियां संभालती हैं।
शुभांगी अत्रे ने कहा, यह बिल्कुल भी आसान नहीं है। मुझे सब कुछ खुद ही संभालना पड़ता है, चाहे वह घर हो या मेरी बेटी। कई दिन ऐसे भी आते हैं, जब यह बहुत अधिक बोझिल लगता है, लेकिन मैं एक समय में एक ही काम करने की कोशिश करती हूं। मैं यह सुनिश्चित करती हूं कि सेट पर या घर पर, जहां भी रहूं, उस पल में पूरी तरह से मौजूद रहूं।
उन्होंने कहा, प्रतिस्पर्धा हर जगह है, लेकिन मैं तुलना करने के बजाय खुद को बेहतर बनाने पर ध्यान केंद्रित करना पसंद करती हूं। अवसर हमेशा आते रहेंगे, लेकिन आपको उन्हें पकड़ने के लिए तैयार रहना होगा। मैंने सीखा है कि आपको हमेशा सही अवसर नहीं मिलते, आप उन्हें अपनी कड़ी मेहनत और सही नजरिए से बनाते हैं। अगर आप अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित और केंद्रित रहें, तो वह अंततः आपके पास आ ही जाएगा।
क्या करियर में भाग्य की भूमिका भी होती है? इसका जवाब देते हुए अभिनेत्री ने कहा, भाग्य आपके लिए एक दरवाजा खोल सकता है, लेकिन आपकी कड़ी मेहनत ही आपको उस कमरे में रखती है। मैंने कई लोगों को एक बार भाग्यशाली होते देखा है, लेकिन केवल वे ही आगे बढ़ते हैं, जो ईमानदार और निरंतर प्रयास करते रहते हैं। शुभांगी अत्रे ने कहा, अब मेरी महत्वाकांक्षा ऐसी भूमिकाएं निभाने की है जो मुझे एक अभिनेता के रूप में चुनौती दें। मुझे आगे बढ़ने की प्रेरणा अपने काम के प्रति मेरे प्रेम और अपनी बेटी के लिए एक उदाहरण पेश करने की मेरी इच्छा से मिलती है। दृढ़ संकल्प के साथ आप सब कुछ संभाल सकते हैं और साथ ही अपने सपनों को भी पूरा कर सकते हैं।

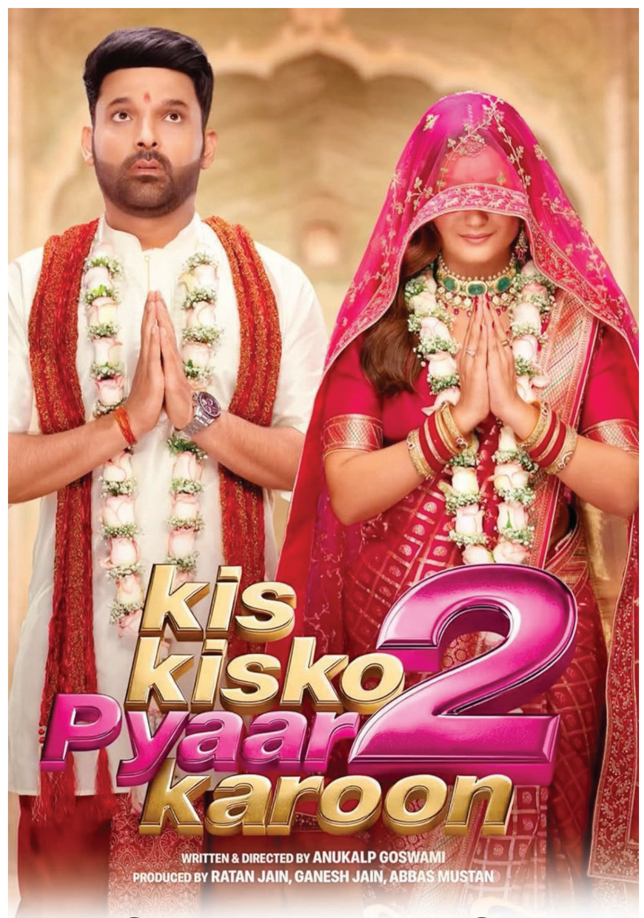

कपिल शर्मा की फिल्म किस किसको प्यार करूं 2 के रिलीज डेट का एलान

मशहूर कॉमेडियन और अभिनेता कपिल शर्मा अभिनीत फिल्म किस किसको प्यार करूं 2 को लेकर बड़ी अपडेट आ गई है। यह फिल्म बहुत जल्द दर्शकों के बीच आने वाली है। निर्माताओं ने इसके रिलीज डेट का एलान कर दिया है। आइए जानते हैं सिनेमाघरों में कब रिलीज होगी फिल्म।

कपिल ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर एक वीडियो शेयर किया। यह क्लिप फिल्म के पोस्टर की एक स्लाइड थी जिसमें सभी कलाकार नजर आ रहे हैं। रिलीज की तारीख का खुलासा करते हुए, कॉमेडियन-अभिनेता ने लिखा, दोगुने कन्फ्यूजन और चार गुना मस्ती के लिए तैयार हो जाइए। किस किसको प्यार करूं 2, हंसी का धमाल सिर्फ सिनेमाघरों में 12 दिसंबर 2025 को शुरू होगा।
रिलीज डेट के सामने आते ही नेटिजंस काफी खुश हो गए हैं। एक यूजर ने लिखा, फिल्म से ज्यादा हनी सिंह के गाने का इंतजार है। वहीं दूसरे यूजर ने कहा, फिल्म बहुत शानदार होने वाली है। एक और यूजर ने कहा, केंडी यो यो हनी सिंह। इसके अलावा अन्य यूजर्स कपिल शर्मा के कॉमेडी अंदाज को देखने का इंतजार कर रहे हैं।

'किस किसको प्यार करूं 2' के बारे में

किस किसको प्यार करूं 2 का निर्देशन अनुकल्प गोस्वामी कर रहे हैं। इसके निर्माता रतन जैन और गणेश जैन हैं। फिल्म में कॉमेडी, भ्रम और तमाशा का ड्रामा देखने को मिलेगा। फिल्म के पहले पार्ट को भी दर्शकों का काफी प्यार मिला था। इस फिल्म का निर्माण अब्बास-मस्तान द्वारा वीनस वर्ल्डवाइड एंटरटेनमेंट के तहत अब्बास मस्तान फिल्म प्रोडक्शन के सहयोग से किया जा रहा है। कपिल शर्मा की यह फिल्म 12 दिसंबर 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

चार्मर ने कम्फर्ट जोन से बाहर निकलने में मदद की

बॉलीवुड एक्ट्रेस सान्या मल्होत्रा ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर एक्टर और सिंगर दिलजीत दोसांझ के गाने चार्मर को लेकर अपना एक खास अनुभव शेयर किया, जो उन्हें बेहद पसंद भी आया। इस गाने ने उन्हें अपने कम्फर्ट जोन से बाहर निकलने में मदद की। सान्या ने इंस्टाग्राम पर चार्मर गाने का एक रिहर्सल वीडियो शेयर किया, जिसमें वह सफेद ड्रेस में शानदार डांस मूव्स करती नजर आईं। इसके साथ सान्या ने कैप्शन में लिखा, मैंने इससे पहले कभी हील्स में डांस नहीं किया और अब मैं रुकना नहीं चाहती। मुझे दिलजीत दोसांझ के चार्मर गाने पर डांस करने का मौका मिला। मेरी टीम और डायरेक्टर का शुक्रिया। जान्हवी कपूर और राखी सावंत ने इस पोस्ट पर फायर इमोजी के साथ प्रतिक्रिया दी। सोफी चौधरी ने लिखा, वो सब तो ठीक है... लेकिन मुझे कभी इतना स्वैग वाला फैन लड़का क्यों नहीं मिला? आप लोगों के मूव्स बहुत पसंद हैं... हमेशा।
चार्मर गाना दिलजीत के एल्बम ऑरा का हिस्सा है, जिसे 20 अक्तूबर को रिलीज किया गया। इस गाने का संगीत अवी सरा ने दिया और बोल राज रंजोध ने लिखे। वीडियो में सान्या एक खूबसूरत जगह पर जोशीले अंदाज में डांस करती दिख रही हैं। वीडियो को शारिक सेक्वेरा ने डायरेक्ट किया, श्लोक आहूजा ने शूट किया और यश कदम ने कोरियोग्राफी की। इसके पहले, दिलजीत के एल्बम से कुफर गाना रिलीज हुआ था, जिसमें मानुषी छिल्लर नजर आई थीं।

ब्रिटिश शासन पर आधारित पीरियड ड्रामा होगी प्रभास की अगली फिल्म

प्रभास इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म द राजा साब को लेकर सुर्खियों में हैं। इस बीच प्रभास अपनी एक और नई फिल्म को लेकर चर्चा में आ गए हैं। माना जा रहा है कि इसका टाइटल फौजी होगा। हालांकि नए पोस्टर में प्रभास का पूरा लुक नहीं दिखाया गया है। इसमें ग्रेट ब्रिटेन का झंडा देखा जा सकता है। पोस्टर के कैप्शन में लिखा है 1932 से मोस्ट वांटेड। ऐसे में माना जा रहा है कि यह फिल्म ब्रिटिश शासन पर आधारित एक पीरियड ड्रामा होगी। इसमें प्रभास संभवतः एक स्वतंत्रता सेनानी की भूमिका निभा सकते हैं।
इससे पहले एक पोस्टर जारी किया गया था जिसमें बंदूकों का ढेर लगा था। इसके ऊपर एक शख्स की परछाई थी। इसमें दिवाली की शुभकानाएं भी दी गई थीं। इससे पहले साझा किए गए पोस्टर में शिलालेख थे, जिससे संकेत मिलता है कि फिल्म में पौराणिक विषयों का समावेश होगा। खबरों के मुताबिक टाइटल की आधिकारिक घोषणा प्रभास के जन्मदिन पर होगी। खबर है कि मैथ्री मूवी मेकर्स द्वारा निर्मित, इस फिल्म में इमानवी मुख्य भूमिका में होंगी। इसमें मिथुन चक्रवर्ती, अनुपम खेर और जया प्रदा जैसे कलाकार भी होंगे। संगीत विशाल चंद्रशेखर का है। फिल्म को अगस्त 2026 में रिलीज करने की योजना है।
इस बीच, प्रभास की जनवरी 2026 में एक बड़ी फिल्म रिलीज होने वाली है, जिसका निर्देशन मारुति ने किया है। यह हॉरर-कॉमेडी द राजा साब है, जिसमें निधि अग्रवाल, मालविका मोहनन और संजय दत्त भी हैं।

जीतू अगर मुझसे एक्टिंग सीखता, तो जरूर खराब करता

जब एक फिल्म में दमदार कहानी, मजबूत किरदार और सामाजिक सरोकार आपस में जुड़ते हैं, तो कलाकारों को भी उससे जुड़ने का एक गहरा कारण मिल जाता है। फिल्म भागवत चैप्टर 1 -राक्षस मानव तस्करी जैसे गंभीर विषय को हल्के-फुल्के कॉमर्शियल अंदाज में पेश करती है, उसी पर एक्टर अरशद वारसी ने खुलकर बातचीत की है। फिल्म में जहां अरशद एक इन्टेंस लेकिन दिलचस्प पुलिस ऑफिसर के किरदार में नजर आने वाले हैं, वहीं जीतेंद्र एक बिल्कुल अलग अवतार में दर्शकों को चौंकाने वाले हैं।

एक एक्टर के तौर पर आप इस फिल्म से कैसे जुड़े? ऐसा क्या था जो आपको इस प्रोजेक्ट की तरफ खींच लाया?

मैंने सबसे पहले हमारे डायरेक्टर अक्षय शेरे से स्क्रिप्ट सुनी। कहानी मुझे काफी मजेदार और इंटेंस लगी। स्क्रीनप्ले और कॉन्सेप्ट बहुत मजबूत था। जिस तरह से कहानी बुनी गई थी, उसमें दिलचस्पी जागी। काफी वक्त बाद मुझे एक ऐसा रोल मिला जिसमें मैं ऑफिसर की वर्दी पहन रहा हूं। इससे पहले मैंने 'सहर' फिल्म में एसएसपी अजय कुमार का रोल निभाया था। मेरा बस चले तो ऐसी ही एक वर्दी घर में बनवाकर रख लूं और पहनकर काम पर जाऊं। यह रोल लाइट कॉमेडी और कॉमर्शियल स्पेस में है लेकिन साथ ही थोड़ा इंटेंस भी है।

अरशद, आपके किरदार के अंदर एक आंतरिक संघर्ष चलता है जो फिल्म में नजर आता है। क्या इसके लिए आपने कोई खास तैयारी की?

सच कहूं तो मैंने इसके लिए कोई अलग रिसर्च या खास तैयारी नहीं की। मैं क्यों झूठ बोलूं कि मैं तीन महीने वनवास में चला गया था। जब मैंने कहानी सुनी, तो बस 24 घंटे उस किरदार के बारे में सोचता रहा। फिर फिल्म के राइटर और डायरेक्टर के साथ बातचीत होती रही कि वो मुझसे क्या चाहते हैं और मैं उस किरदार को कैसे जस्टिफाई करूं। उनसे इनपुट मिलते थे, जिसकी मदद से मैं अपने दिमाग में उस आदमी की एक छवि बना लेता था कि वो ऐसा होगा।

फिल्म मानव तस्करी पर आधारित है, क्या शूट से पहले आपने इसके लिए कोई रिसर्च की?

मेरा मानना है कि फिल्म किसी भी विषय पर हो, एक कलाकार को फिल्म के नजदीक रहना चाहिए। जो कहानी राइटर ने लिखी है, वही आपकी जानकारी होनी चाहिए। वरना आप फिल्म की सोच से भटक सकते हैं। साथ ही, हमारे राइटर और डायरेक्टर पहले से ही विषय पर गहरी रिसर्च कर चुके थे, तो मुझे अलग से रिसर्च की जरूरत नहीं पड़ी।

क्या आपको लगता है कि फिल्म दर्शकों के दिलों में अपनी छाप छोड़ पाएगी? जब लोग फिल्म देखें तो उन्हें क्या महसूस होना चाहिए?

हर फिल्म किसी न किसी जज्बात को छूती है। मुझे उम्मीद है कि इस फिल्म में भी कुछ ऐसी बातें होंगी जो दर्शकों के दिल तक पहुंचेगी। जो हालात हमने फिल्म में दिखाए हैं, वो उनके जेहन में रहें। लोग समझें कि हमने क्या दिखाने की कोशिश की है। और सबसे बड़ी बात, उन्हें यह महसूस हो कि उनका समय बेकार नहीं गया।

आप नॉन-फिल्मी बैकग्राउंड से आते हैं। साथ में काम करते वक्त क्या आपने अपनी जर्नी के संघर्षों में कुछ समानता देखी?

मुझे तो लगता है कि हम दोनों ही बहुत रेगुलर लोग हैं, लेकिन बहुत टैलेंटेड हैं। जीतेंद्र बहुत अच्छा एक्टर है। अगर ऐसा नहीं होता तो फिल्म का सारा भार मुझ पर आ जाता और इसकी एक्टिंग भी मुझे ही करनी पड़ती। अगर कभी इसने मुझसे एक्टिंग सीख ली होती, तो शायद और भी खराब परफॉर्म करता।

घर बैठे विदेशी डिग्री

ऑनलाइन एजुकेशन

भारत में नौकरी के साथ-साथ पढ़ाई के बढ़ते चलन ने ऑनलाइन विदेशी विश्वविद्यालयों की चांदी कर दी है। पिछले कुछ सालों से नौकरीपेशा लोगों के साथ-साथ कालेज छात्र-छात्रएं भी ऑनलाइन डिग्री के प्रति काफी रुचि दिखा रहे हैं।

चाहे आप विश्व के किसी भी कोने में हों, सुविधानुसार घर या ऑफिस में बैठे-बैठे नामी-गिरामी अंतर्राष्ट्रीय विश्वविद्यालयों से विभिन्न विषयों में ऑनलाइन डिग्री हासिल कर सकते हैं। इन विश्वविद्यालयों में बिजनैस, टैक्नोलॉजी, यहां तक कि नर्सिंग जैसे प्रायौगिक विषयों में भी ऑनलाइन कोर्स उपलब्ध हैं। अब अगर आप सोच रहे हैं कि विभिन्न विश्वविद्यालयों में पढ़ाए जाने वाले विभिन्न कोर्सों के बारे में विस्तृत जानकारी कहां से मिलेगी तो हमारी बताई कुछ वैबसाइटों पर क्लिक कीजिए।

यूनिवर्सिटी ऑफ फिनिक्स

यूनिवर्सिटी ऑफ फिनिक्स से बिजनैस टैक्नोलॉजी, एजुकेशन और नर्सिंग में दो-तीन वर्षों में ऑनलाइन डिग्री हासिल की जा सकती है। इसके अलावा यूनिवर्सिटी एम.ए. और पीएच.डी. की भी पढ़ाई करवाती है। वहां पढ़ाए जाने वाले ज्यादातर कोर्स विभिन्न क्षेत्रों में कार्यरत प्रोफैशनल्स को ध्यान में रख कर डिजाइन किए गए हैं।

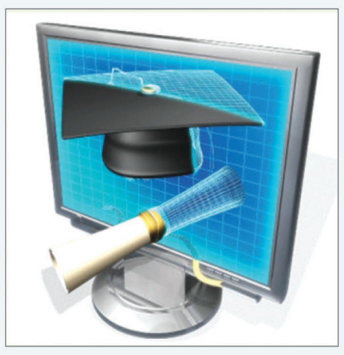

नामांकन और कोर्सों के बारे में ज्यादा जानकारी के लिए www.uopxonline.com पर क्लिक करें।

बोस्टन यूनिवर्सिटी

बोस्टन यूनिवर्सिटी का ऑनलाइन 'मास्टर ऑफ साइंस इन कम्प्यूटर इन्फॉर्मेशन सिस्टम' कोर्स अच्छा माना जाता है। हाल ही में यूनिवर्सिटी ने 'क्लिनिकल इन्वैस्टिगेशन' स्नातक स्तर का सर्टीफिकेट कोर्स शुरू किया है। इस क्षेत्र में प्रशिक्षित लोगों की दवा कम्पनियों में काफी मांग है। नामांकन और कोर्सों के बारे में ज्यादा जानकारी के लिए http://www.bu.edu पर क्लिक करें।

वैस्टवुड कालेज

वैस्टवुड कालेज के ज्यादातर कोर्स बाजार में उपलब्ध नौकरियों को ध्यान में रख कर डिजाइन किए गए हैं। इनमें क्रिमिनल जस्टिस, इंडस्ट्रियल सर्विसेज डिजाइनिंग, कम्प्यूटर एंड इन्फॉर्मेशन टैक्नोलॉजी, हैल्थकेयर और एम.बी.ए. आदि शामिल हैं। नामांकन और कोर्सों के बारे में ज्यादा जानकारी के लिए www.westwood.edu पर क्लिक करें।

केपेला यूनिवर्सिटी

केपेला यूनिवर्सिटी में शिक्षा के लगभग 80 क्षेत्रों में 700 से ज्यादा कोर्स उपलब्ध हैं। यूनिवर्सिटी बिजनैस व सूचना तकनीक में स्नातक स्तरीय कोर्स के अलावा मानव सेवा और साइकोलॉजी में अंतर स्नातक स्तरीय कोर्स भी करवाती है। नामांकन और कोर्सों के बारे में ज्यादा जानकारी के लिए www.capella.edu पर क्लिक करें।

थंडरबर्ड स्कूल ऑफ इंटरनैशनल मैनेजमैंट

वॉल स्ट्रीट जनरल द्वारा विश्व स्तर पर इंटरनैशनल बिजनैस में नंबर वन कोर्स करार दिए गए थंडरबर्ड स्कूल में वैश्विक मैनेजमैंट में 60 से अधिक कोर्स उपलब्ध हैं। इसकी फैकल्टी में विश्व के अनेक प्रोफैशनल शामिल हैं। नामांकन और कोर्सों के बारे में ज्यादा जानकारी के लिए www.thunderbird.edu पर क्लिक करें।

चाय के लिए एक लोकप्रिय कहावत है लबसोज, लबरेज व लबबंद यानी चाय का ऐसा प्याला जो होंठों को गरमी दे, लबालब भरा हो व मिठास लिए हो। जिस चाय के प्याले से आप अपने ताजगी भरे दिन की शुरुआत करते हैं उसी के जरिए कॅरियर को भी नई ताजगी दी जा सकती है।

टी मैनेजमेंट

ताजगी भविष्य की...

चाय इंडस्ट्री में रोजगार के लिए बॉटनी, फूड साइंस, हॉर्टीकल्चर में बीएससी या एग्रीकल्चर साइंस के डिग्रीधारियों को प्राथमिकता दी जाती है। बिजनेस मैनेजमेंट या मार्केटिंग में विशेषज्ञता रखने वाले लोगों को मार्केटिंग के क्षेत्र में अवसर मिल सकते हैं।

चाय का नाम सुनते ही एक ताजगी का अनुभव होता है। खुशी की बात यह है कि भारत दुनिया में चाय का सबसे बड़ा उत्पादक, निर्यातक व उपभोक्ता देश है। यही कारण है कि इस क्षेत्र में कॅरियर बनाने की भी अपार संभावनाएं है। यह बहुत ज्यादा प्रचलित कॅरियर विकल्पों में से नहीं होने के बावजूद बेहद रुचिकर क्षेत्र जरूर है। टी मैनेजमेंट में चाय से जुडें अलग-अलग तरह के कार्य शामिल हैं।

कार्य का स्वरूप

चाय इंडस्ट्री में पौधों की बुआई, प्रोसेसिंग, ऑक्शनिंग, ब्रांडिंग, मार्केटिंग व रिसर्च का काम होता है। पौधों के लिए सही मिट्टी तैयार करना और फर्टिलाइजर्स का सही चुनाव भी इनके काम में शामिल होता है। चाय की तैयार पत्तियां सही समय और तरीके से ताड़ना भी अपने आप में एक महत्वपूर्ण काम है। इसके बाद पत्तियों की प्रोसेसिंग का काम फैक्ट्रियों में होता है। यहां के बाद विभिन्न बागानों से आई पत्तियों की टेस्टिंग करके नीलामी के लिए भेजते हैं।

कंप्यूटर की मदद

वैसे तो चाय की गुणवत्ता पता लगाने के लिए टी टेस्टर्स होते हैं लेकिन अब इसके सटीक सम्मिश्रण के लिए कंप्यूटर की मदद भी ली जाती है। फिर भी टी टेस्टर्स के कथन को ही सर्वोपरि माना जाता है। भारत में असम, दार्जीलिंग और नीलगिरी में चाय के सबसे अच्छे बागान हैं। एक ही बागान में चाय की कई किस्में उगाई जा सकती हैं। यह एक मौसमी पौधा है, लिहाजा एक ही झाड़ से अलग-अलग सीजन में अलग-अलग तरह की पत्तियां निकलती हैं। इन्हें अलग तरीके से हैंडल भी किया जाता है।

योग्यता

शैक्षणिक: बुनियादी शिक्षा हासिल किए लोग भी टी इंडस्ट्री में शामिल हो सकते हैं। इसके बाद नौकरी के लिए जरूरी कौशल सीखा जा सकता है। हालांकि बॉटनी, फूड साइंस, हॉर्टीकल्चर में बीएससी या एग्रीकल्चर साइंस के डिग्रीधारियों को प्राथमिकता दी जाती है। बिजनेस मैनेजमेंट या मार्केटिंग में विशेषज्ञता रखने वाले लोगों को मार्केटिंग के क्षेत्र में अवसर मिल जाते हैं। टी टेस्टर्स को इस काम के लिए विधिवत प्रशिक्षण मिलता है। इसके अलावा इनमें नैसर्गिक प्रतिभा भी होती है। हालांकि दक्ष टैस्टर बनने के लिए वर्षों तक अभ्यास व प्रशिक्षण जारी रखना पड़ता है। इससे ही टेस्टिंग की कला निखरती है।

व्यक्तिगत योग्यता: इस क्षेत्र में दिलचस्पी रखने वालों को घर से बाहर रहते हुए काम करने की आदत होनी चाहिए। उनका शारीरिक तौर पर फिट व आत्मनिर्भर होना और उनमें लीडरशिप का गुण होना जरूरी है। चाय बाजार और उसके बदलते मापदंडों पर पकड़ होनी ही चाहिए। टी टेस्टर्स की स्वाद कलिकाएं बेहतर होनी चाहिए। टी ब्रोकर बनने की चाह रखने वालों को चाय बाजार पर पकड़ के साथ ही इसके उत्पादक और खरीदार दोनों से अच्छे संबंध बनाने होते हैं।

रोजगार के अवसर

दुनियाभर में भारत के चाय का सबसे बड़ा निर्माता होने के चलते यहां असीम संभावनाएं हैं। चाय कंपनियों, चाय बागान, टी ब्रोकिंग हाउस, टी एसोसिएशंस और टी बोर्ड ऑफ इंडिया में आपको कार्य करने के अच्छे मौके मिल सकते हैं। अनुभव प्राप्त टी प्लांटर आगे चलकर टी ब्रोकरेज में कदम रख सकता है। चाय सलाहकार बनकर भी व्यक्तिगत रूप से सुझाव देने का काम भी एक बेहतर विकल्प है। मुख्य तौर पर यहां निम्न कार्यों से जुड़ा जा सकता है।

प्लांटेशन/फैक्ट्री मैनेजर: बागान का नियंत्रण मैनेजरों के जिम्मे होता है। इनके काम में प्लांटेशन, रखरखाव, सही समय पर पत्तियों को चुनना, उन्हें पैक करवाकर नीलामी के लिए भेजना शामिल है।

टी टेस्टर: टी टेस्टिंग का क्षेत्र विशेषज्ञता की दरकार रखता है। इन्हें चाय के ढेर सारे फ्लेवर्स में से गुणवत्ता के आधार पर चुनाव करना होता है। इसकी एक खामी यह है कि तरह-तरह की चाय टेस्ट करने से आपकी पाचन शक्ति या दांतों पर विपरीत असर पड़ सकता है, क्योंकि तेजी के दिनों में एक दिन में 200-300 कप भी चखने पड़ सकते हैं।

रिसर्चर: यहां रिसर्च का ज्यादातर काम बॉटेनिस्ट, बायोटेक्नोलॉजिस्ट्स और दूसरे वैज्ञानिक करते हैं। इनके काम में अच्छी से अच्छी गुणवत्ता की चाय तैयार करना शामिल है।

टी ब्रोकर: टी ब्रोकर बिचौलियों का काम करते हैं, यानी वह उत्पादक और खरीदार के बीच सही तालमेल बैठाते हैं। यहां टी इंडस्ट्री का अनुभव काम आ सकता है।

कंसल्टेंट: टी बोर्ड ऑफ इंडिया और दूसरे टी एसोसिएशंस अपने यहां सलाह-सुझाव के लिए इन लोगों को नौकरी पर रखती हैं।

पारिश्रमिक

किसी अन्य क्षेत्र की तरह यहां भी अनुभव वेतन निर्धारण में दबर्दस्त भूमिका निभाता है। फिर भी प्रशिक्षुओं की शुरुआत 5 हजार रुपए से होती है जबकि अनुभव प्राप्त पेशेवर 25 हजार रुपए प्रतिमाह तक वेतन पा सकते हैं। विशेषज्ञों को 40-50 हजार तक की आय संभव है।

टी टेस्टिंग से जुड़े कार्य में चाय के ढेर सारे फ्लेवर्स में से गुणवत्ता के आधार पर चुनाव करना होता है।

प्रशिक्षण देने वाले संस्थान

असम एग्रीकल्चरल यूनिवर्सिटी, जोरहट
इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ प्लांटेशन मैनेजमेंट, बेंगलुरु
दीपरस इंस्टीट्यूट ऑफ प्रोफेशनल स्टडीज, कोलकाता
दार्जीलिंग टी रिसर्च एंड मैनेजमेंट एसोसिएशन, दार्जीलिंग
असम दार्जीलिंग टी रिसर्च, दार्जीलिंग
बिरला इंस्टीट्यूट ऑफ फ्यूचरिस्टिक स्टडीज, कोलकाता
द टी टेस्टर्स एकेडमी, कुन्नूर, केरल
यूपीएएसआई टी रिसर्च इंस्टीट्यूट, वलपरई।

होम्योपैथी चिकित्सा

चिकित्सा के विभिन्न क्षेत्रों में अब करियर के अनेक अवसर उपलब्ध हैं। मैडीकल लाइन में जाने के इच्छुक युवाओं के लिए करियर की दृष्टि से होम्योपैथी चिकित्सा का क्षेत्र भी अच्छा माना जाता है। होम्योपैथी चिकित्सा की बड़ी प्राचीन पद्धति है। सबसे प्रमुख बात यह है कि इसकी दवाओं का शरीर पर कोई साइड इफैक्ट नहीं होता। पुराने से पुराने रोगों के निदान में होम्योपैथी चिकित्सा कारगर सिद्ध हुई है। इसी कारण जहां लोगों का एलोपैथी के मुकाबले इस चिकित्सा के प्रति विश्वास बढ़ता जा रहा है वहीं युवाओं को करियर के रूप में इस चिकित्सा क्षेत्र में अच्छे अवसर मिलने की संभावना बलवती हुई है।वर्तमान समय में होम्योपैथी चिकित्सा का दायरा बढ़ा है। ऐसा माना जाता है कि इसकी शुरूआत जर्मनी से हुई थी और यह अमेरिका तक विस्तृत होते हुए भारत में भी फैल गई।

रोजगार के दृष्टिकोण से होम्योपैथी में डिग्री प्राप्त करने के बाद युवा चाहें तो अपना स्वयं का क्लीनिंक खोलकर प्रैक्टिस शुरू कर सकते हैं या फिर किसी सरकारी अस्पताल अथवा स्वयंसेवी संगठन में नियुक्ति पा सकते हैं। शिक्षण क्षेत्र में नियुक्ति मिलने की संभावना रहती है नियुक्ति हेतु विज्ञापन विभिन्न राष्ट्रीय समाचारपत्रों में समय-समय पर प्रकाशित होते रहते हैं। इस क्षेत्र में प्रवेश पाने के लिए आवेदक को विज्ञान विषय सहित 12वीं कक्षा उत्तीर्ण होना चाहिए। इन्टर्नशिप सहित इस क्षेत्र में पढ़ाई की कुल समय सीमा पांच वर्ष की होती है। भारत के विभिन्न कालेजों में होम्योपैथी की पढ़ाई होती है। ऐसे प्रमुख संस्थानों की जानकारी समाचारपत्रों में मिलती रहती है।

कुछ संस्थानों के पते छात्रों की सुविधा हेतु यहां दे रहे हैं। इन संस्थानों से सम्पर्क कर विस्तृत जानकारी हासिल की जा सकती है। प्रवेश के लिए योग्यता, पाठ्यक्रम की अवधि तथा शुल्क आदि से संबंधित सभी बातें आवेदक को संस्थान से सम्पर्क कर पहले ही मालूम कर लेनी चाहिएं।

* के.एन.एच. मैडीकल कालेज, बरारी रोड, भागलपुर, (बिहार)
* नैशनल होम्योपैथिक मैडीकल कालेज, लखनऊ,(उ.प्र.)
* आर.वी.टी.एस. गवर्नमैंट होम्योपैथिक मैडीकल कालेज एंड हॉस्पिटल, मुजफ्फरपुर, (बिहार)
* स्टेट कानपुर होम्योपैथिक मैडीकल कालेज, जी.एच.के. बिल्डिंग, कानपुर। (उ.प्र.)

सफलता के लिए समर्पण जरूरी- रसील गुजराल

रसील गुजराल अंसल कासा पैराडॉक्स की क्रिएटिव हैड और एक सफल इंटीरियर डिजाइनर हैं। प्रसिद्ध चित्रकार और आर्कीटैक्ट सतीश गुजराल की बेटी रसील का कहना है कि इंसान को धन तक जाने वाले सबसे छोटे रास्ते की तलाश नहीं करनी चाहिए। यहां वह अपने जीवन से जुड़ी यादें ताजा करने के साथ-साथ अपनी सफलता का राज सांझा कर रही हैं।

रसील ने बताया कि उन्होंने स्कूली शिक्षा देहरादून ने एक बोर्डिंग स्कूल में प्राप्त की। उनका कहना है कि वहां उन्होंने अपने स्कूली दिनों के सबसे अच्छे पल बिताए। इसका कारण यह है कि वहीं उन्हें अपनी खूबियों को जानने का मौका मिला, उनमें सही मायनों में आत्मविश्वास पैदा हुआ। वहां उन्होंने पढ़ाई के साथ-साथ खेलों में भी काफी अच्छा किया और उन्हें कई सोशल स्किल्स का ज्ञान भी मिला।

इंटीरियर डिजाइनिंग का प्रशिक्षण उन्होंने अपने पिता और अपने भाई मोहित गुजराल के आर्कीटैक्चरल ऑफिस में लिया। यहां उन्हें तकनीकी बातों का ज्ञान मिला जबकि उनकी रचनात्मकता को पंख फैलाने की पूरी आजादी दी गई। बेशक शुरूआत में उन्होंने कई गलतियां कीं परंतु वह समय रहते उन्हें सुधार भी लिया करती थीं। यहां उन्हें किसी संस्थान में थ्योरी और प्रैक्टीकल जैसे बंधनों में नहीं बंधना पड़ा। यहां उन्होंने इंटीरियर डिजाइनर से अधिक एक इंटीरियर आर्कीटैक्ट का प्रशिक्षण हासिल किया।

फैशन इंस्टीच्यूट ऑफ टैक्नोलॉजी, न्यूयॉर्क के डीन के लिए रैजीडैंशियल इंटीरियर डिजाइनिंग का काम उनका पहला प्रोजैक्ट था। पहले प्रोजैक्ट की यादें सांझी करते हुए रसील ने कहा कि डीन 1986 में नैशनल इंस्टीच्यूट ऑफ फैशन टैक्नोलॉजी की स्थापना के लिए भारत आए हुए थे। उन्होंने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर डिजाइनिंग का अनुभव हासिल करने वाले व्यक्ति के साथ काम करना उनके लिए बहुत रोमांचपूर्ण रहा। चूंकि सारा काम भारतीय ब्यूरोक्रेसी से होकर किया जाना था, उन्हें इस दौरान कई बातों से पहली बार परिचित होने का मौका मिला।

उन्होंने कहा कि सबसे रोचक बात थी कि इस प्रोजैक्ट में कंसल्टैंट के तौर पर कार्य करने के लिए कभी उनकी फीस अदा नहीं की गई क्योंकि उन्हें बार-बार बिल क्लीयर करवाने के लिए लोगों के पास जाने में शर्म आती थी। उनका कहना है कि आत्मनिर्भरता किसी से सीखी नहीं जा सकती यह खुद सीखनी पड़ती है। खुद को लगातार चुनौतियों का सामना करने को प्रेरित करने और अतीत में हासिल सफलताओं से ढीले नहीं पड़ना जैसी बातें उन्होंने अपने पिता से सीखीं।

वह किसी भी प्रोजैक्ट का महत्व उसके आकार, सम्भावनाओं या मिलने वाली रकम से नहीं लगाती हैं। उनकी संतुष्टि उन प्रोजैक्ट्स को तत्कालीन आवश्यकताओं के अनुसार सबसे अच्छे ढंग से पूरा करने में निहित रहती है। उनका मानना है कि उनका एक मां-पत्नी-बेटी-किसी की मित्र होना ही उनको एक सम्पूर्ण इंसान बनाता है। उनके लिए जीवन का कोई एक भाग किसी अन्य भाग से अधिक महत्व नहीं रखता। उनके लिए सभी भूमिकाओं में संतुलन और सौहार्द बनाए रखना ही असली चुनौती है।

रसील का कहना है कि सफलता के लिए आपके परिवार का सहयोग बहुत महत्वपूर्ण है। साथ ही अपने काम से लगन और उसके प्रति समर्पण की भावना भी व्यक्ति में होनी चाहिए। अपने काम से लगाव ही व्यक्ति को सफल बनाता है।

सीमाओं का पालन करें

कार्यस्थल पर कई कारणों से हमारे आत्मसम्मान को ठेस पहुंच सकती है। अक्सर हमें निजता के अतिक्रमण, नजरअंदाज या हमारा उपयोग किए जाने अथवा कई लोगों की बातों एवं तानों से आहत होने का सामना करना पड़ता है।

ध्यान देने वाली बात यह है कि अपनी निजता के उल्लंघन के लिए काफी हद तक हम खुद जिम्मेदार होते हैं। किसी भी व्यक्ति के प्रोफैशनल और पर्सनल विकास तथा इससे भी बढ़ कर उसके मानसिक स्वास्थ्य के लिए जरूरी है कि वह कार्यस्थल पर अपने लिए तय निजी सीमा का उल्लंघन किसी को न करने दे।

कार्यस्थल पर निजी सीमा से तात्पर्य उस अंतर से है जो हमें अन्यों से अलग करता है। इसमें पर्सनल स्पेस, शारीरिक दूरी, संवाद, भावनात्मक एवं सामाजिक सीमाएं शामिल हैं।

किसी भी व्यक्ति के व्यक्तित्व और निजी अधिकारों की रक्षा के लिए इन सीमाओं का पालन करना बेहद जरूरी हो जाता है।

कार्यस्थल पर हमारी अधिकतर परेशानियों का मुख्य कारण इन निजी सीमाओं की रक्षा नहीं कर पाना है। अक्सर किसी ग्रुप में फिट होने की कोशिश में हम अन्यों को इन सीमाओं का उल्लंघन करने की छूट दे देते हैं।

हम अपने सच्चे रूप को इस भय में छुपाए रखने का यत्न करते हैं कि कहीं हम अन्यों से दूर न हो जाएं। इस प्रकार के व्यवहार से हम अक्सर कुंठा के शिकार होते हैं। इसके विपरीत यदि हम अपनी एक निजी सीमा निर्धारित कर लें तो हम सुरक्षित रहने के साथ-साथ लोगों से अधिक प्रभावशाली ढंग से निपटने में सक्षम हो सकेंगे। सीमाओं की रक्षा करने वाले लोगों के सहकर्मियों से संबंध ऐसा नहीं कर पाने वालों से कई गुना बेहतर रहते हैं।